जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

Rashtradoot

जयपुर, गुरुवार 3 अगस्त, 2023

भारत की पहली मशीन

NHBH
NIMS HEART & BRAIN HOSPITAL
(A UNIT OF NIMS UNIVERSITY)

राजस्थान की पहली मशीन

क्यों जरुरी है अपने HEART की जाँच करवाना?

- आप नियमित रुप से अपना ब्लड शुगर, ब्लड कॉलेस्ट्राल की जॉच इसलिए करवाते हैं जिससे कि अन्य बीमारियों के अलावा हार्ट और ब्रेन (दिमाग) की नसों की जानकारी भी मिल जाये क्योंकि इन नसों में कोलेस्ट्राल एवं थक्का जमा हो जाता है जिससे नसें संकरी (नसों का ल्यूमन कम हो जाता है) हो जाती है। ल्यूमन कम होने से हॉर्ट अटैक बीमारी की संभावना बढ़ जाती है।
- ब्लड प्रेशर की जाँच नियमित रुप से इसलिए करवाना आवश्यक क्योंकि हाई Undiagnosed High Blood Pressure से अन्य बीमारियों के अलावा मस्तिष्क की नसें भी फट जाती है और लकवा होने की संभावना भी हो जाती है
- बहुत सी बड़ी कॉर्पोरेट कम्पनियाँ अपने कर्मचारियों का यह बॉडी चेकअप नियमित रुप से करवाती रहती हैं
- मेडिकल साइंस द्वारा भी ऐसी सलाह समाज के सभी व्यक्ति विशेष को दी जाती है कि इस तरह की जाँचे नियमित रुप से करवाते रहें जिससे कि हॉर्ट अटैक और ब्रेन की बीमारियों व अन्य बीमारियों का पहले से पता करके उचित समय पर इलाज किया जा सके।
- विदेशों मे भी हर व्यक्ति अपनी जॉचें नियमित रुप से करवाते रहते हैं।
- 40 वर्ष से ऊपर के सभी व्यक्तियों के लिए यह चेकअप की सलाह अक्सर दी जाती है।
- हार्ट अटैक और ब्रेन में नसें फटने की जानकारी पहले से ही पता करके इनका इलाज करवा कर इस बीमारी को रोका जा सकता है।

- **आपने देखा-सुना होगा कि कोरोना होने के बाद आकस्मिक मृत्यु की दर बढ़ गयी है। इसके कई कारण है, जिसमें कुछ कारण निम्नलिखित भी है:**

Thromboembolic Phenomina (नसों में खून का थक्का जमा होना) से Blood Vessels (नसें) संकरी (Narrow Lumen) हो जाती है और कभी-कभी इनमें रक्त प्रवाह अचानक बंद हो जाता है। यदि हॉर्ट की नसों में ऐसा हो जाता है तो हार्ट अटैक हो जाता है और अगर ब्रेन (दिमाग) की नसों में ऐसा हो जाएगा तो यह ब्लड (खून) के प्रवाह को रोक देगा जिससे ब्रेन की नस फट जाएगी और मनुष्य को लकवा होने की संभावना हो जाती है।

उपर बतायी गयी जाँचे अप्रत्यक्ष (Indirect) तरीके से पता लगाने के लिए है:

अपनी हॉर्ट एवं ब्रेन की नसों एवं अन्य जानकारी को प्रत्यक्ष (Direct) रुप से पता लगाने के लिए हम हैं NHBH-

- आपके हार्ट की नसों की जॉच बिना चीर-फाड़, बिना ऑपरेशन, बिना बेहोश किये, बिना तार डाले (Conventional angiography) के बिना **केवल 5 मिनट में** करवाकर तुरन्त ही अपने हार्ट/दिमाग (ब्रेन) की रिपोर्ट ले जाकर, अपनी ड्यूटी या सामान्य जीवन की सभी एक्टीविटी सहज (Normal) रुप से कर सकते है।
- यदि आपको पहले से हार्ट मे स्टंट (छल्ला) लगा है या एंजियोपलास्टी (बाईपास सर्जरी) हुई है तो अब हार्ट का स्टंट/एंजियोपलास्टी के बाद आपकी हार्ट की नसों की पेटेंसी की क्या स्थिति है। **केवल 5 मिनट में** - बिना चीर-फाड़, बिना आपरेशन, बिना बेहोश किये बिना तार डाले- अपने हार्ट का हाल **5 मिनट में** करवाके एवं रिपोर्ट लेकर अपनी ड्यूटी / सामान्य जीवन के सभी एक्टीविटी सहज (Normal) रुप से कर सकते हैं।

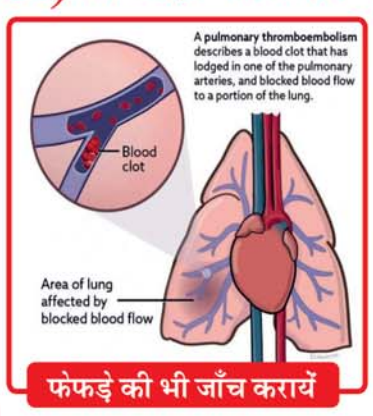

फेफड़े की भी जाँच करायें

Calcium Scoring:

- यह एक विशेष (Technique) तकनीक है, इसके द्वारा कोई भी व्यक्ति 20 वर्ष की उम्र से लेकर किसी भी उम्र तक **केवल 1 मिनट में** जान सकता है कि उसकी हृदय की धमनियों (खून की नलियों) में कितना हानिकारक कैल्शियम जमा हो रहा है - जिससे कि उसे **हार्ट अटैक कि कितनी और कब तक होने की सम्भावना है,** का पता चल सकता है। यह तकनीक **बिना चीर-फाड़, बिना ऑपरेशन, बिना बेहोश किए एवं बिना कोई बॉडी में दवा डाले या बिना दवा खिलाये** की जाती है एवं इस जाँच को करवाने के तुरंत 5 मिनट बाद अपनी रिपोर्ट लेकर अपनी ड्यूटी व जीवन की सारी एक्टीविटी सामान्य (Normal) रुप से कर सकता है।

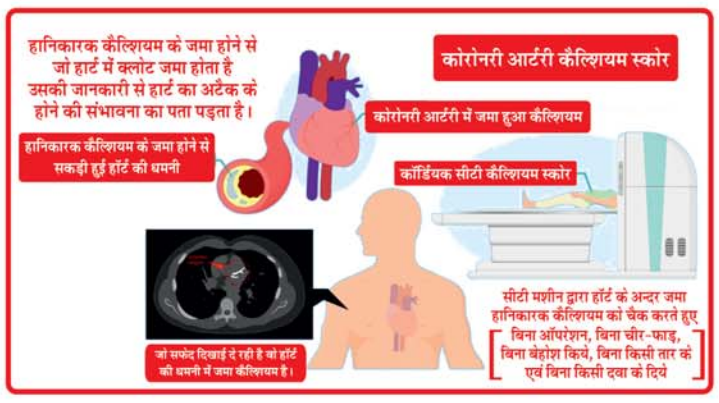

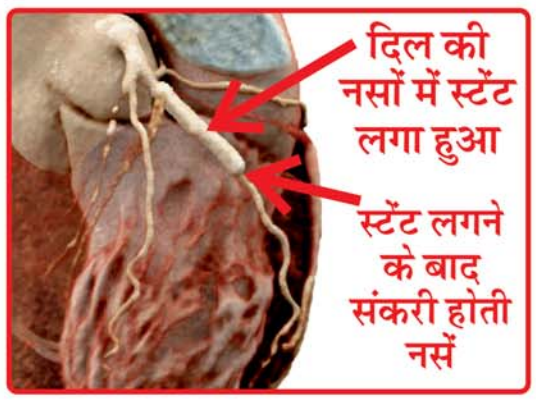

उच्च श्रेणी एवं गुणवत्ता की Siemens Germany की टेक्नोलोजी

ड्यूल सोर्स-ड्यूल एनर्जी 384 स्लाइस सीटी
(राजस्थान में पहली)
क्यू-जेन-डी.एस.ए. एवं कैथ लेब
(भारत की पहली)
विश्वविख्यात एडवांस्ड 3-टी एम.आर.आई. सिस्टम*

एम्स-नई दिल्ली एवं पी.जी.आई. - चंडीगढ़ के विशेषज्ञों द्वारा संचालित

प्रो. (डॉ.) संजीव शर्मा
MBBS, MD (Radio Diagnosis)
पूर्व प्रोफेसर, हैड-कॉर्डियोवास्कुलर इमेंजिंग विभाग एवं इंटरवेंशनल रेडियोलोजी, अखिल भारतीय चिकित्सा विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली (AIIMS, New Delhi)
प्रो-चांसलर एवं निदेशक -इंटरवेंशनल रेडियोलोजी विभाग, निम्स विश्वविद्यालय राजस्थान, जयपुर

प्रो. (डॉ.) संदीप मिश्रा
M.B.B.S., MD, DM (Cardiology)
पूर्व प्रोफेसर - कॉर्डियोलोजी विभाग अखिल भारतीय चिकित्सा विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली (AIIMS, New Delhi)
वाइस चांसलर एवं निदेशक -कॉर्डियोलोजी विभाग निम्स विश्वविद्यालय राजस्थान, जयपुर

प्रो. (डॉ.) एन. खण्डेलवाल
MBBS, MD (Radio Diagnosis)
पूर्व प्रोफेसर, हैड-रेडियो डायग्नोसिस विभाग स्नातकोत्तर चिकित्सा संस्थान शिक्षा एवं अनुसंधान, चंडीगढ़ (PGIMER, Chandigarh)
निदेशक-रेडियो डायग्नोसिस विभाग निम्स विश्वविद्यालय राजस्थान, जयपुर

प्रो. (डॉ.) उज्ज्वल चौधरी
MBBS, MS, M.Ch (CTVS)
पूर्व प्रोफेसर, हैड-सीटीवीएस विभाग अखिल भारतीय चिकित्सा विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली (AIIMS, New Delhi)
निदेशक-कॉर्डियक सर्जरी विभाग निम्स विश्वविद्यालय राजस्थान, जयपुर

डॉ. कमलेश चौधरी
MBBS, MD, DM (Neurology)
पूर्व सीनियर रेजीडेंट न्यूरोलोजी विभाग एस.एम.एस. अस्पताल-जयपुर
सह-आचार्य न्यूरोलोजी विभाग निम्स विश्वविद्यालय राजस्थान, जयपुर

डॉ. संदीप मुदगिल
MBBS, MD, DM (Interventional Radiology)
पूर्व सहायक प्रोफेसर स्नातकोत्तर चिकित्सा संस्थान शिक्षा एवं अनुसंधान, चंडीगढ़ (PGIMER, Chandigarh)
सहा. प्रोफेसर -इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी विभाग निम्स विश्वविद्यालय राजस्थान, जयपुर

डॉ. मनीष शॉ
MBBS, MD, DM (Interventional Radiology)
पूर्व सहायक प्रोफेसर कॉर्डियोवास्कुलर इमेंजिंग विभाग अखिल भारतीय चिकित्सा विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली (AIIMS, New Delhi)
सहा. प्रोफेसर -इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी विभाग निम्स विश्वविद्यालय राजस्थान, जयपुर

डॉ. अमितेश नागरवाल
M.B.B.S., MD, DM (Cardiology)
पूर्व सीनियर रेजीडेंट कॉर्डियोलोजी विभाग-जी.बी. पंत हॉस्पिटल नई दिल्ली (G.B. Pant, New Delhi)
सहा. प्रोफेसर-कॉर्डियोलोजी विभाग निम्स विश्वविद्यालय राजस्थान, जयपुर

डॉ. नरेन्द्र बैरवा
M.B.B.S., MD, DNB (Cardiology)
पूर्व सीनियर रेजीडेंट कॉर्डियोलोजी विभाग एस.डी.एम.एच., जयपुर (Jaipur)
सहा. प्रोफेसर-कॉर्डियोलोजी विभाग निम्स विश्वविद्यालय राजस्थान, जयपुर

डॉ. आशाराम पांडा
M.B.B.S., MD, DM (Cardiology)
पूर्व सीनियर रेजीडेंट कॉर्डियोलोजी विभाग एम्स, नई दिल्ली (AIIMS, New Delhi)
सहा. प्रोफेसर-कॉर्डियोलोजी विभाग निम्स विश्वविद्यालय राजस्थान, जयपुर

डॉ. अविनाश मुंशी
MD FRCR (London)
पूर्व सीनियर न्यूरोरेडियोलोजी विभाग एम्स, नई दिल्ली (AIIMS, New Delhi)
पूर्व सीनियर टी.एम.एच., मुंबई (Mumbai)
प्रोफेसर-रेडियोडायग्नोसिस विभाग निम्स विश्वविद्यालय राजस्थान, जयपुर

*coming soon

प्रतिदिन ओपीडी एवं 24x7 आपातकालीन सेवाएं | पता: बी-28, 29, गोविन्द मार्ग, राजापार्क, जयपुर -302004 | सम्पर्क करें:-TOLL FREE: 1800 890 4000, 9116010477

विचार बिन्दु

हर चीज़ की कीमत व्यक्ति की जेब और ज़रूरत के अनुसार होती है और शायद उसी के अनुसार वह अच्छी या बुरी होती है। –संतोष गोयल

प्राणी जीवन की रक्षा हेतु प्रकृति की रक्षा आवश्यक

प्रकृति का संरक्षण हमारे सुनहरे भविष्य का आधार है। मनुष्य जन्म से ही प्रकृति और पर्यावरण के सम्पर्क में आ जाता है। प्राणी जीवन की रक्षा हेतु प्रकृति की रक्षा अति आवश्यक है। वर्तमान समय में विभिन्न प्रजाति के जीव जंतु, वनस्पतियां और पेड़-पौधे विलुप्त हो रहे हैं जो प्रकृति के संतुलन के लिए बहुत ही भयावह है। मनुष्य अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए समय समय पर प्रकृति का दोहन करता चला आ रहा है। अगर प्रकृति के साथ खिलवाड होता रहा तो वह दिन दूर नहीं जब हमें शुद्ध पानी, हवा, उपजाऊ भूमि, शुद्ध पर्यावरण वातावरण एवं शुद्ध वनस्पतियाँ नहीं मिल सकेंगी। इन सबके बिना हमारा जीवन जीना मुश्किल हो जायेगा। प्रकृति हमारे जीवन का आधार है। विभिन्न प्राकृतिक संसाधन जैसे कि जल, वन्यजीवन, वन, खेती, वायु आदि हमारी जरूरतों को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। हमारी सांसें जल से भरी हुई हैं और हमारी खाद्य आपूर्ति भी खेती द्वारा उत्पन्न होती है। इसलिए, हमें प्रकृति के साथ संतुलन बनाए रखने की जरूरत है ताकि हम समृद्धि और सुख-शांति के साथ जीवन जी सकें।

प्रकृति के संरक्षण का अर्थ है कि वनों, भूमि, जल निकायों का संरक्षण और खनिजों, ईंधन, प्राकृतिक गैसों आदि जैसे संसाधनों का संरक्षण, यह सुनिश्चित करने के लिए कि ये सभी प्रचुर मात्रा में उपलब्ध रहें। ऐसे कई तरीके हैं जिनसे आम आदमी प्रकृति के संरक्षण में मदद कर सकता है। इनमें से कुछ ऐसे हैं जो आसानी से किए जा सकते हैं और एक बहुत बड़ा बदलाव ला सकते हैं। प्रकृति हमें पानी, भूमि, सूर्य का प्रकाश और पेड़-पौधे प्रदान करके हमारी बुनियादी आवश्यकताओं को पूरा करती है। इन संसाधनों का उपयोग विभिन्न चीजों के निर्माण के लिए किया जा सकता है जो निश्चित ही मनुष्य के जीवन को अधिक सुविधाजनक और आरामदायक बनाते हैं। प्रकृति के संरक्षण से अभिप्राय जंगलों, भूमि, जल निकायों की सुरक्षा से है तथा प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण खनिजों, ईंधन, प्राकृतिक गैसों जैसे संसाधनों की सुरक्षा से है जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि ये सब प्रचुर मात्रा में मनुष्य के उपयोग के लिए उपलब्ध रहें।

ऐसे कई तरीके हैं जिससे आम आदमी प्रकृति के संरक्षण में मदद कर सकता है। यहां कुछ ऐसे ही तरीकों का विस्तृत वर्णन किया गया है जिससे मानव जीवन को बड़ा लाभ हो सकता है।

पृथ्वी के पास हर इंसान की जरूरत पूरी करने के लिए काफी कुछ है, लेकिन उसके लालच को पूरा करने के लिए नहीं हैं। पृथ्वी पर पानी, हवा, मिट्टी, खनिज, पेड़, जानवर, पौधे आदि हर किस्म की जरूरत के लिए संसाधन है। लेकिन औद्योगिक विकास की होड़ में हम पृथ्वी को सफाई और उसके ही स्वास्थ्य को नजरअंदाज करने लगे हैं। हम कुछ भी करने से पहले यह बिलकुल नहीं सोचते कि हमारी उस गतिविधि से प्रकृति को कितना नकुसान होगा। प्रकृति का संरक्षण प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण से सबंधित है। इनमें मुख्यत: पानी, धूप, वातावरण, खनिज, भूमि, वनस्पति और जानवर शामिल हैं। प्रकृति हमें पानी, भूमि, सूर्य का प्रकाश और पेड़-पौधे प्रदान करके हमारी बुनियादी आवश्यकताओं को पूरा करती है। इन संसाधनों का उपयोग विभिन्न चीजों के निर्माण के लिए किया जा सकता है जो निश्चित ही मनुष्य के जीवन को अधिक सुविधाजनक और आरामदायक बनाते हैं।

प्रकृति से हमारा तात्पर्य जल, जंगल और जमीन से है। हम लगातार प्रकृति का दोहन करते जा रहे हैं जिससे मानव जीवन संकट में पड़ गया है। जल, जंगल और जमीन के बिना प्रकृति अधूरी है। जल को व्यर्थ में बहा रहे हैं जंगलों को काट रहे हैं और जमीन पर जहरीले कीटनाशक का उपयोग करके उसकी उर्वरक क्षमता और उपजाऊ शक्ति को कमजोर कर रहे हैं।

प्रकृति से हमारा तात्पर्य जल, जंगल और जमीन से है। हम लगातार प्रकृति का दोहन करते जा रहे हैं जिससे मानव जीवन संकट में पड़ गया है। जल, जंगल और जमीन के बिना प्रकृति अधूरी है। जल को व्यर्थ में बहा रहे हैं जंगलों को काट रहे हैं और जमीन पर जहरीले कीटनाशक का उपयोग करके उसकी उर्वरक क्षमता और उपजाऊ शक्ति को कमजोर कर रहे हैं। हम एक अर्से से प्रकृति दिवस मना रहे हैं और लोगों को प्रकृति संरक्षण का संदेश दे रहे हैं। लेकिन इसके बावजूद प्रकृति पर मंडराता खतरा जस का तस बना हुआ है। सबसे बड़ा खतरा तो इसे ग्लोबल वार्मिंग से है। धरती के तापमान में लगातार बढ़ते स्तर को ग्लोबल वार्मिंग कहते है। वर्तमान में ये पूरे विश्व के समक्ष बड़ी समस्या के रुप में उभर रहा है। ऐसा माना जा रहा है कि धरती के वातावरण के गर्म होने का मुख्य कारण का ठीनहाउस गैसों के स्तर में वृद्धि है। इसे लगातार नजरअंदाज किया जा रहा है जिससे प्रकृति पर खतरा बढ़ता जा रहा है। ये आपदाएँ पृथ्वी पर ऐसे ही होती रहीं तो वह दिन दूर नहीं जब पृथ्वी से जीव-जन्तु व वनस्पति का अस्तिव ही समाप्त हो जाएगा। कहते है प्रकृति संरक्षित होगी तो मानव जीवन भी सुरक्षित होगा। प्रकृति हमारी धरोहर है, इसकी रक्षा करना हमारा कत्तर्व्य है। प्रकृति ने हमें जीव जंतुओं सहित सूर्य, चाँद, हवा, जल, धरती, नदियां, पहाड़, हरे-भरे वन और खनिज सम्पदा धरोहर के रूप में दी हैं। मनुष्य अपने निहित स्वार्थ के कारण प्राकृतिक संसाधनों का दुरुपयोग कर रहा है। बढ़ती आबादी की समस्या के लिए आवास समस्या को हल करने के लिए हरे-भरे जंगलों को काट कर ऊंची-ऊंची इमारतें बनाई जा रही हैं। वृक्षों के कटने से वातावरण का संतुलन बिगड़ गया है और ग्लोबल वार्मिंग की समस्या पूरे विश्व के सामने भयंकर रूप से खड़ी है। खनिज-सम्पदा का अंधाधुंध प्रयोग किया जा रहा है। जीव-जंतुओं का संहार किया जा रहा है, जिसके कारण अनेक दुर्लभ प्रजातियां लुप्त होती जा रही हैं।

हमें संकल्प लेना चाहिए कि हम पृथ्वी और उसके वातावरण को बचाने का प्रयास करेंगे। हम पर्यावरण के प्रति न सिर्फ जागरूक हो बल्कि उसके लिए कुछ करें भी। प्रकृति को संकट से बचाने के लिए स्वयं अपनी ओर से हमें शुरूआत करनी चाहिए। पानी को नष्ट होने से बचाना चाहिए। वृक्षारोपण को बढ़ावा देना चाहिए। अपने परिवेश को साफ-स्वच्छ रखना चाहिए। प्रकृति के सभी तत्वों को संरक्षण देने का संकल्प लेना चाहिए।

–अतिथि संपादक,
बाल मुकुन्द ओझा
वरिष्ठ लेखक एवं पत्रकार

सागर और मनुष्य के रिश्ते को जागृत करने का समय आ गया है

डॉ. रामावतार शर्मा

डॉक्टर किलापर्ती रामकृष्णा उम्मीद और नाउम्मीदी के बीच झूलते रहते हैं क्योंकि वे एक भावुक पर्यावरण विद्वान हैं और समुद्रों से बहुत प्यार करते हैं। अमेरिका की वुड्स होल ओसेनोग्राफिक इंस्टीट्यूट में पर्यावरण और समुद्री मामलों के वरिष्ठ सलाहकार डॉक्टर रामकृष्णा के अनुसार दुनिया के कई देशों ने हाल ही में नीली अर्थव्यवस्था को लेकर कुछ योजनाएं घोषित की हैं जिनसे समुद्र के इकोसिस्टम को बचाते हुए सागर के संसाधनों का मानव हित में उपयोग होगा।

इस तरह की योजनाओं के तहत समुद्री जहाज निर्माताओं को कम कार्बन विसर्जित करने वाले जहाज बनाने के लिए प्रेरित करने का प्रयास किया जाएगा, सागर के तटीय पेड़ और झाड़ियां जिन्हे मैनठोव कहा जाता है उनको सुरक्षित और विकसित किया जाएगा। साथ में सागर में समाहित होने वाली नदियों के डेल्टा को भी बचा कर रखा जायेगा। सागर में प्लास्टिक और अन्य प्रदूषण को सख्ती से नियंत्रित करने के प्रयासों को आगे बढ़ाना होगा। इस योजना के तहत नॉर्वे और अमेरिका ने ठीन शिपिंग चैलेंज नाम से एक प्रोत्साहन योजना भी प्रारंभ की है। सिंगापुर भी इस दिशा में प्रयासरत हो रहा है। इन सब प्रयासों में डॉक्टर रामकृष्णा उम्मीद की किरण देख पाते हैं।

पर वे इस बात से निराश हैं कि इन सारी योजनाओं में समुद्र के अम्लीकरण पर कोई बड़ी बातचीत नहीं हो रही है। हमें ध्यान में रखना चाहिए कि पृथ्वी की सतह का 70 प्रतिशत हिस्सा समुद्र है। मनुष्य द्वारा पैदा की गई कार्बन डाइऑक्साइड के 30 प्रतिशत हिस्से को समुद्र एक विशाल स्पंज की तरह सोख लेता है जिसके कारण धरती के जीव सांस ले सकते हैं। उदाहरण के तौर पर 1992-2018 के बीच हमारे सागरों ने 6700 करोड़ टन कार्बन डाइऑक्साइड को अपने अंदर सोख कर हमारे वायुमंडल को शुद्ध किया है। परंतु तीव्र मानवीय विकास के कारण

मैनग्रोव, समुद्री घास, रीफ और निकटस्थ जंगल आदि का सफाया होने से सागर के पानी का पीएच कम होता जा रहा है जिसके फलस्वरूप हमारे समुद्र अम्लीय (एसिडिक) होते जा रहे हैं।

ऐसा होने से यहां पर ऑक्सीजन कम होती जा रही है। हमें भूलना नहीं चाहिए कि हमारे वातावरण की 25 प्रतिशत ऑक्सीजन भी समुद्रों से आती है। बढ़ते वैश्विक तापमान से समुद्री घास और कई जीव भी विलुप्ति की तरफ जा रहे हैं। यदि ऐसा होता है तो दुनिया के लाखों लोगों के लिए आजीविका का एकमात्र स्त्रोत नष्ट हो जायेगा।

मनुष्य की गतिविधियां प्रथम औद्योगिक क्रांति के समय के तापमान की तुलना में धरती के तापमान को 1.5 डिठी सेल्सियस से ज्यादा बढ़ाने के कगार पर हैं। ऐसा होने से इतनी अधिक कार्बन डाइऑक्साइड पैदा होगी जिसको समुद्र का पानी तेजी से अपने में समाहित नहीं कर पाएगा। सागर अम्लीय हो जायेंगे और वातावरण में कार्बन डाइऑक्साइड की मात्रा बढ़ जाने से धरती का जीवन खतरे में आ जायेगा।

ऐसी स्थिति को बचाने के लिए प्रसिद्ध वैज्ञानिक डॉक्टर एमिली पिड्जन चेतावनी देती रहती हैं। उनके अनुसार ; यदि समुद्र का इकोसिस्टम दूषित या फिर नष्ट हो गया तो नीला कार्बन भंडार (समुद्र के पानी द्वारा बांधी गैस) कार्बन डाइऑक्साइड के रूप में वातावरण में फैल जायेगा जिसके कारण धरती के पर्यावरण में बड़े परिवर्तन आयेंगे।

नवंबर 2022 में सिंगापुर स्थित एजेंसी क्लाइमेट इंपैक्ट (सीआइएक्स) ने अपनी पहली कार्बन क्रेडिट नीलामी लगाई। इसमें पाकिस्तान के सिंध प्रांत में स्थित 350,000 हैक्टेयर मैनठोव को पुनर्स्थापित करना है। इस योजना को प्राइवेट सेक्टर के लिए भी खोला गया है। सीआईएक्स प्रमुख मिक्की लार्सन का कहना है कि ;सागर तट के प्राकृतिक स्वरूप को बचाना सिर्फ वातावरण परिवर्तन तक ही सीमित नहीं है बल्कि यहां पर रहने वाले लोगों की आजीविका और प्रकृति की जैविक विविधता की रक्षा भी बहुत महत्वपूर्ण है।; मैनग्रोव वन के विनाश के कारण समुद्र का पानी कभी भी निकट के कस्बों को निगल सकता है। स्थानीय लोगों के सहयोग और उनकी आर्थिक आवश्यकताओं की पूर्ति के बिना कोई भी योजना सफल नहीं हो सकती।

लोगों के स्वास्थ्य, रोजगार और उनके बच्चों की शिक्षा के लिए विश्वस्तरीय प्रयास होने चाहिएं वरना मनुष्य नामक जीव अपनी स्वार्थपूर्ति के लिए पर्यावरण को कितना ही नुकसान पहुंचा सकता है। विश्व के राजनीतिक नेतृत्व से पर्यावरणविदों को ज्यादा उम्मीद नहीं है। अधिकतर बड़े देशों के नेता अपना सारा समय चुनावों में लगाते नजर आ रहे हैं और छोटे देशों में अक्सर तख्तापलट चलता रहता है। ऐसे में व्यापक जनचेतना ही उम्मीद की किरण बन सकती है।

–डॉ. रामावतार शर्मा,
(चिकित्सक एवं लेखक)

शुभम ने विश्व में भारत का गौरव बढ़ाया

जयपुर। हाल ही में द रिपब्लिक ऑफ बुल्गारिया की उप राष्ट्रपति, इलियाना योतोवा, द्वारा सोफ़िया बाल्कन पैलेस के रॉयल हॉल में शुभम मानव मिश्र को "वाइस प्रेसीडेन्टल हुमेनिटेरियन अचीवमैंट अवॉर्ड" देने के लिए आमंत्रित किया गया। शुभम को ये अवार्ड उनके अभिनय, फिल्म निर्माण एवं दृश्य कलात्मकता के माध्यम से मानवता के प्रति विशिष्ट सेवा एवं मानवीय कार्यों में असाधारण योगदान के लिए प्रमाण पत्र में बुल्गारिया देश के कोट ए आर्म एवं आधिकारिक मुहर के साथ दिया गया है। ग़ौरतलब है कि उनकी सभी फ़िल्में एवं आर्ट वर्क्स को अद्भुत बताकर सराहा गया है एवं यूरोपीय देशों में प्रदर्शित किया गया है। इसके साथ ही अमेरिका के न्यू यॉर्क शहर में आयोजित स्टूडेंट वर्ल्ड इम्पैक्ट फ़िल्म फ़ेस्टिवल में शुभम की फ़िल्म " ए मिटिंग विथ चाइल्डहुड" को 120 देशों से आयीं 13,868 फ़िल्मों में सर्वश्रेष्ठ मानते हुए सर्वश्रेष्ठ फ़िल्म अवार्ड से सम्मानित किया गया। जुरीज़ ने कहा कि शुभम की फ़िल्म प्रेरणादायी एवं सम्वेदनात्मक है और इस फ़िल्म का डाईरेक्शन अद्भुत है।

यह फिल्म शिक्षा और इसके उद्देश्य को समझने की आवश्यकता पर केंद्रित है। फ़िल्म फ़ेस्टिवल स्टूडेंट्स एंड एजुकेशन की थीम पर बेस्ड था। इंटरनैशनल ओलम्पिक कमिटी, फ्रेंच नैशनल ओलम्पिक एंड स्पोर्ट्स कमिटी एवं द इंटरनैशनल फ़ेडरेशन ओफ़ स्पोर्ट्स सिनेमा द्वारा फ्रान्स के आल्प्स-मेरीटाइम्स में आयोजित

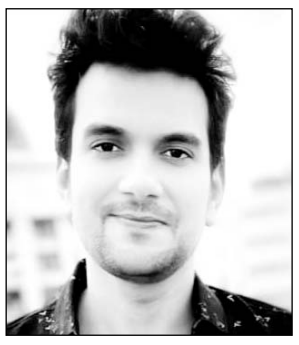

शुभम मानव मिश्र

स्पोर्ट्स फ़िल्म फ़ेस्टिवल-2023 में भी शुभम की फ़िल्म, "मैसी : दि गॉड ऑफ फुटबाल", जो कि फ़ुट्बॉल के महानतम खिलाड़ी लिओनल मैसी के जीवन पर आधारित है, को विश्व की दस श्रेष्ठ स्पोर्ट्स फ़िल्म में शामिल किया गया है। इस फ़िल्म को शुभम ने मैसी की मातृभाषा स्पैनिश में बनाया है। जुरीज़ ने फ़िल्म को सराहते हुए कहा है कि ये फ़िल्म जीवन में खेलों के महत्व को समझाती है और समाज में खेलों से जुड़े मूल्यों एवं उनकी संस्कृति के प्रसार में अमूल्य योगदान है। ओलम्पिक कमिटी द्वारा शुभम को पेरिस समर ओलम्पिक 2024 के लिए आधिकारिक रूप से आमंत्रित किया गया है।

शुभम को "सर्टिफिकेट ऑफ आफिसियल सलैक्सन" का अवॉर्ड भी दिया गया है एवं उनकी फ़िल्म ओलम्पिक खेलों के दौरान दिखाई जाएगी। उल्लेखनीय है कि शुभम पहले भारतीय अभिनेता एवं फ़िल्ममेकर हैं, जिन्हें ओलम्पिक कमिटी द्वारा उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए अवॉर्ड देकर सम्मानित किया है।

इसके अतिरिक्त पूर्व में शुभम को कई राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय अवार्डस मिल चुके हैं। इसी साल जनवरी में उन्हें लकज़म्बर्ग से "सर्टिफिकेट ऑफ आर्टिस्ट मैरिट" उनके कला क्षेत्र में अद्भुत योगदान के लिए नौ भाषाओं में दिया गया है। उनकी फ़िल्म 'ए डे एट माई फेवरेट प्लेस" को स्वीडन के अलावा पुणे फ़िल्म फ़ेस्टिवल में भी बेस्ट फ़िल्म से पुरस्कृत किया गया है। शुभम की फ़िल्म कांस वर्ल्ड फ़िल्म फ़ेस्टिवल में सेमी फ़ाइनलिस्ट भी रही। केरल फ़िल्म फ़ेस्टिवल में भी उनकी फ़िल्म नेचर केन बी क्रुल को पिछले महीने प्रदर्शित किया गया है।

नीमकाथाना से कोटपूतली के लिए रोडवेज बस नहीं होने से यात्री परेशान

पाटन, (निसं)। नीमकाथाना से कोटपूतली जाने के लिए सांय 4:30 बाद से कोई लोकल रोडवेज बस सेवा नहीं होने से बडिया मोड़, भराला, रायपुर मोड, गुसाई का मठ, डोकण, न्योराणा मोड, मेहरो की ढाणी, पाटन, राजपुरा, पातुवाला, बल्लुपुरा, नहर स्टैंड, छाजा की नांगल, हसामपुर आदि गांव के लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

डेली अप-डाउन करने वाले लोगों ने बताया कि नीमकाथाना बस स्टैंड पर सैकड़ों लोग बस की इंतजार में खड़े रहते हैं, परंतु लोकल रोडवेज बस नहीं होने से मजदूर लोगों को अपनी जान जोखिम में डालकर प्राइवेट वाहनों में ऊपर नीचे बैठ कर आना पड़ता है। इसको लेकर लोगों ने नीमकाथाना विधायक सुरेश मोदी को ज्ञापन दिया है।

- **शाम को बस नहीं होने से मजदूर लोगों को जान जोखिम में डालकर प्राइवेट वाहनों में ऊपर नीचे बैठकर आना पड़ता है**
- **समस्या को लेकर लोगों ने नीमकाथाना विधायक सुरेश मोदी को ज्ञापन दिया**

ज्ञापन के माध्यम से मांग की है कि नीमकाथाना से कोटपूतली के लिए साढ़े चार बजे से 7 बजे के बीच में लोकल रोडवेज बस शुरू करवा दी जाती है तो लोगों को किसी प्रकार की समस्या नहीं होगी तथा मजदूरी करने वाले लोग समय पर अपने घर पर पहुंच सकते हैं। पहले यह सेवा सुचारू रूप से शुरू थी परंतु अब इस सेवा को बंद कर दिया गया है।

जिसके चलते यात्रियों को साधन के अभाव में काफी समय के लिए खड़ा रहना पड़ता है। ज्ञापन देने वालों में ओम प्रकाश सैनी, मुरारी सैनी ,मुकेश यादव, प्रकाश, अंकुश, मनोज सैनी, सुभाष जांगिड़, राजेंद्र, मोहम्मद नफीस, सुरेंद्र, सुभाष सिंह, चिराग आदि शामिल रहे।

ओवरलोड वाहनों के खिलाफ कार्रवाई की मांग

पाटन, (निसं)। स्टेट हाईवे 37 सी पाटन-डाबला-गांवली हाईवे सड़क पर इन दिनों चेजा पत्थर, क्रेशर गिट्टी, सिलिका सैंड से भरे हुए ओवरलोड वाहन चल रहे हैं जिससे आए दिन दुर्घटनाओं का अंदेशा बना रहता है। इन ओवरलोड वाहनों से सड़कों पर रोड़ी, पत्थर गिरते रहते हैं जिससे आमजन भय के साए में जीने को मजबूर है।

दूसरी ओर ओवरलोड वाहन बहुत तेज गति से चलते हैं तथा आए दिन दुर्घटनाएं होती रहती है जिसको लेकर ग्रामीणों ने नायब तहसीलदार को ज्ञापन देकर ओवरलोड वाहनों के खिलाफ कार्यवाही की मांग की है।

हेम सिंह किशोरपुरा ने बताया कि कभी-कभी तो ओवरलोड वाहन मकानों में एवं खेतों में घुस जाते हैं जिस कारण बड़ी दुर्घटनाएं होने से बच जाती है।

समय रहते अगर इन वाहनों के खिलाफ कार्रवाई नहीं की गई तो इस रोड पर गंभीर घटनाएं घट सकती हैं। ज्ञापन देने वालों में धर्मेंद्र सिंह, अंकित, विक्रम, रवि, भारत आदि शामिल रहे।

- **इन ओवरलोड वाहनों से सड़कों पर रोड़ी, पत्थर गिरते रहते हैं जिससे आमजन भय के साए में जीने को मजबूर है।**

राशिफल गुरूवार 3 अगस्त, 2023

पंडित अनिल शर्मा

द्वि. सावन मास (अधिक), कृष्ण पक्ष, द्वितीया तिथि, गुरूवार, विक्रम संवत 2080, धनिष्ठा नक्षत्र प्रात: 9:56 तक, सौभाग्य योग दिन 10:17 तक, तैतिल करण प्रात: 6:11 तक, चन्द्रमा कुम्भ राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-कर्क, चन्द्रमा-कुम्भ, मंगल-सिंह, बुध-सिंह, गुरू-मेष, शुक्र-सिंह, शनि-कुम्भ, राहु-मेष, केतु-तुला राशि में।

आज भद्रा रात्रि 2:31 से शुक्रवार दिन 12:45 तक है। आज पंचक है।

सर्वश्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ सूर्योदय से 7:35 तक, चर 10:54 से 12:33 तक, लाभ-अमृत 12:33 से 3:52 तक, शुभ 5:31 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 1:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 5:56, सूर्यास्त 7:10

मेष
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे।

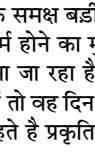

सिंह
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में प्रसन्नता-हर्षोल्लास का माहौल रहेगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

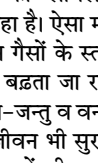

धनु
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

वृष
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। चलते कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। नवीन कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

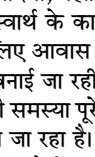

कन्या
स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। मन का भय समाप्त होगा। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। व्यावसायिक कार्यों के कारण बाहर जाना पड़ सकता है। आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा।

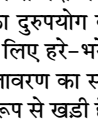

मकर
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। यात्रा में परेशानी हो सकती है।

मिथुन
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

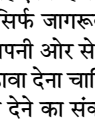

तुला
नौकरीपेशा व्यक्तियों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिल सकती है। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। आय में वृद्धि होगी।

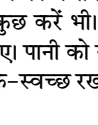

कुंभ
व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित सम्पर्क बनेंगे। व्यावसायिक अनुबंध प्राप्त होंगे। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

कर्क
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। व्यक्तिगत परेशानियों के कारण भागदौड़ रहेगी। मानसिक तनाव बना रहेगा। नौकरीपेशा व्यक्तियों को उच्चाधिकारियों की नाराजगी का सामना करना पड़ सकता है।

वृश्चिक
घर-परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। नवीन योजना का क्रियान्वयन होगा।

मीन
अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि होगी। मन में असंतोष बना रहेगा। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी।

पुलिस ने "धर्म स्तूप" को "धर्मसपुत" और "चूरू" को "चुरु" लिखवाया!

लोगों ने कहा कि चूरू की पुलिस को छोटी-छोटी बातों की ओर भी ध्यान देना चाहिए

चूरू, (कासं)। चूरू रेलवे स्टेशन के सामने मुख्य सड़क पर स्थित धर्म स्तूप पुलिस चौकी के दरवाजे के ऊपर लगा बोर्ड अशुद्धियों से भरा हुआ है। यहां खुद पुलिस अधीक्षक को अवगत करवा देने के बाद भी कोई ध्यान नहीं दिया गया है। इससे राजस्थान पुलिस हास्य का पात्र बनी हुई है। मिली जानकारी के अनुसार यहां 'धर्म स्तूप' को बड़े-बड़े अक्षरों में 'धर्मसपुत' लिखा हुआ है। इसी प्रकार 'चूरू' को 'चुरु' लिखवा रखा है।

- **खुद पुलिस अधीक्षक को अवगत करवा देने के बाद भी कोई ध्यान नहीं दिया गया**
- **गलत शब्द लिखे होने से लोगों के लिए पुलिस हास्य का पात्र बनी हुई है**

यहां इस चौकी में मौजूद प्रहलाद नामक सिपाही ने बताया कि वह तो एक सिपाही है। इस संबंध में एसपी को बता दिया था, लेकिन बोर्ड को सही नहीं करवाया गया है। उन्होंने कहा कि आज एक बार फिर उच्च अधिकारियों को बता देंगे। कुल मिलाकर गलत शब्द लिखे होने से लोगों के लिए पुलिस हास्य का पात्र बनी हुई है। लोगों ने कहा कि भूमाफिया, सटोरियों आदि के खिलाफ तो चूरू की पुलिस कोई कदम नहीं उठाती है, ऐसी छोटी-छोटी बातों की ओर तो ध्यान देना चाहिए। यहां पुलिस ने 'धर्म स्तूप' का नाम बदलकर 'धर्मसपुत' कर दिया है, जिसका कोई अर्थ नहीं है।

चूरू रेलवे स्टेशन के सामने मुख्य सड़क पर स्थित धर्म स्तूप पुलिस चौकी के दरवाजे के ऊपर लगा बोर्ड अशुद्धियों से भरा हुआ है।

फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 74 संख्याः 03 प्रभात जयपुर, गुरुवार 3 अगस्त, 2023 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 3.50 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

Vagli started to misbehave again (...2)

All pumps were started to pump out water from Comp -2, trying to make Vagli lighter, fill it with compressed air, Vagli kept going down

Time To Exercise!

"The challenge with this is that most, if not all, people know exercise is good for them but they don't know the best approach," says Steven Malin

एमेज़ॉन रिवर डॉलफिन्स मुख्यतः ब्राज़ील, बोलीविया, कोलम्बिया, इक्वडोर, पेरु और वैनेज़ुएला में पाई जाती हैं। गुलाबी रंग के ये स्तनपायी जीव आई. यू. सी.एन. (इन्टरनैशनल यूनियन फॉर कंज़र्वेशन ऑफ नेचर) की "एन्डेन्जर्ड" लिस्ट में अधिसूचित हैं। आई. यू. सी.एन. के अनुसार आवास विनाश, फिशिंग, बायकैच और इरादतन हत्या इनके लिए मुख्य खतरे हैं पर अब इस लिस्ट में बांध निर्माण और "ड्रैजिंग," अर्थात नदी के तल से मिट्टी का दोहन, भी जुड़ गया है। एक्सटर युनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं और पेरु के संरक्षण संगठन "प्रो डैलफिनस" ने पेरु के एमेज़ॉन क्षेत्र में सैटलाइट टैग के जरिए 8 डॉलफिन्स को ट्रैक किया। वे जानना चाहते थे कि, फिशिंग, बांध निर्माण तथा ड्रैजिंग से डॉलफिन्स किस कदर प्रभावित हो रही हैं। शोधकर्ताओं ने लिखा है कि, बांध निर्माण, खासकर ब्राजील में, एक अप्रत्याशित खतरा है। यहां 125 बांध निर्माणधीन हैं और अगले 30 सालों में 428 बांध और बनाए जाने हैं। शोधकर्ताओं ने लिखा कि, एक बड़े प्रोजैक्ट, एमेज़ॉन वॉटर वेज़, को स्वीकृति दे दी गई है। इस प्रस्तावित वॉटर वेज़ प्रोजैक्ट में एमेज़ॉन बेसिन की चार मुख्य नदियों से ड्रैजिंग की जाएगी और जहाजों के आवागमन के लिए बंदरगाहों का विस्तार किया जाएगा। शोध में पाया गया कि, समीपस्थ प्रस्तावित बांध से ये डॉलफिन्स औसतन 150 मील और समीपस्थ ड्रैजिंग साइट से 77 मील दूर रहती हैं। हालांकि, यह दूरी सुनने में सुरक्षित लग सकती है पर डॉलफिन्स की आवास रेंज 30 मील तक फैली होती है इसलिए बांध निर्माण व ड्रैजिंग से इनके आवास पर प्रभाव पड़ सकता है। जर्नल, ऑरिक्स में छपे इस शोध में शोधकर्ताओं ने चेतावनी दी है कि, बांधों व एमेज़ॉन वॉटर वेज़ के निर्माण से इन नदियों में पाई जाने वाली सभी प्रजातियों को खतरा है।

मोदी सरकार ओ.बी.सी. जातियों के "सब कैटिगराइज़ेशन" की प्रक्रिया शुरू करेगी?

जस्टिस पी. रोहिणी कमिशन की रिपोर्ट आने के बाद ओ.बी.सी. के सब कैटिगराइज़ेशन की संभावना प्रबल हो रही है

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 2 अगस्त। भाजपा को इस बात से बहुत बड़ा धक्का लगा है कि, पटना उच्च न्यायालय ने मंगलवार को वे सारी याचनाएं खारिज कर दीं, जो नीतीश कुमार सरकार द्वारा जातिगत सर्वे करने की पहल के खिलाफ दायर की गई थीं। अब केन्द्र में सत्तारूढ़ भाजपा ने 2024 के चुनावों से पहले देश के जातीय समीकरणों को बारीकी से देखना शुरू कर दिया है।

जहां इस बात की संभावना है कि बिहार सरकार उस जातिगत सर्वे को फिर से शुरू कर देगी, जो मई में उच्च न्यायालय के हस्तक्षेप के बाद रोक दिया गया था, वहीं ऐसी अपेक्षा है कि ओ.बी.सी. जातियों के उप "सब कैटेगराइजेशन" पर जस्टिस जी. रोहिणी कमीशन की रिपोर्ट के अंतिम रूप में आने के बाद, केन्द्र सरकार भी सक्रिय हो जायेगी तथा समानान्तर गतिविधि शुरू कर देगी।

- **भाजपा को आशंका है कि, सपा, आर.जे.डी. व नीतीश कुमार की जद (यू) जैसी पार्टियाँ जातिगत सर्वे के आधार पर लोकसभा चुनाव से पहले मंडलीकरण की राजनीति और तेज कर देंगी।**
- **मोदी सरकार का प्रयास ओ.बी.सी. वर्ग की अति पिछड़ी जातियों तक यह संदेश पहुंचाना है कि, ओ.बी.सी. आरक्षण का बड़ा भाग प्रभुत्व सम्पन्न पिछड़ी जातियों को मिल रहा है और अति पिछड़ी जातियाँ इससे वंचित हो रही हैं।**
- **गौरतलब है कि, नीतीश कुमार की जात आधारित जनगणना के खिलाफ दायर सभी याचिकाएं पटना हाई कोर्ट ने खारिज कर दी हैं और अब नीतीश जात आधारित सर्वेक्षण की प्रक्रिया पुनः शुरू कर सकते हैं।**

ज्ञातव्य है कि जस्टिस जी. रोहिणी आयोग को यह काम सौंपा गया था कि वह ओ.बी.सी. जातियों में आरक्षण के लाभों के असमान विवरण की सीमा की जांच करे। बताया जाता है कि आयोग ने अपनी रिपोर्ट राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को सौंप दी है। छः साल पहले गठित किये गये इस आयोग ने कार्यावधि में 13 बार वृद्धि किये जाने के बाद, अन्ततोगत्वा अपना काम पूरा कर लिया है।

समझा जाता है कि इस आयोग ने अपनी रिपोर्ट में ओ.बी.सी. के अंदर सब कैटेगराइजेशन के लिये वैज्ञानिक आधार पर मानदण्डों (क्राइटेरिया, नॉर्म्स एण्ड पैरामीटर्स) की अनुशंसा की है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में, भाजपा को ओ.बी.सी. का ठोस समर्थन हासिल हुआ है और इस समर्थन का एक बड़ा कारण पार्टी की वे नीतियां रही हैं, जो ओ.बी.सी. के उपेक्षित समुदायों को आरक्षण का लाभ देने के लिये अपनाई गई हैं। इस आयोग की सिफारिशें सत्तारूढ़ दल को ऐसा आधार प्रदान कर देंगी कि पार्टी उन ओ.बी.सी. समुदायों के लिये उपयोगी नीतियां बना सके, जो अब तक यथेष्ट संरक्षण से वंचित रहे हैं।

पिछले वर्षों में भाजपा नेता, जिनमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी शामिल हैं, जाति आधारित पार्टियों, जैसे समाजवादी पार्टी तथा राष्ट्रीय जनता दल के घोर आलोचक रहे हैं। भाजपा के अनुसार, इन जाति आधारित पार्टियों ने अवसरों का बहुत बड़ा हिस्सा ओ.बी. सी. की समर्थ एवं सक्षम जातियों को दे दिया है तथा कमजोर तबके भूखों मर रहे हैं।

भाजपा, प्रकटतः जातिगत

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'बिना हिसाब-किताब किए रेवड़ियाँ बांट रही है कांग्रेस, कर्नाटक में खजाना खाली है और राजस्थान में भी'

प्रधानमंत्री मोदी ने यह भी कहा कि, कर्नाटक और राजस्थान सरकार सस्ती लोकप्रियता पाने के लिए अन्य मदों का पैसा भी खर्च कर रही हैं

-लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 2 अगस्त। चूँकि कर्नाटक सरकार का अपनी चुनावी गारंटियों (फ्रीबीज़) के लिये पैसे की व्यवस्था करने में मुश्किलें आ रही है, इसलिये भाजपा इस बिन्दु को लेकर कांग्रेस की छवि को खराब करने में लगी हुई है। भाजपा कांग्रेस की आलोचना करते हुये, यह बात तो पहले से कहती आ रही है कि एस.सी./एस.टी. कल्याण के लिये निर्धारित पैसे को चुनावी गारंटियों को पूरा करने के काम खर्च किया जा रहा है।

- **ज्ञातव्य है कि, कर्नाटक सरकार ने 14,000 करोड़ रूपए के चुनावी वायदे पूरे करने के लिए एस.सी./एस.टी. कल्याण कोष के 11,000 करोड़ रू. का इस्तेमाल करने का निर्णय लिया, जिसकी भाजपा ने कड़ी आलोचना की है।**
- **प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि, कांग्रेस अनाप -शनाप चुनावी वायदे कर रही है और उसे यह भी नहीं पता कि, इसके लिए पैसा कहां से आएगा। इस प्रकार कांग्रेस अपने शासित राज्यों को आर्थिक संकट में डाल रही है।**

भाजपा कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार के इस सहज स्वीकरण का पूरा-पूरा लाभ ले रही है जिसके अन्तर्गत उन्होंने यह कहा था कि जाँच चुनावी गारंटियों को पूरा करने, जिसमें करीब 14000 करोड़ रू. का वित्तीय भार उठायेगा, के कारण विकास-कार्य के लिये पैसे की कमी आ रही है।

कर्नाटक सरकार के इस निर्णय के बाद कि एस.सी./एस.टी. कल्याण के लिये रखे पैसे में से 11000 करोड़ रू. को पाँच चुनावी गारंटियों के क्रियान्वयन के काम में लिया जायेगा, भाजपा ने कांग्रेस पर कड़े प्रहार करना शुरु कर दिया है।

शिवकुमार की इस स्वीकारोक्ति तथा "एस.सी./एस.टी. कल्याण की राशि को अन्य कार्यों पर खर्च करने को तत्काल झपटते हुये, भाजपा ने 2024 के आम चुनावों से पहले, कांग्रेस पर कड़े प्रहार करना तथा उसकी छवि खराब करना शुरु कर दिया है।

कांग्रेस पर किये जा रहे इस हमले का नेतृत्व स्वयं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कर रहे हैं। उन्होंने आज अपने भाषण में कहा कि कांग्रस द्वारा बिना सोचे समझे प्रीवीज़ की घोषणाएं कर देने के कारण, जो उसने सत्ता प्राप्त करने के निजी लाभ के लिये की थीं, के कारण कर्नाटक अस्त व्यस्त हो रहा हैं। कर्नाटक ही नहीं, राजस्थान के राजकोष में भी पैसा नहीं रहा है।

भाजपा के अन्य नेताओं ने भी इसी स्वर में कांग्रेस की निन्दा की। कर्नाटक के केन्द्रीय मंत्रियों तथा लोकसभा सांसदों से लेकर पूर्व मुख्यमंत्री बासवराज बोम्मई तक पूरी कर्नाटक भाजपा अपने हमले में एक ही बात कह

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

क्या आपको कम सुनाई देता है?
ऑटोमेटिक कान की मशीनें
स्पीच थैरेपी
कॉकलियर इम्पलांट, ऑटिजम
डिले स्पीच, हकलाना, तुतलाना
PERFECT SPEECH AND HEARING SOLUTIONS
Tonk Road, JAIPUR | Vaishali Nagar, JAIPUR
सम्पर्क- 94602 07080

मणिपुर के मसले पर राज्यसभा से विपक्ष का वॉकआउट

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 2 अगस्त। मणिपुर हिंसा के मुद्दे पर बुधवार को संसद के दोनों सदनों में भारी हंगामा हुआ। विपक्ष के हंगामे के कारण लोकसभा दोपहर दो बजे तक स्थगित रही। हंगामा प्रश्नकाल में शुरु हुआ जब सदन की अध्यक्षता मिथुन रेड्डी कर रहे थे। राज्यसभा में भी विपक्ष ने वॉक आउट किया।

राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ की विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे से बहस हो गई। उन्होंने विपक्ष के वॉक आउट के बाद पी.टी. ऊषा को सदन की जिम्मेवारी सौंपी। मणिपुर हिंसा पर मोदी को बुलाने की मांग नहीं मानने के कारण विपक्ष ने वॉक आउट किया।

- **लोकसभा भी मणिपुर हिंसा पर विपक्ष के विरोध व हंगामे की वजह से 2 बजे तक स्थगित रही।**

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री अपनी मर्जी से सदन में आ सकते है, वे उन्हें सम्मन नहीं भेज सकते हैं। यह नियम के खिलाफ है, उन्होंने नियम 267 के तहत

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'लोकसभाध्यक्ष बिड़ला नाराज़ हैं या नाटक कर रहे हैं'

राजनैतिक विश्लेषकों का कहना है कि, स्पीकर की नाराज़गी और सदन में अनुपस्थिति विपक्ष के गठबंधन "इंडिया" की छवि खराब करने की कोशिश है

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 2 अगस्त। राजनैतिक हलकों में यह चर्चा जोरों पर है कि लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला निचले सदन में चल रह गतिरोध से बहुत व्यथित हैं और लोग पूछ रहे हैं कि यह सच है या कल्पना।

आज एक समाचार चैनल पर सूत्रों क हवाले से दी गई खबर में बताया गया कि बिड़ला ने संसदीय गतिविधियों में लगातार आ रहे व्यवधान पर सरकार और विपक्ष दोनों के समक्ष नाराज़गी जाहिर की है। उन्होंने कहा कि वे तब तक सत्रों में भाग नहीं लेंगे जब तक सांसद सदन की गरिमा के अनुरूप व्यवहार नहीं करते।

सूत्रों के अनुसार हालांकि आज जब लोकसभा की कार्रवाई आरंभ हुई तब बिड़ला अध्यक्ष के आसन पर नहीं थे, इसलिए यह नाराज़गी का दिखावा सरकार द्वारा प्रायोजित हो सकता है ताकि इंडिया गठबंधन का जनता के सामने नकारात्मक रूप से पेश किया जा सके।

- **एक न्यूज़ रिपोर्ट के अनुसार, बिड़ला ने संसद में चल रहे सतत गतिरोध के लिए सत्तारूढ़ पार्टी भाजपा और विपक्षी दलों के प्रति नाराजगी प्रकट की थी और कहा था कि, जब तक सांसद सदन की गरिमा के अनुसार आचरण नहीं करेंगे वे सदन में नहीं आएंगे।**
- **हालांकि, अधिकृत रूप से लोकसभाध्यक्ष की अनुपस्थिति के विषय में कुछ भी नहीं कहा गया है।**

अध्यक्ष के आसन पर न होने के बारे में आधिकारिक रूप से कुछ भी नहीं कहा गया है।

आज भी शोरगुल जारी रहा जिससे सदन पहले दो बजे तक और बाद में पूरे दिन के लिए स्थगित हो गया।

लोकसभा दिन भर के लिए स्थगित हुई क्योंकि विपक्षी सदस्यों ने मणिपुर मामले पर विरोध जारी रखा और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से राज्य की स्थिति पर वक्तय मांगा जो कई महीनों में जातीय हिंसा से त्रस्त हैं।

कार्यवाही की अध्यक्षता कर रहे भाजपा के सदस्य किरीट सोलंकी ने विपक्षी सदस्यों से व्यवस्था बनाए रखने की अपील की लेकिन अंत में दिन भर के लिए सदन स्थगित कर दिया।

दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र की

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

रेल्वे का नया ऑफर "बुक नाओ पे लेटर"

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 2 अगस्त। प्रतीक्षा सूची वाले यात्रियों का टिकट प्रथम आरक्षण-चार्ट के तैयार होते समय स्वतः (ऑटोमैटिकली) निरस्त हा जाता है तथा पैसा-वापसी की प्रक्रिया स्वतः ही शुरु हो जाती है। बैंक से कह दिया जाता है कि अगले दिन पैसा वापस कर दिया जाये।

- **रेल्वे के इस ऑफर के बारे में लोकसभा में जानकारी देते हुए रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने यह भी बताया कि, ई.एम.आई. में भुगतान का विकल्प भी उपलब्ध है।**

बुधवार को लोकसभा में एक प्रश्न के उत्तर में यह बताते हुये, रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि अगर पैसा डेबिट हो जाता है तथा टिकट बुक नहीं होता तो

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

फर्जी लैब्स के कारण पनप रहा है हैल्थ इंश्योरैंस स्कैम...(3)

आर.जी.एच.एस. में किसी प्राइवेट लैब का रजिस्ट्रेशन नहीं है, अतः हर छोटी-मोटी गैर मान्यता प्राप्त लैब भी रिपोर्ट दे सकती है और यह रिपोर्ट आधार बन जाती है इंश्योरैंस क्लेम का

-यादवेन्द्र शर्मा-

जयपुर, 2 अगस्त। राज्य सरकार ने मैडिकल लैब्स की पंजीयन की प्रक्रिया और उन लैब्स के नाम सार्वजनिक नहीं करके ना केवल फर्जी लैब्स को पनपने में मदद की है, बल्कि फर्जी रिपोर्ट्स के माध्यम से इंश्योरेंस की ठगी को भी बढ़ावा दिया है। क्योंकि लोग पैसे देकर भी मनमानी रिपोर्ट्स बनवा सकते हैं। राज्य सरकार के रवैये, कि वह स्वयं मैडिकल लैब्स के पंजियन करने के लिए बजट पारित नहीं कर रही है, से सरकार की केवल यह मंशा उजागर होती है कि वह लोगों को सही मैडिकल ट्रीटमैंट देने के लिए कितनी गंभीर है। राज्य सरकार की उदासीनता को देखते हुए अफसरों में भी भ्रष्टाचार पनपता है। यह इस बात का प्रमाण हमें तब देखने को मिलता है जब प्रदेश में लैब्स का अस्थायी पंजीयन करने में भी साफ-साफ भ्रष्टाचार के सबूत मिलते है।

- **इस झूठी-सच्ची टैस्ट रिपोर्ट पर आधारित उपचार तो गलत हो ही सकता है, यह प्रथा "इंश्योरैंस क्लेम" के स्कैम की पहली सीढ़ी है।**
- **केन्द्रीय सरकार की हैल्थ स्कीम (सी.जी.एच.एस.) व सेना की हैल्थ सेवा का लाभ लेने के लिये बाकायदा स्वीकृत लैब्स का पैनल होता और इस तरह "एमपैनल्ड लैब्स" के रिज़ल्ट को आधार बनाया जा सकता है, इलाज का व क्लेम का।**
- **यह प्रणाली राजस्थान सरकार ने क्यों नहीं अपना रखी।**
- **रजिस्ट्रेशन की व्यवस्था नहीं होने से सभी लैब्स टैस्ट रिपोर्ट देने का अधिकार रखती हैं।**
- **ऊपर से व्यवस्था में ही खामी है, तो नीचे स्तर पर क्रियान्वयन के रूख पर भ्रष्टाचार होना स्वाभाविक ही है।**

सूत्रों से प्राप्त दस्तावेज़ के अनुसार स्वास्थ्य विभाग ने जयपुर की सेठी कॉलोनी में एक लैब का स्थायी पंजीयन वर्ष 2019 में किया था, परंतु अधिकारियों ने फॉर्म में मांगी गई महत्वपूर्ण जानकारी जैसे, 'व्यक्ति का नाम' और 'औषध की पद्धति' श्रेणी में कोई जानकारी नहीं दी है।

सवाल यह कि जब पूरी जानकारी नहीं दी गई थी तो इस लैब का पंजीयन क्यों और कैसे किया गया?

राज्य सरकार ने लोकायुक्त को दिए गए जवाब में चिकित्सा संस्थानों एवं लैब्स के पंजीयन नहीं किए जाने के संदर्भ में यह भी कहा है कि क्लीनिकल एस्टैबलिशमेंट एक्ट एवं रूल्स का पूरी तरह क्रियान्वयन कराने के लिए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारियों को इस संदर्भ में अधिक जानकारी और प्रशिक्षण दिया जाना है जिसके लिए राज्य सरकार ने केन्द्र सरकार से बजट का प्रस्ताव प्रेषित किया है।

यहां यह भी उल्लेखनीय है कि स्वास्थ्य समवर्ती सूची का विषय है अर्थात इस पर केन्द्र

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सुप्रीम कोर्ट में दिल्ली में विहिप की रैली के खिलाफ याचिका

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 2 अगस्त। सुप्रीम कोर्ट से मुस्लिम समुदाय के कुछ सदस्यों ने अपील की कि विश्व हिन्दू परिषद (विहिप) और उसकी शाखा बजरंग दल ने नूह जिले में हुए हिंसा पर नई दिल्ली में जो विरोध प्रदर्शन की घोषणा की है, उस पर रोक लगाई जाए।

- **सुप्रीम कोर्ट ने याचिका की सुनवाई में दिल्ली प्रशासन को आदेश दिया कि, विहिप की रैली में "हेट स्पीच" नहीं हो, यह सुनिश्चित किया जाए तथा पूरी सतर्कता बरती जाए।**

याचिका कर्ताओं ने कहा कि उनकी याचिका को त्वरित सुनवाई के लिए "हेट स्पीच" बैंच की याचिकाओं में शामिल किया जाए।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

गुढ़ा बोले : मुझे जेल में डाला तो ''वन्स अपोन ए टाइम, देयर वॉज ए अशोक गहलोत''

गुढ़ा ने सार्वजनिक किए कथित लाल डायरी के पन्ने, वैभव गहलोत, भवानी सामोता, मुख्यमंत्री के सचिव का जिक्र

- पन्नों को धीरे-धीरे खुलासा करता रहूंगा, पता चल सके कि क्या कुछ कारनामे सरकार में किए जाते हैं
- कांग्रेस है कहां, यहां तो गहलोत कांग्रेस है, जिनकी एक जेब में प्रभारी रंधावा, तो एक में डोटासरा है, हाईकमान भी कमजोर है : गुढ़ा

जयपुर, (का.प्र.)। अशोक गहलोत मंत्रिमंडल से बर्खास्त होनेके बाद राजेंद्र गुढ़ा ने राजस्थान में विधानसभा चुनाव से ठीक पहले सियासी भूचाल लाने वाली लाल डायरी के कथित तौर पर तीन पन्ने सार्वजनिक करते हुए दावा किया है कि इन पन्नों में मुख्यमंत्री के करीबी राजस्थान पर्यटन विकास निगम के चेयरमैन धर्मेंद्र राठौड़ ने अपनी लिखावट से मुख्यमंत्री के बेटे वैभव गहलोत और राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन के सचिव भवानी सामोता सहित अन्य लोगों से लेन-देन का जिक्र किया है।

इसी के साथ गुढ़ा ने कहा है कि मैं सरकार को नहीं सरकार मुझे ब्लैकमेल कर रही है। गुढ़ा ने दावा किया कि इस डायरी में मुख्यमंत्री के करीबी धर्मेंद्र राठौड़ की हैंडराइटिंग है। डायरी के कुछ पन्ने मिसिंग हैं, लेकिन मेरे पास जो पन्ने हैं, वह मैं जारी करूंगा।

डायरी में राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन के लेन-देन की बातें कोडवर्ड में हैं और वैभव गहलोत सहित मुख्यमंत्री के सचिव को लेकर भी बातें लिखी गई हैं। गुढ़ा ने जो पन्ने सार्वजनिक किए हैं उसमें लिखा है कि ''वैभवजी और मेरी दोनों की आरसीए चुनाव खर्चे को लेकर चर्चा हुई कि किस तरह भवानी सामोता तय करके भी लोगों के पैसे नहीं दे रहा है।''

वहीं यह भी लिखा है कि ''घर पर राजीव खन्ना और भवानी सामोता आए, आरसीए चुनाव का हिसाब किया। भवानी सामोता ने ज्यादातर लोगों से जो वादा किया है वो पूरा नहीं किया है। मैंने कहा यह ठीक नहीं है। आप इसे पूरा करो तो भवानी सामोता ने कहा कि मैं सीपी साहब की जानकारी में डालता हूं। फिर आपको 31 जनवरी तक बताता हूं''

वहीं इसी के साथ यह भी लिखा है कि ''सीएम के पीएस को भी फोन किया और कहा कि आरसीए वाला हिसाब कर दो, मुझे जरूरत है। उन्होंने कहा कि सीएम से बात कर बताऊंगा।

उन्होंने कहा कि मेरे पास जो लाल डायरी है उसमें धर्मेंद्र राठौड़ की हैंडराइटिंग है और उसमें क्या कुछ लिखा है, यह तो 3 पन्ने ही मैंने उजागर किए हैं। उन्होंने कहा कि आरसीए के सचिव भवानी समोता विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सीपी जोशी के करीब भी है। उन्होंने कहा कि डायरी के पन्नों पर कोडवर्ड में भाषा लिखी हुई है, जिसमें आरसीए के लेन-देन का हिसाब-किताब है।

मीडिया से बात करते हुए राजेंद्र गुढ़ा ने आशंका प्रकट की है कि सरकार मुझे जेल में डाल सकती है। मैं इस डायरी को विधानसभा में टेबल करना चाहता था, जो नहीं करने दी। उन्होंने कहा कि मैं इस डायरी के पन्नों को धीरे-धीरे खुलासा करता रहूंगा। आज 3 पन्ने जारी किए हैं और आने वाले समय में बाकी पन्ने भी जारी करूंगा, जिससे कि यह पता चल सके कि क्या कुछ कारनामे सरकार में किए जाते हैं। राजेंद्र गुढ़ा ने कहा कि कांग्रेस है कहां, यहां तो गहलोत कांग्रेस है। सीएम की एक जेब में प्रभारी रंधावा हैं, तो एक जेब में डोटासरा हैं। हाईकमान भी कमजोर है। अगर मुझे सरकार ने जेल में डाला तो सरकार के समाचार समाप्त हो जाएंगे, लोग कहेंगे वन्स अपोन ए टाइम, देयर वॉज ए अशोक गहलोत। राजेंद्र गुढ़ा ने कहा कि मुख्यमंत्री मेरे बेटे के जन्मदिन पर मेरे घर गए थे, तब 50-60 हजार लोगों के बीच बोल कर आए थे कि गुढ़ा नहीं होता, तो मैं मुख्यमंत्री नहीं होता। अब अचानक गुढ़ा में क्या खराबी हो गई? मैंने रंधावा से पूछना चाहता हूं कि बहन-बेटियों की सुरक्षा की बात करके क्या गलत किया? किस बात की माफी मांगू मैं?

गुढ़ा ने यह भी कहा कि मेरे खिलाफ रोजाना नए मुकदमे हो रहे हैं। एक मुकदमा आज हो रहा है, एक मुकदमा 2 दिन बाद हो रहा है। जिस तरह से मेरे खिलाफ यह केस कर रहे हैं, मैं भी रणनीति के तहत स्टेप बाय स्टेप डायरी के पन्ने जारी करूंगा। सरकार को ब्लैकमेल करने के सवाल पर गुढ़ा ने कहा कि अगर 15 साल से मैं इनको ब्लैकमेल कर रहा हूं तो मैंने उनसे क्या-क्या ले लिया, यह बताते क्यों नहीं?

संविधान की उद्देशिका और मूल कर्तव्यों का प्रसार हो : मिश्र

राज्यपाल कलराज मिश्र ने बुधवार को राजभवन में संस्कृति युवा संस्था की ओर से संविधान पढ़ो और जिओ अभियान की शुरुआत करते हुए मुद्रित संविधान की उद्देशिका और मूल कर्तव्य संदेश का लोकार्पण भी किया।

जयपुर, (का.सं.)। राज्यपाल कलराज मिश्र ने कहा है कि भारतीय संविधान भारतीय संस्कृति से ओतप्रोत है। संविधान सांस्कृतिक ग्रंथ है और इसके बारे में सभी को समुचित जानकारी होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि वह जब राज्यपाल के रूप में राजस्थान आए तब इस बात को अनुभूत किया कि संविधान की उद्देशिका और मूल कर्तव्यों के बारे में बहुत अधिक जानकारी लोगों को नहीं है। इसे महसूस करते हुए ही संविधान-संस्कृति के प्रसार के लिए राजस्थान से पहल प्रारम्भ की गयी।

राज्यपाल मिश्र ने बुधवार को राजभवन में संस्कृति युवा संस्था द्वारा संविधान को पढ़ो और जिओ अभियान की शुरुआत करते हुए यह बात कही। उन्होंने संस्कृति युवा संस्था द्वारा दो लाख की संख्या में मुद्रित संविधान की उद्देशिका और मूल कर्तव्य संदेश का लोकार्पण भी किया। उन्होंने संविधान के प्रति जागरूकता के लिए चलाए जाने वाले अभियान के लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा कि संविधान देश का सर्वोच्च विधान है। इसके अर्थ की गहराई को समझे जाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि धर्मनिरपेक्षता क्या है, इसको भी व्यापक अर्थ में समझने की आवश्यकता है।

संस्कृति युवा संस्था के पंडित सुरेश मिश्रा ने बताया कि संविधान की उद्देशिका और मूल कर्तव्यों की पालना की सीख के लिए संविधान जागरूकता पखवाड़ा मनाया जा रहा है।

लाल डायरी में है कांग्रेस के काले कारनामों की शायरी : सी.पी.जोशी

- 'अभी तो लाल डायरी के कुछ पन्ने ही खुले हैं, कांग्रेस सरकार का ब्लड प्रेशर हाई होना स्वभाविक'
- 'क्या कारण है कि मंत्री को पहले सरकार विरोधी बाते कहने पर नहीं हटाया, लाल डायरी का जिक्र आते ही पद से हटा दिया'

जयपुर। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी ने आज प्रदेश कार्यालय में लाल डायरी पर मीडिया से बात करते हुए कहा कि मुख्यमंत्रीजी जिस लाल डायरी को कपोल कल्पित बता रहे थे उनके पूर्व मंत्री ने उस डायरी के पन्ने सार्वजनिक करके डायरी की वास्तविकता को बता दिया। अब मुख्यमंत्रीजी मौन क्यों हैं?

जोशी ने कहा कि सरकार के पूर्व मंत्री ने अभी तो लाल डायरी के तीन पन्ने ही खोले हैं, इसमें कई सारे राज छिपे हैं, कांग्रेस का ब्लड प्रेशर हाई होना स्वाभाविक है। प्रदेश की जनता लाल डायरी का काला सच जानना चाहती है। जब किसी मंत्री ने आपकी सरकार पर 50 प्रतिशत कमीशनखोरी का आरोप लगाया, चुनाव में हार और फोरच्यूनर जैसी गाड़ी में सारे जीते विधायक आ जाएंगे यह बोला तब पूर्व मंत्री पर कोई कार्रवाई नहीं की गई, लेकिन जैसे ही लाल डायरी का जिक्र किया तो उन्हें मंत्री पद से क्यों हटाया। अब उसे सलाखों के पीछे भेजने की बात की जा रही है। लाल डायरी में कहीं ना कहीं आपकी सरकार ने साढ़े चार सालों में जो भ्रष्टाचार किया है, जनता को लूटा है उसका लेखा-जोखा है, जनता लाल डायरी का काला सच जानना चाहती है। जोशी गुरूवार को श्रीगंगानगर दौरे पर रहेंगे। जहां भाजपा संगठन की प्रात: 10 बजे समन्वय समिति तथा 11 बजे भाजपा जिला कार्य समिति की जिला कार्यालय में बैठक लेंगे और 4 बजे धानमण्डी लालगढ़ में कार्यकर्ताओं से संवाद करेंगे। दोपहर 3 बजे दिवंगत भाजपा कार्यकर्ता के घर शोक संवेदना के लिए जाएंगे।

खेल प्रशिक्षक के 100 नवीन पदों का होगा सृजन

जयपुर, (का.सं.)। राज्य सरकार प्रदेश में खेलों के विकास एवं खिलाड़ियों को आवश्यक सुविधाएं प्रदान करने के लिए निरन्तर कार्य कर रही है। इसी क्रम में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने प्रदेश के बच्चों एवं युवाओं को उच्चस्तरीय खेल प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए ब्लॉक स्तर पर खेल प्रशिक्षक ग्रेड-तृतीय के 100 नवीन पदों के सृजन के प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की है।

प्रस्तावित पद मेजर ध्यानचंद योजना के तहत सभी ब्लॉक स्तर पर बनाए जा रहे स्टेडियम के लिए सृजित किए जाएंगे।

दो शातिर नकबजन आए पुलिस गिरफ्त में

जयपुर। करधनी थाना पुलिस ने अंतर्राज्यीय नकबजन गिरोह का पर्दाफाश करते हुए गिरोह के दो शातिर नकबजनों को धर-दबोचा है और उनके पास से चोरी किए गए सोने-चांदी के जेवरात बरामद किए गए हैं। पुलिस की प्रारम्भिक पूछताछ में सामने आया कि गिरफ्तार आरोपी रात के समय सूने मकानों में नकबजनी की वारदात को अंजाम देते हैं और साथ ही वारदात के दौरान रेंटल लग्जरी कारों का उपयोग करते है। फिलहाल आरोपियों से पूछताछ की जा रही है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर (पश्चिम) संजीव नैन ने बताया कि करधनी थाना पुलिस ने अंतरराज्यीय नकबजन गिरोह का पर्दाफाश करते हुए गिरोह के शातिर नकबजन सलीम शेख उर्फ अयान (26) निवासी प्रताप नगर सांगानेर और शुभम शर्मा (23) निवासी प्रताप नगर को मनोहरपुर टोल से गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने आरोपियों से चार जुलाई की रात को अपने अन्य तीन साथियों के साथ मिलकर नकबजनी की वारदात को अंजाम देना स्वीकार किया है और साथ ही इनके पास से सोने-चांदी के जेवरात सहित वारदात में प्रयुक्त चौपहिया वाहन जब्त किया गया है।

आरोपियों ने पूछताछ में जयपुर शहर के अलावा देहरादून उत्तराखंड में भी नकबजनी की वारदात को अंजाम देना कबूला है। पूछताछ में सामने आया कि गैंग के सदस्य रात के समय लग्जरी रेंटल कार किराये पर लेकर दिन में चिन्हित सूने मकानों में नकबजनी की वारदातों को अंजाम देते है। आरोपित नकबजनी से प्राप्त राशि ऐश-मौज में खर्च करते है। पूछताछ में सामने आया है कि सलीम शेख उर्फ अयान के जयपुर शहर के विभिन्न थानों में एक दर्जन से अधिक नकबजनी के प्रकरण दर्ज है व शुभम शर्मा के भी जयपुर शहर में 6 नकबजनी की प्रकरण दर्ज है। सलीम शेख गत सात माह से बाहर है एवं बाहर आने के बाद लगातार गैंग के सदस्यों के साथ मिलकर नकबजनी की वारदातों को अंजाम दे रहा है। गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ जारी है एवं वारदात में शामिल अन्य नकबजनों की सरगर्मी से तलाश की जा रही है।

विवाहिता को बदनाम करने की कोशिश

जयपुर। सोडाला थाना इलाके में एक विवाहिता से दुष्कर्म के बाद बदनाम करने की कोशिश का मामला सामने आया है। पुलिस ने पीडिता के बयानों के आधार पर मामला दर्ज कर जांच में जुटी है। पुलिस ने बताया कि थाना इलाके निवासी 29 वर्षीय विवाहिता ने मामला दर्ज करवाया है कि करीब दो साल पहले नीरज कुमार से जान पहचान हुई थी। आरोप है नीरज तभी से उसके साथ शारीरिक संबंध बनाता आ रहा है। कुछ दिन पहले उसने रिश्तेदारों में बदनाम करने की कोशिश की। पुलिस मामला दर्ज कर जांच में जुटी है।

शिक्षकों ने राजस्थान यूनिवर्सिटी के मुख्य गेट बंदकर प्रदर्शन किया

जयपुर। पुरानी पेंशन बहाली के बदले नियोक्ता अंशदान राशि जमा कराने की शर्त के विरोध में राजस्थान विश्वविद्यालय सहित राज्य के सभी विश्वविद्यालय के शिक्षक पिछले छह दिन से विरोध रहे हैं। सरकार की ओर से सुनवाई नहीं होने पर बुधवार को शिक्षकों में रोष व्याप्त हो गया। शिक्षकों ने कैंपस में रैली निकाली। इसके बाद शिक्षक मुख्य गेट पर एकत्रित हुए और गेट बंद कर जेएलएन मार्ग पर आकर प्रदर्शन किया। उधर, ओल्ड पेंशन संयुक्त संघर्ष समिति राजस्थान के अध्यक्ष संजय कुमार ने बताया कि राजस्थान विश्वविद्यालय शिक्षक संघ की ओर से कार्य बहिष्कार छठवें दिन भी जारी रहा। आंदोलन का समर्थन देने के लिए राजस्थान विश्वविद्यालय कॉलेज टीचर्स एसोसिएशन महासचिव बने सिंह धरना स्थल पर पहुंचे और शिक्षकों की मांगों का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि शिक्षकों को पुरानी पेंशन योजना का लाभ सरकार के अन्य कर्मचारियों की तर्ज पर देना चाहिए। राजस्थान विश्वविद्यालय शिक्षक संघ के अध्यक्ष डॉ. संजय कुमार ने बताया कि धरने के छठवें दिन विश्वविद्यालय में शिक्षकों ने रैली निकाली और मुख्य द्वार को बंद कर अपना रोष प्रकट किया। महासचिव डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने कहा कि प्रदेश स्तर पर समस्त राजकीय विश्वविद्यालय पुरानी पेंशन विसंगतियों को दूर करने के लिए आंदोलनरत है। जरूरत पड़ी तो राजस्थान के समस्त कर्मचारियों को विश्वविद्यालय द्वार पर इकट्ठा किया जाएगा।

मुख्यमंत्री आज 249 चिकित्सा संस्थानों की सौगात देंगे

- अंगदान महाभियान का भी शुभारंभ करेंगे

जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत गुरुवार को शाम 5 बजे मुख्यमंत्री निवास से 220 करोड़ की लागत से बने 148 चिकित्सा संस्थानों का लोकार्पण व 551 करोड़ की लागत से बनने वाले 101 चिकित्सा संस्थानों का शिलान्यास करेंगे।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव शुभ्रा सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री इस दौरान 25 मोबाइल फूड टेस्टिंग लैब और 10 चिरंजीवी 104 जननी एक्सप्रेस एम्बुलेंस को भी हरी झंडी दिखाकर प्रदेश के विभिन्न जिलों के लिये रवाना करेंगे।

उन्होंने बताया विभाग द्वारा अंगदान के प्रति लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से शुरू किए जाने वाले अंगदान महा अभियान का शुभारंभ भी मुख्यमंत्री द्वारा किया जाएगा। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में अंगदान के क्षेत्र में कार्य करने वाले डॉक्टर्स, अंगदाताओ भी सम्मानित किया जाएगा।

कार्यालय उप आवासन आयुक्त वृत-प्रथम,
राजस्थान आवासन मण्डल, प्रताप नगर, जयपुर

क्रमांक: 6513 जाहिर आम-सूचना दि.-02.08.2023

राजस्थान आवासन मण्डल की प्रताप नगर योजना में आवास/ फ्लेट संख्या 105/140 (MIG-B), (एरिया 153.00 वर्गमीटर) का आवंटन श्रीमती बीना कुमारी माथुर पत्नी श्री सुरेश चन्द माथुर को किया गया था। जिसका आवंटन पत्र क्रमांक 2885 दिनांक 31.12.1996 को जारी किया गया था। उनके पक्ष में पंजीयन पत्रों निष्पादन दिनांक 09.03.2006 को उप पंजीयक, सांगानेर-प्रथम जयपुर के यहां पंजीकृत करवाया गया। श्रीमती बीना कुमारी माथुर की मृत्यु दिनांक 12.11.2021 को हो जाने के कारण उनके पुत्र श्री नीरज कुमार माथुर पुत्र श्री सुरेश चन्द माथुर द्वारा आवासन मण्डल मे अपना नाम मण्डल रिकॉर्ड में दर्ज कराने बाबत आवेदन पत्र प्रस्तुत किया हैं। अतः उक्त आवास के हस्तान्तरण बाबत किसी व्यक्ति/ पक्षकार को कोई आपत्ती हो तो अधोहस्ताक्षर कर्ता के कार्यालय में 7 दिवस में अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें अन्यथा यह मानते हुए की मण्डल रिकॉर्ड में नाम दर्ज करने में किसी को कोई आपत्ति नही हैं, श्री नीरज कुमार माथुर पुत्र श्री सुरेश चन्द माथुर का नाम मण्डल रिकॉर्ड में दर्ज कर दिया जावेगा।

भवदीय
सम्पदा प्रबन्धक वृत्त-प्रथम, राज. आवा. मण्डल, प्रताप नगर, सांगानेर, जयपुर

आम सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे अभिभाष्य ललित मोहन शर्मा पुत्र श्री बद्रीनारायण शर्मा, 46, महादेव नगर, वैशाली नगर के पास, गांधी पथ, जयपुर का पुत्र मिहित शर्मा मेरे अभिभाष्य व उसकी पत्नी श्रीमती मंजू शर्मा के कहने में नही है तथा उनका व्यवहार मेरे अभिभाष्य व समाज के प्रति उपेक्षित है। मेरे अभिभाष्य व उसकी पत्नी ने अपने पुत्र मिहित शर्मा को अपनी चल अचल सम्पत्ति व जीवन संव्यवहार से बेदखल कर दिया है। मिहित शर्मा से मेरे अभिभाष्य का आज के बाद कोई सम्बन्ध व सरोकार नही है। कोई व्यक्ति मिहित शर्मा से लेनदेन, संव्यवहार करता है या तो वह स्वयं जिम्मेदार रहेगा। भवदीय

जयपुर (अंकित शर्मा) एडवोकेट
दिनांक: 2/8/2023 मो. 9461234585

शातिर चोर गिरफ्तार

जयपुर। विश्वकर्मा थाना पुलिस ने शातिर चोर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने चोरी का माल बरामद किया है। डीसीपी वेस्ट संजीव नैन ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी आबिद उर्फ काला लंकापुरी बहुद बस्ती का रहने वाला है। पुलिस ने उसके कब्जे से लोहे का रोटर व दो लोहे की प्लेट और वारदात के समय काम में लिया गया वाहन बरामद कर लिया। पुलिस ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली थी कि दुकान चौराहे के पास विश्वकर्मा जयपुर पर एक व्यक्ति मोटरसाईकिल पर लोहे का लोटर और दो लोहे प्लेट रखकर चलते फिरते ठेले वाले कबाड़ियों को बेचने की फिराक में खड़ा था जो संदिग्ध लग रहा है। पुलिस मौके पर पहुंची तो उनके कब्जे से चोरी का रोटर और दो लोहे की प्लेट मिले। पुलिस ने बताया कि अपराधी औद्योगिक क्षेत्र में स्थित फैक्ट्रियों के शाम को बंद होने के बाद रैकी करते है।

'आगामी तीन माह के कार्यक्रम और अभियानों का रोडमैप तैयार'

- भाजपा प्रदेश कार्यालय पर चुनाव प्रबंधन कार्यशाला का आयोजन

जयपुर। भाजपा प्रदेश कार्यालय पर बुधवार को चुनाव प्रबंधन कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस दौरान भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी और प्रदेश संगठन महामंत्री चंद्रशेखर सहित प्रदेश उपाध्यक्ष सरदार अजयपाल, जितेन्द्र गोठवाल, संतोष अहलावत, प्रदेश महामंत्री भजनलाल शर्मा, मोतीलाल मीणा और दामोदर अग्रवाल ने मोर्चा, प्रकोष्ठ और अन्य भाजपा पदाधिकारियों से आगामी तीन माह के कार्यक्रमों की रूपरेखा और रोडमैप पर सुझाव लिए और चर्चा की।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी ने कार्यशाला को संबोधित करते हुए कहा कि पार्टी में जिन कार्यकर्ताओं को जो काम दिया जाए उसे समय सीमा के भीतर पूरी निष्ठा के साथ पूरा किया जाए। आगामी चुनाव की तैयारियों को लेकर तैयार रहें और सर्वश्रेष्ठ देने का प्रयास करें। दायित्व मिलने के बाद उसी दिन से उस पर काम करना शुरू करें और उसकी मॉनिटरिंग जरूर करें। आप सभी के सामने ''नहीं सहेगा राजस्थान अभियान'' एक उदाहरण है। बेहतर मॉनिटरिंग के चलते ही यह अभियान सफल हो पाया।

प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी ने कहा कि कार्यकर्ता यह ना सोचे कि उसके काम को कोई देख नहीं रहा। संगठन में काम को जांचने वाली और परखने वाली हजारों आंखें होती हैं। लाभार्थियों के पास जाकर मोदी सरकार की योजनाओं की समीक्षा करें। टोली बनाकर सामंजस्य से काम करें और विजय संकल्प के साथ जुट जाएं।

प्रदेश संगठन महामंत्री चंद्रशेखर ने कहा कि आज की इस कार्यशाला में बूथ स्तर से लेकर मंडल और विधानसभा स्तर तक के सभी कार्यक्रमों की रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा की गई है। प्रदेश में कांग्रेस राज के भीतर महिला उत्पीड़न, भ्रष्टाचार, बदहाल कानून व्यवस्था, युवाओं, दलितों और किसानों पर होने वाले अत्याचारों के खिलाफ भाजपा की ओर से आगामी अभियान और कार्यक्रमों को लेकर विस्तृत रूपरेखा तैयार की गई है।

श्रद्धांजलि

हमारे प्रिय
श्री अश्विनी बक्शी
(महासचिव, वैष्णो देवी सेवा समिति) का स्वर्गवास 1.8.2023 को हो गया है समिति के समस्त सदस्य भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

श्रद्धावनत-वैष्णो देवी सेवा समिति, वैष्णो देवी मंदिर, पंचवटी सर्किल, राजापार्क, जयपुर-9461504458

चौथे की बैठक

अत्यन्त दुःख के साथ सूचित करना पड रहा है कि हमारे पूज्यनीय
श्री अश्विनी बक्षी
(रिटायर्ड चीफ मैनेजर एसबीबीजे) का आकस्मिक स्वर्गवास दिनांक 01.08.2023 को हो गया है। चौथे की बैठक दिनांक 03 अगस्त 2023 को दोपहर 3 से 4 बजे श्री राम मन्दिर, दशहरा मैदान के सामने, आदर्श नगर, जयपुर में होगी।

शोकाकुल:- शशी बक्षी (पत्नी), लता बक्षी (भाभी), निमिशा - दीपक अरोड़ा (पुत्री - दामाद), मोहित - शिखा बक्षी (पुत्र - पुत्रवधु), सार्थक, समर्थ (दोहिते), नमन (पौत्र), हिरल (पौत्री) एवं समस्त बक्षी, सरना, कंवर, धमीजा, मल्होत्रा व दीवान परिवार। मो. 8387062377

खोया पाया

मेरे मकान संख्या 122/94 विजय पथ, मानसरोवर, जयपुर का मूल अदेय प्रमाण पत्र कहीं खो गया है। मिलने पर सूचित करें-नेहा चन्दनानी-7014194933

मेरे आवास संख्या 3-झ-19 जवाहर नगर जयपुर का मूल आवंटन पत्र, कब्जा पत्र, अदेय प्रमाण पत्र (नोड्यूज) डिक्लरेशन पत्र व अन्य कागजात कहीं खो गये है। यदि किसी को मिले तो निम्न नम्बरों पर सूचित करें। मो. 8209073755

मेरे आवास संख्या 183/03, प्रताप नगर, सांगानेर जयपुर का मूल आवंटन पत्र कहीं गिर/ गुम हो गया है मिलने पर सूचित करें पूजा भाटिया मो. 9116436450

आम सूचना

सूचित किया जाता है कि एक सम्पत्ति प्लाट नम्बर 363, बीस दुकान, आदर्श नगर, जयपुर, राजस्थान, कुल क्षेत्रफल 457.40 वर्गगज के स्वामित्वाधिकार श्री जारोमल एवं उनकी पत्नी श्रीमती हेमी बाई के स्वर्गवास के पश्चात उनके विधिक वारिसान पूरणमल कोडनानी, सुरेश कोडनानी, अशोक कोडनानी, श्रीमती शीला मनसुखानी, श्रीमती शकुल ठाकुर एवं नारयण कोडनानी को प्राप्त हुये। पूरणमल कोडनानी के स्वर्गवास के पश्चात उक्त सम्पत्ति में उनके हिस्से के स्वामित्वाधिकार पुष्पा कोडनानी व रवि कोडनानी को प्राप्त हुये अशोक कोडनानी के स्वगवास के पश्चात उक्त सम्पत्ति में उनके हिस्से के स्वामित्वाधिकार अरूणा अशोक कोडनानी को प्राप्त हुये तथा नारायण कोडनानी के स्वर्गवास के पश्चात उक्त सम्पत्ति में उनके हिस्से स्वामित्वाधिकार चन्दा कोडनानी, राजेश कोडनानी व कविता कोडनानी को प्राप्त हुये। श्री जारोमल, श्रीमती हेमी बाई, पूरणमल कोडनानी, अशोक कोडनानी व नारायण कोडनानी का उक्त वारिसान के अलावा अन्य कोई विधिक उत्तराधिकारी एवं वारिस नहीं है। श्रीमती शीला मनसुखानी व सुरेश कोडनानी ने उक्त सम्पत्ति में से अपना- अपना अविभाजित हक व हिस्सा जरिये पंजीकृत हक त्याग पत्र लिखा हुआ के द्वारा रवि कोडनानी के पक्ष में त्याग करदिया। श्रीमती शीला मनसुखानी जरिये मुख्त्यारआम श्रीमती शकुन जी ठाकुर, अरूणा अशोक कोडनानी श्रीमती चन्दा कोडनानी, राजेश कोडनानी व श्रीमती कविता खोसला ने उक्त सम्पत्ति में से अविभाजित 1/2 हिस्सा जरिये पंजीकृत उपहार पत्र के द्वारा श्रीमती आरती भूषण पटेल को उपहार में दे दिया। रवि कोडनानी ने उक्त सम्पत्ति में अपना अविभाजित 1/3 हिस्सा जरिये पंजीकृत उपहार पत्र के द्वारा श्रीमती आरती भूषण पटेल को उपहार में दे दिया। पुष्पा कोडनानी ने उक्त सम्पत्ति में अपना अविभाजित 1/12 हिस्सा जरिये पंजीकृत उपहार पत्र लिखा हुआ के द्वारा अंजलि कोडनानी को उपहार में दिया। अंजलि कोडनानी ने उक्त सम्पत्ति में अपना अविभाजित 1/12 हिस्सा जरिये पंजीकृत विक्रय पत्र के द्वारा मोहम्मद आदिल को विक्रय कर दिया। उक्त सम्पत्ति स्वाम्त्विाधिकार रवि कोडनानी 1/12, श्रीमती आरती भूषण पटेल 10/12 व मोहम्मद आदिल 1/12 से उक्त सम्पूर्ण प्लॉट नम्बर 363, कुल क्षेत्रफल 457.40 वर्गगज को मेरी अभिभाष्या कय कर रहें है। तथा उक्त कय बाबत् मेरे अभिभाष्य ऋण दात्री संस्था आई.सी.आई.आई बैंक से ऋण प्राप्त कर रहें है। उक्त सम्पत्ति स्वामित्व एवं कय व ऋण बाबत् व्यक्ति, संस्था, बैंक या अन्य किसी भी पक्ष को किसी प्रकार की आपत्ति या आक्षेप हो तो निम्न अद्योहस्ताक्षरकर्ता को अन्दर मियाद 7 दिवस में मय दस्तावेजी साक्ष्य सहित सम्पर्क करें अन्यथा बाद गुजरने मियाद किसी भे प्रकार की आपत्ति विधि अनुसार शून्य मानी जावेगी।

पुलकित गर्ग (एडवोकेट),
MZ-4, अलंकार टॉवर, कबीर मार्ग, बनीपार्क, जयपुर,
मो.09828084002

आम सूचना हर आम व खास को सूचित किया जाता है कि श्रीमती माफिया बानो पत्नी अयूब खा जाति देशवाली मुसलमान निवासी मस्जिलद के पास मौजमाबाद तहसील मौजमाबाद की आवासीय सपरिवर्तित 150 वर्गगज जो कि पार्श्वनपाथ कॉलोनी रेड्डी बालाजी रोड, दूदू में स्थित हैं उक्त सम्पत्ति श्रीमती माफिया बानो ने मेरे अभिभाष्य ए यू स्मॉल फाईनेंस बैंक शाखा दूदू से ऋण हेतु आवेदन किया हैं।

उक्त सम्पत्ति को श्रीमती माफिया बानो ने जरिये विक्रय पत्र रमेशचन्द राव पुत्र श्री देवीलाल राव निवासी दूदू से दिनांक 21.01.2015 को क्रय किया था उक्त विक्रय पत्र दिनांक 21.01.2015 को उपपंजीयक दूदू के यहां पंजीबद्ध हैं।

रमेश चन्द राव ने उक्त सम्पत्ति को गोपीचन्द काला पुत्र चंदनमल काला निवासी दूदू से जरिये पंजीकृत विक्रय पत्र दिनांक 16.07.2009को क्रय किया था उक्त विक्रय पत्र उपपांजीयक दूदू के यहां दिनांक 16.072009 को पंजीकृत हैं।

रमेशचन्द राव के पक्ष में जो विक्रय पत्र दिनांक 16.07.2009 को पंजीबद्ध किया गया था उक्त मूल विक्रय पत्र काफी तलाशने के बाद भी नहीं मिल रहा हैं। एवं गुम हो गया हैं। हर आम व खास को यह भी सूचित किया जाता हैं कि उक्त मूल विक्रय पत्र यदि किसी व्यक्ति को मिलता हैं तो ए यू स्मॉल फाईनेंस बैंक शाखा दूदू में जमा करावें। उक्त सम्पत्ति पर श्रीमती माफिया बानो को ए यू स्मॉल फाईनेंस बैंक दूदू में ऋण आवेदन विचाराधीन हैं। यदि किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो 07 दिवस के भीतर भीतर मुझ हस्ताक्षरकर्ता को आपत्ति दर्ज करवा देवे बाद गुजरने मियाद किसी भी तरह की आपत्ति मान्य नहीं होगी।

(सुरेन्द्र शर्मा) एडवोकेट, मो. 9414297482

राजस्व सेवा परिषद ने किया राजस्व मंत्री का घेराव

- ट्रांसफर पोस्टिंग में भ्रष्टाचार के लगाए आरोप तो मंत्री ने भी दिया जवाब

जयपुर, (का.प्र.)। पूर्व में किए गए वादे के अनुसार अपनी मांगें नहीं माने जाने के खिलाफ विरोध जताते हुए राजस्व सेवा परिषद के बैनर तले पटवारी गिरदावर और नायब तहसीलदारों ने राज्य के राजस्व मंत्री रामलाल जाट का घेराव किया जहां पर राजस्व सेवा परिषद और मंत्री के बीच आरोप-प्रत्यारोप भी हुए।

राजस्थान राजस्व सेवा परिषद के बैनर तले बड़ी संख्या में राजस्व सेवा के कर्मचारियों, जिनमें पटवारी, नायब तहसीलदार और गिरदावरों ने जयपुर में विधायकपुरी स्थित मंत्री रामलाल जाट के आवास के बाहर घेराव कर धरना दिया। प्रदर्शन के दौरान कर्मचारियों ने मंत्री को ज्ञापन देने के लिए घर से बाहर बुलाया। मंत्री के पहुंचने पर माइक पर ही राजस्व सेवा परिषद के पदाधिकारियों ने अपनी बात रखी, तो मंत्री ने भी प्रदर्शनकारियों को भाषण देकर अपना जवाब दिया।

राजस्थान पटवार संघ के प्रदेशाध्यक्ष नरेन्द्र कविया ने कहा कि हमारे कई साथी ऐसे हैं, जिनका पहले तो ट्रांसफर पूर्वी राजस्थान के भरतपुर, धौलपुर समेत दूर-दराज के एरिया में कर दिया। अब दोबारा वे ट्रांसफर के लिए कहते हैं तो 50 हजार से एक लाख रुपए तक मांगे जाते हैं। ट्रांसफर में इतना भ्रष्टाचार हो रहा है। अपनी 6 सूत्री मांगों को लेकर मंत्री के आवास का घेराव करने पहुंचे पटवारियों ने मंत्री के सामने ट्रांसफर-पोस्टिंग में हजारों-लाखों रुपए लेने और भ्रष्टाचार करने के आरोप लगाए, तो जवाब में मंत्री ने अपने भाषण में पटवारियों से कहा कि आप लोग आए दिन एसीबी की पकड़ में आते हैं। उन्होंने कहा कि आज प्रदेश में भ्रष्टाचार के मामले में सबसे ज्यादा पटवारी और पुलिस वाले पकड़े जाते हैं। विरासत और रजिस्ट्री से जुड़े 80 फीसदी से ज्यादा नामांतरण आप लोग 2-3 माह से भी अधिक समय तक अटकाए रखते हो। इसके कारण आप लोग आए दिन एसीबी की पकड़ में आते हैं। इस कारण आपके साथ-साथ सरकार की बदनामी भी होती है।

युवक का मोबाइल छीना

जयपुर। करधनी थाना इलाके में पैदल जा रहे युवक का बाइक सवार बदमाश मोबाइल छीन कर फरार हो गए। कुछ दूर तक युवक ने आरोपियों का पीछा भी किया। लेकिन शातिर बदमाश अन्धेरा का फायदा उठा कर आंखों से ओझल हो गए। पीड़ित ने मामले की जानकारी पुलिस को दी। पुलिस ने ईएमआई नंबरों के आधार पर मामला दर्ज कर बाइक सवार बदमाशों की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार सालासर वाटिका सरना डूंगरी निवासी नरेन्द्र (31) पुत्र बलबीर सिंह सोमवार को पैदल ही फोन पर बात करते हुए कहीं जा रहा था। तभी पीछे से बाइक सवार दो बदमाश आए और झपट्टा मार कर रेडमी का मोबाइल छीन कर फरार हो गए। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर बाइक सवार बदमाशों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

नाम परिवर्तन

मैंने अपना नाम बाजू देवी पुत्री श्री मेवा राम से बदलकर अनु चौधरी पुत्री श्री मेवा राम कर लिया है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना पहचाना जाए। पता-डोटोलाई, नागौर, राजस्थान-341510

मैंने अपना नाम सोलंकी विकी किशनभाई पुत्र किशनभाई सोलंकी से बदलकर विकी सोलंकी पुत्र किशन सोलंकी निवास 311 निर्वाण भवन, श्यामपुरी, हीदा की मोरी, रामगंज बाजार, जयपुर रख लिया है। भविष्य में मुझे विकी सोलंकी (Vicky Solanki) के नाम से जाना पहचाना जावें।

मैंने मेरा नाम हिशमत राय तनवानी से बदलकर हिशमत तनवानी (पुत्र श्री हासानन्द) रख लिया है। निवासी 3-त-56बी जवाहर नगर, वाटर वर्क्स ऑफिस के सामने, रतन दुग्गड मार्ग, जयपुर। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना जावें।

उत्तर पश्चिम रेलवे

खुली ई-निविदा सूचना

संख्या: सं. ईएल/118/11आर/2023-24/ डब्ल्यू 6/टीएफ दिनांक: 01.08.2023

मण्डल रेल प्रबन्धक (बिजली) जयपुर द्वारा, भारत संघ के राष्ट्रपति के लिए तथा उनकी ओर से निम्नलिखित कार्यों के लिए ई-निविदाऐं आमंत्रित की जाती है। **एनआईटी संख्या: ईएल/जेपी/11आर/2023-24. कार्य का नाम:** Jaipur Div-Supply Installation testing and commissioning of Solar Plants on roof top of Various buildings/ shelters over Jaipur Division. **अनुमानित लागत:** 1,15,59,237/-. **बयाना राशि:** 2,07,800/-. **निविदा खोलने की तिथि: 25.08.2023. नोट: ई-निविदा की अंतिम तिथि एवं समय:** निविदा खोलने की तिथि को 15:00 बजे तक। **ई-निविदा खोलने की अंतिम तिथि एवं समय:** निविदा खोलने की तिथि को 15:00 बजे के बाद। सम्पूर्ण जानकारी के लिए वेबसाइट का पता: **http://www ireps.gov.in**

811-AK/23

हमें /NWRailways पर फॉलो करें

इत्तलानामा वास्ते जाहिर करने वजह न जारी होने डिक्री के
(ओ. 21 रूल 22 जाब्ता दीवानी)
अज अदालत अपर जिला न्यायाधीश नं. 7 जयपुर महानगर द्वितीय,
राधागोविन्द एग्रो. बनाम
मै. अमोलक आयरन
डिग्री बाबत
मुकदमा नम्बर 67/22 सन्
बनाम:-
मुसम्मी पुष्पा पुत्री स्व. श्री गोपाल सिंह शेखावत कौम साकिन खुड हाऊस चांदपोल दरवाजे के बाहर, जयपुर

चुंकि डिक्रीदार ने डिग्री अदालत ADJ16 जयपुर महानगर मै. राधागोविन्द मवर्खे मै. अमोलक आयरन व मुकदमे नम्बर 250/12 सन् की इजराय के लिए दरख्वास्त पेश की है इसलिए आपको इत्तला दी जाती है कि आप इस अदालत में हाजा 23.08.2023 को हाजिर होकर अगर कोई उजर वास्ते आपके खिलाफ इजराय किये जाने डिग्री रखते हों तो पेश करो। आज व तारीख 26.07.2023 व सब्त मेरे दस्तखत व मुहर अदालत के जारी किया गया।

मोहर अदालत

अपर जिला एवं सैशन न्यायाधीश क्रम संख्या-7, जयपुर महानगर द्वितीय

नम्बर मिलाइए
9587884433

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

ज्वैलर को गोली मारने वाले दोनों बदमाश चार दिन बाद भी पुलिस की पकड़ से दूर

हमलावर बदमाशों की पहचान उजागर होने के बाद भी पुलिस दोनों तक नहीं पहुंच सकी

- श्रीमाधोपुर निवासी राहुल यादव और जमवारामगढ़ में रहने वाले देवा ने की थी घर में घुसकर फायरिंग
- दोनों आरोपी श्रीमाधोपुर के लिसाडिया कस्बे के हिस्ट्रीशीटर हैं, स्थानीय राकेश यादव के कहने पर फायरिंग की थी

जयपुर (कासं)। विद्याधर नगर इलाके में 30 जुलाई को ज्वैलर के पैर में गोली मारने वाले दो बदमाश चार दिन बाद भी पुलिस की पकड़ से दूर है। पहचान उजागर होने के बाद भी जयपुर पुलिस सीकर, दिल्ली-हरियाणा की सैर करने में लगी है।

गौरतलब है कि गत 30 जुलाई की शाम विद्याधर नगर इलाके में सन साइन सिद्वार्थ अपार्टमेंट में पांचवीं मंजिल पर रहने वाले नवीन सोनी को जान से मारने का प्रयास किया गया था। जिसमें पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर दोनो आरोपियों की पहचान सीकर जिले के श्रीमाधोपुर निवासी राहुल यादव और जमवारामगढ़ जिला जयपुर निवासी देवा के रूम कर ली।

पुलिस जांच में सामने आया है कि दोनों बदमाश श्रीमाधोपुर के लिसाडिया कस्बे के हिस्ट्रीशीटर है। लिसाडिया निवासी राकेश यादव के कहने पर ही दोनों बदमाशों ने नवीन को गोली मारी थी। बताया जा रहा है की राहुल यादव राकेश का भतीजा है। राहुल यादव वे राकेश यादव हार्डकोर क्रिमिनल है । तीनों बदमाशों को पकड़ने के लिए सीएसटी टीम को भी लगाया गया है। पुलिस दोनों अपराधियों के पुराने रिकॉर्ड भी खंगालने में लगी है। दोनो बदमाशों ने सोशल मीडिया पर हथियारों के साथ अपनी फोटो पोस्ट करने के बाद पुलिस एक्शन मोड पर आ चुकी है।

पुलिस ने दोनो बदमाशों को पकड़ने के लिए अलग-अलग जगहों पर दबिश दे रहीं है। पुलिस ने दोनों आरोपियों के घर पर भी पुलिस तैनात कर रखी है। आरोपियों की पकड़े के लिए सीएसटीम भी अलग से छानबीन करने में जुटी है। बताया जा रहा है की दोनो हार्डकोर बदमाश अपने दोस्तो के साथ मिलकर व्यापारियों को धमकी देते थे और फिर रंगदारी मांगते थे। यदि कोई इनकी धमकी पर ध्यान नहीं देता तो उसके घर, कार्यालय पर फायरिंग कर दहशत फैलाते थे। बताया जा रहा है कि कुछ समय पहले भी राकेश यादव ने नवीन सोनी को रंगदारी मांगने के लिए फोन पर धमकी दी थी। लेकिन नवीन ने धमकी पर कोई ध्यान नहीं दिया। इस पर राकेश को लगा की ऐसे तो वर्चस्व ही खत्म हो जाएगा। इस पर राकेश ने राहुल को साथ में लेकर नवीन पर गोली चलवा दी। बताया जा रहा है कि राकेश यादव ने पूर्व में कई बार नवीन सोनी को फोन किए थे लेकिन नवीन यादव ने उसकी धमकियों को कभी भी गंभीरता से नहीं लिया। इसलिए राकेश यादव ने अपना वर्चस्व कायम करने व रंगदारी मांगने के लिए नवीन के पैर पर गोली चलाई थी। बदमाश नवीन को जान से नही मारना चाहते थे। क्योंकि जितनी भी गोली चली वो सब कमर के नीचे चली ।बदमाश सिर्फ अपना वर्चस्व कायम करने वे दहशत फैलाने के लिए फायर कर फरार हो गए।

पुलिस के मुताबिक आरोपी राकेश यादव के खिलाफ जयपुर ग्रामीण, सीकर और जयपुर में मारपीट, लूट और हत्या के प्रयास के मुकदमे दर्ज है। अमरसर थाना इलाके में सरपंच की हत्या के मामले में आरोपी गिरफ्तार हो चुका है। चौमूं थाने में आरोपी के खिलाफ अवैध हथियार रखने का मामला चल रहा है। सीकर पुलिस ने चाचा, भतीजा राहुल और राकेश पर दस-दस हजार रुपए का इनाम घोषित कर रखा है।

फूलों से सजी-धजी गाड़ी में पुलिस कमिश्नर श्रीवास्तव को विदाई दी

'जयपुर पुलिस ने जनता का भरोसा हासिल किया, इसे बनाए रखना जरूरी'

पुलिस कमिश्नर आनंद श्रीवास्तव का तबादला होने के बाद बुधवार को चांदपोल स्थित पुलिस लाइन में विदाई समारोह आयोजित हुआ।

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । पुलिस कमिश्नर आनंद श्रीवास्तव का तबादला होने के बाद बुधवार को चांदपोल स्थित पुलिस लाइन में विदाई समारोह आयोजित हुआ। फूलों से सजी धजी गाड़ी के जरिए पुलिस कमिश्नर आनंद वास्तव को विदाई दी गई तो पुलिस जवानों ने पुष्प वर्षा की। श्रीवास्तव ने पुलिस लाइन में संपर्क सभा में पुलिस अधिकारियों और पुलिसकर्मियों को संबोधित किया। इस दौरान पुलिसकर्मियों ने उनके कार्यकाल की उपलब्धियां गिनाते हुए उनके द्वारा किए गए कामकाज की सराहना की। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने माला और साफा पहनाकर पुलिस कमिश्नर आनंद श्रीवास्तव को विदाई दी। इससे पूर्व आनंद श्रीवास्तव ने रिजर्व पुलिस लाइन में नवनिर्मित सेमीनार कक्ष का शुभारंभ भी किया।

श्रीवास्तव ने कहा कि जयपुर पुलिस ने जनता का विश्वास हासिल किया है, लेकिन बदलते समय के साथ चुनौतियां भी बदल रही है। कोविड महामारी के दौरान जयपुर पुलिस कमिश्नरेट ने न केवल बेहतर काम किया, बल्कि जनता का विश्वास भी

- कोविड काल में सख्ती से कर्फ्यू की पालना से लेकर घर-घर में राशन-दूध पहुंचाकर पुलिस टीम ने अच्छी मिशाल पेश की

हासिल किया। कोरोनाकाल में लगभग एक माह तक चारदीवारी में कर्फ्यू की पालना करवाना, अलग-अलग जगह लॉक डाउन लगाने को सुनिश्चित करना, जरूरत की हर चीज लोगों तक पहुंचाना, भूखों को भोजन करवाना, बीमारों को अस्पताल पहुंचाने जैसे कार्य जयपुर पुलिस ने किए है। ऐसा ही एक वाकया, जिसमें चारदीवारी की एक स्कूल में 39 बच्चे दो दिन से भूखे थे, उन तक पुलिस ने भोजन पहुंचाया और उनको गोद लिया।

उन्होंने कहा कि जयपुर पुलिस एक बहुत बड़ी मशीन भी है, इसमें 13000 जवान है। गैंगस्टरों पर नकेल कसने के साथ ही अवैध हथियारों और मादक पदार्थों के खिलाफ भी पुलिस ने अभियान छेड़ा और कड़ी कार्रवाई की। समय के साथ लोगों की संख्या बढ़ती जा रही है। बदलते वक्त में अपराध का तरीका भी बदला हैं। ऐसे में पुलिसकर्मियों को और अधिक प्रशिक्षण देने की जरूरत हैं। संगठित अपराध और अपराध पनपे, लेकिन लोगों को विश्वास है कि अपराध खुलेगा। अपराधी पकड़ा जाएगा। पुलिस को भी यही चाहिए की जनता उन पर विश्वास करे। पुलिस को अपनी हर जिम्मेदारी का पूरा अहसास होता है। इसलिए किसी भी अपराध को खोलने में समय लगता है कि लेकिन अपराध खुलता जरूर हैं। कार्यक्रम में आनंद श्रीवास्तव ने उल्लेखनीय कार्य करने वाले 17 पुलिसकर्मियों को प्रशस्ति पत्र तथा 10 को नीट परीक्षा में, 4 को जेईई परीक्षा में तथा एक को एनटीपीसी में एक्सइन में चयन होने पर सम्मानित किया।

इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस आयुक्त कैलाश चंद विश्नोई, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त ज्ञान चन्द्र यादव, संजीव नैन, राशि डोगरा, प्रहलाद सिंह कृष्णिया, आलोक सिंघल, हनुमान प्रसाद, राम सिंह, बृजेंद्र सिंह भाटी, सुमन चौधरी, संध्या यादव, मिताली गर्ग, सुमित कुमार, देवेंद्र सिंह, सुरेश चौधरी समेत कई लोग मौजूद थे।

अपहरण और लूटपाट करने वाले चार बदमाश पुलिस के हत्थे चढ़े

आरोपियों ने युवक को बंधक बनाकर उसके परिवार से मांगी थी रंगदारी

जयपुर (कासं)। मालपुरा गेट थाना पुलिस ने आज चार बदमाशों को एक व्यक्ति के अपहरण और फिरौती मांगने के मामले में गिरफ्तार किया हैं। परिवादी और आरोपियों के बीच पैसों को लेकर काफी पुराना विवाद चल रहा था। जिसके बाद आरोपियों ने पीड़ित का अपहरण कर परिवार से पैसे मांगे।

मालपुरा गेट थाना पुलिस ने अपहरण और फिरौती मांगने के मामले में चार बदमाशों को गिरफ्तार किया।

डीसीपी ईस्ट ज्ञानचंद यादव ने बताया कि पीड़ित आशाराम चौधरी ने 29 जुलाई को मालपुरा गेट थाने में शिकायत दी थी की वह अपने चाचा के लडके के पास त्रिवेणी नगर में उसके कमरे पर गया हुआ था। इसी दौरान उसके चाचा के लड़के लोकेश चौधरी का फोन आया कि हनुमान गुर्जर गाड़ी की चाबी मांग रहा है और उसके साथ मारपीट कर रहा हैं। इस पर आशाराम मौके पर पहुंचा तो आरोपियों ने उसके साथ भी मारपीट कर जबरदस्ती गाडी में अपहरण करके मेरे साथ मारपीट की व मुझे जबरदस्ती शराब पिलाई।

उसके बाद हनुमान व उसके साथियों ने फोन कर मेरे चाचा के लडके से पैसों की मांग की। मेरे परिवार को फोन कर धमकाया कि अगर पैसा नहीं दोगे तो तेरे भाई को रिंग रोड से नीचे फेंक देंगे। इस पर पीड़ित के भाई ने उनको 25 हजार रुपए दिए। जिसके बाद बदमाशों ने धमकाया कि अगर मुकदमा करेगा तो तेरे भाई व तुझे जान से मार देंगे। इस पर पीड़ित ने मालपुरा गेट थाने पहुंचा और बदमाशों के खिलाफ मामला दर्ज कराया। पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर बदमाशों की गिरफ्तारी के प्रयास शुरू किये।

पीड़ित की रिपोर्ट के बाद पुलिस टीम ने बदमाशों की गिरफ्तारी के लिए घटनास्थाल के आसपास सीसीटीवी फुटेज चैक किए। जिसके बाद बदमाशों के सम्भावित ठिकानों पर पुलिस रेड की गई। जिस पर पुलिस ने हनुमान (38) निवासी बालाजी विहार गोविन्दपुरा, सांगानेर मस्तराम (30) निवासी बालाजी विहार गोविन्दपुरा, विमल मीणा (25) निवासी गोनेर मोड, राजेन्द्र कुमार (32) निवासी राधा विहार कॉलोनी गोनेर मोड को गिरफ्तार किया।

25 दिन पहले खरीदी बुलेट बाइक चोरी

- करधनी स्थित गणेश नगर में हुई वारदात

जयपुर (कासं)। करधनी इलाके में तीन चोरों ने 25 दिन पहले खरीदी गई 2 लाख की बुलेट बाइक को एक मिनट में पार कर लिया। बदमाशों की यह करतूत सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। पुलिस ने अज्ञात तीन बदमाशों के खिलाफ बाइक चोरी का मामला दर्ज कर लिया हैं। घटना के बाद पुलिस ने 12 से अधिक संदिग्धों से पूछताछ की, लेकिन अभी तक बदमाशों का कोई सुराग नहीं लगा है। बदमाशों की फोटो को पुलिस ने कई सोशल मीडिया ग्रुप में भी डाला हैं।

करधनी पुलिस ने बताया कि गत 31 जुलाई की रात साढे 3 बजे तीन बदमाश 200 फीट बाईपास के पास स्थित कॉलोनी गणेश नगर में घुसे। यहां पर प्लॉट नम्बर 15 के बाहर खड़ी बाइक पर चोरों की नजर पड़ी, जिस पर दो चोरों ने एक मिनट में बाइक का हैंडल लॉक तोड़ा। पैदल-पैदल बाइक को लेकर मुख्य सड़क तक गए, वहां जाकर बाइक को स्टार्ट कर फरार हो गए। पीड़ित शिवा यादव की ओर से करधनी थाने में सीसीटीवी फुटेज देने पर बदमाशों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली है।

रिटायर सूबेदार रंजन कुमार यादव के बेटे शिवा ने बताया कि उनके पिता कुछ माह पहले ही सूबेदार के पद से सेवानिवृत्त हुए। उनके पिता इस समय 68 साल के हैं। वह ड्यूटी के दौरान उनकी ड्रीम बाइक को खरीद नहीं सके। इस पर सेवानिवृत्त होने पर उन्होंने यह ड्रीम बाइक खरीदी। रंजन कुमार उनकी इस बाइक के आने के बाद से काफी खुश थे। महज 25 दिन पहले आई बाइक को रंजन कुमार और उनके बेटे ने 2 हजार किलोमीटर चला दिया। दोनों बाप-बेटे कभी भी मौका मिलता तो बाइक लेकर निकल जाते। यही कारण रहा कि इतने कम समय में उनकी बाइक 2हजार किलोमीटर चल गई। करधनी थाना पुलिस ने रिटायर सूबेदार रंजन कुमार यादव को आश्वासन दिया है कि जल्द वह उनकी बाइक और बाइक चोरों को पकड़ लेंगे।

आई फ्लू के कहर के चलते अस्पतालों में दवाइयों का टोटा

जयपुर (कासं)। प्रदेश में इस साल आई फ्लू का प्रकोप लगातार बढ़ता जा रहा है। अस्पतालों में मरीजों की कतार आउटडोर खुलने से पहले ही लगनी प्रारंभ हो जाती हैं। स्वास्थ्य केंद्रों पर हर दिन आंखें लाल होने, चुभन और खुजली की समस्या लिए लोग पहुंच रहे हैं। जिसके चलते कई अस्पतालों में दवाइयों की भी कमी हो गई है। अस्पतालों की ओपीडी में 30-40 फीसदी मरीज आईफ्लू से पीडित आ रहे हैं।

सवाई मानसिंह अस्पताल के चरक भवन, जयपुरिया अस्पताल, कांवटिया अस्पताल समेत अन्य सरकारी अस्पतालों में ऐसा ही हाल देखा जा रहा है। आईफ्लू के बढ़ते संक्रमण के बीच एसएमएस, जयपुरिया समेत अन्य सरकारी अस्पताल, डिस्पेंसरियों के अलावा बाजार में इस संक्रमण से बचाव के लिए काम आने वाली दवाइयों का टोटा हो गया है।

इन अस्पतालों में डॉक्टर जिन दवाइयों का परामर्श दे रहे हैं, वे ही यहां नहीं मिल रही हैं। मजबूरन मरीजों को अस्पताल से बाहर दूसरी वैकल्पिक दवाइयां लेनी पड़ रही हैं। सबसे ज्यादा परेशानी आईड्रोप को लेकर हो रही है। एसएमएस अस्पताल के नेत्ररोग विशेषज्ञों का कहना है कि आईफ्लू के रोजाना 150 से 200 मरीज पहुंच रहे हैं इसलिए ड्रोप की कमी आ गई है। डिमांड भेज दी है। जल्दी समाधान हो जाएगा।

सार-समाचार

महिलाओं-किशोरियों को स्वरोजगार

जयपुर, (का.सं.)। सेवा भारती जयपुर महानगर के द्वारा कच्ची बस्ती की किशोरियों और महिलाओं को मेहंदी प्रशिक्षण और फैशन डिजाईनिंग तथा कम्प्यूटर केन्द्र खोले जाएंगे। ट्रांसपोर्ट नगर स्थित आजाद नगर बस्ती व टीला नंबर 7 बी की महिलाओं और किशोरियों को आश्वस्त करते हुए राष्ट्रीय सेवा भारती के अखिल भारतीय अधिकारी मूलचंद सोनी ने कहा सेवा भारती कच्ची बस्तियों में स्वरोजगार हेतु सभी को प्रेरित करेगी तथा साधन उपलब्ध कराएगी। सत्संग करने का सामान जिसमें ढोलक मंजीरे छन छन सामग्री प्रदान की गई। बस्ती की महिलाओं ने बहुत अधिक संख्या में जोर-शोर से इसके लिए सहर्ष तैयार हो गई तथा, भजन सत्संग कर योजना का स्वागत किया। कार्यक्रम में प्रांत महिला कार्य प्रमुख अनिल शुक्ला जयपुर महानगर सह मंत्री संजना अग्रवाल, गालव जिला सह मंत्री राजेश शुक्ला भाग-1 अध्यक्ष रामलाल प्रजापति और उपाध्यक्ष तरूण केसवानी, सेवा प्रमुख नरेन्द्र गुप्ता, विकास, ओम प्रकाश, रामस्नेही तथा बस्ती के गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। महिलाओं में साप्ताहिक भजन मंडली चलाने का निर्णय लिया।

छात्र का अपहरण कर फिरौती मांगी

जयपुर । करधनी थाना इलाके में बैक एक्सीडेंट के बहाने एक छात्र का अपहरण कर फिरौती मांगने का मामला सामने आया है। पुलिस ने पीडित के बयानों के आधार पर मामला दर्ज कर जांच में जुटी है। जांच-अधिकारी एएसआई प्रह्लाद सिंह ने बताया साउथ कॉलोनी, झोटवाड़ा निवासी रिक्की शर्मा (17) पुत्र जितेंद्र कुमार शर्मा इलाके स्थित एनबीएफ स्कूल में 12वीं कक्षा में पढता है। घटनाक्रम के मुताबिक रिक्की अपने दोस्त के साथ 31 जुलाई की शाम को स्कूल के सामने चाय पीने आया था। इस दौरान करीब 6 बजे वापिस जाते समय एक थार जीप में सवार होकर कुछ लडके आए और बैक एक्सीडेंट की कह कर जीप में पटक ले गए। आरोप है रास्ते में उन लड़कों ने छात्र से मारपीट की और परिजनों से फिरौती मंगवाने के लिए दबाव बनाया। रूपए नहीं मिलने पर उसे शाहपुरा में छोड़कर लड़के फरार हो गए। पुलिस मामला दर्ज कर जांच में जुटी है।

नेशनल हैण्डलूम वीक आज से

जयपुर, (का.सं.)। गुलाबी शहर, जवाहर कला केंद्र में 3 से 7 अगस्त तक नेशनल हैण्डलूम वीक की मेजबानी करने के लिए पूरी तरह तैयार है। इस आयोजन का उद्देश्य राजस्थान राज्य में बुनकरों, हथकरघा और खादी क्षेत्रों के उत्पादों को बढ़ावा देना और प्रोत्साहित करना है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत इस आयोजन का उद्घाटन करेंगे। उद्घाटन समारोह में उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री शकुन्तला रावत भी मौजूद रहेंगी। पांच दिवसीय उत्सव के दौरान, हथकरघा और खादी उत्पादों का प्रदर्शन करने के लिए 80 स्टॉल लगाए जाएंगे। इस कार्यक्रम में 10 राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता बुनकरों की भी उपस्थिति होगी, जो अपनी असाधारण कृतियों का प्रदर्शन और बिक्री करेंगे। बुनकरों, हथकरघा और खादी क्षेत्र के उत्पादकों के समर्थन में, मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के मार्गदर्शन में राज्य सरकार एमएसएमई नीति 2022 के प्रावधानों को लागू करने के लिए प्रतिबद्ध है। इससे कारीगरों को बढ़ावा देने के लिए सभी आवश्यक सहायता प्रदान की जाएगी। आयोजन का उद्देश्य उत्पादों की बिक्री और स्थिर बाजार स्थापित करना भी है।

स्वास्थ्य जांच व टीकाकरण शिविर

जयपुर, (का.सं.)। इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी जिला शाखा जयपुर एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जयपुर द्वितीय के द्वारा डकलिंग नेक्स्ट जनरेशन सीनियर सेकेंडरी स्कूल प्रताप नगर में स्वास्थ्य जांच एवं टीकाकरण शिविर आयोजित किया। स्कूल संस्थान की सचिव मधुरिमा शर्मा ने सभी का स्वागत किया एवं डॉक्टर आर.के.जैन एवं डॉ . अमित सोनी एवं उनकी नर्सिंग टीम के नेतृत्व में लगभग 1100 छात्र छात्राओं एवं अध्यापक अध्यापिका के स्वास्थ्य की जांच की गई और लगभग 150 विद्यार्थियों का टीकाकरण किया गया। कार्यक्रम में सुनील दत्त गोयल द्वारा सवा सौ छात्राओं के लिए सेनेटरी नैपकिन का वितरण भी किया गया। इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी के सचिव ओम प्रकाश जोशी ने यह बताया कि आने वाले समय में हम लोग अन्य स्कूलों में भी इस तरह के आयोजन करते रहेंगे। स्कूल की प्रिंसिपल सुनिता वाजपेयी ने बताया कि इस प्रयास से विद्यार्थियों को स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता बढ़ाने में मदद मिली।

अवैध हथियार समेत दो गिरफ्तार

जयपुर । जयपुर कमिश्नरेट की स्पेशल टीम ने प्रताप नगर एवं शास्त्री नगर इलाके में अवैध देशी कट्टा, पिस्टल व 2 जिन्दा कारतूस के साथ आरोपी रवि जीन वाल (21) निवासी लालसोट हाल प्रताप नगर और शोएब खान उर्फ सोफ्टी (25) निवासी शास्त्री नगर को गिरफ्तार किया।

पुलिस कर्मियों ने गिरफ्तारी का डर दिखाकर घूस मांगी

जयपुर । श्रीगंगानगर जिला साइबर थाने के तीन पुलिसकर्मियों ने जयपुर के एक व्यापारी से साढ़े चार लाख रुपए मांगे। 2.40 लाख में सौदा तय कर एक लाख रुपए तत्काल देने को कहा। पहले परिवादी के साथ एटीएम पर 58 हजार रुपए ले लिए। फिर रुपए जुटाने के लिए परिवादी की अंगूठी बिकवाने सुनार तक पहुंचे। व्यवसायी की कार ले गए और रिश्वत की बाकी रकम मिलने पर लौटाने की बात कही। इस बीच व्यवसायी एसीबी के पास पहुंच गया। रिश्वत की शेष रकम के लिए आरोपियों ने जेएलएन मार्ग स्थित डब्ल्यूटीपी पर मिलना तय किया। एसीबी ने जाल बिछाया, लेकिन शातिर पुलिसकर्मियों को भनक लग गई, आरोपी वहां से रफूचक्कर हुए और कार को परिवादी के घर छोड़ कर फरार हो गए। अब एसीबी ने मंगलवार को रिश्वत मांगने का मामला दर्ज किया है। सूत्रों के अनुसार मालवीय नगर में डायग्नोस्टिक लैब के लिए कलेक्शन सेंटर चलाने वाले अमर सिंह ने किसी के कहने पर अपने खाते में रुपए डलवा कर एटीएम से नकदी निकाल कर दी थी। इसको लेकर जवाहर सर्कल थाने में दर्ज साइबर ठगी के मामले में पुलिस ने उसे 16 अप्रेल को गिरफ्तार किया था, जिसमें उसे तीन मई को जमानत मिली। गत 13 जून को श्रीगंगानगर साइबर थाने के हेड कांस्टेबल नवीन कुमार और कांस्टेबल इंद्रजीत व राकेश उसके यहां पहुंचे व अमर सिंह को लेकर उसकी कार से ही भरतपुर गए। वहां स्थानीय थाने की मदद से एक स्थान पर दबिश देकर लौटे। रास्ते में उन्होंने अमर सिंह को गिरफ्तारी का भय दिखा साढ़े चार लाख रुपए मांगे। सौदा 2.40 लाख में तय हुआ। जयपुर पहुंचने पर वे सांगानेर के पास एक होटल में ठहरे, जिसका भुगतान अमर से ही करवाया।

कर्मचारियों ने किया 204 यूनिट रक्तदान

जयपुर (कासं)। राजस्थान इंटक फैडरेशन के प्रथम प्रदेशाध्यक्ष और कर्मचारी नेता स्व. मांगीलाल शर्मा की 30वीं पुण्यतिथि पर जवाहर नगर के जनपयोगी भवन में बुधवार को रक्तदान शिविर व श्रद्धांजलि सभा हुई। जहां सैकड़ों जलदाय कर्मचारियों व आम श्रमिकों ने 204 यूनिट रक्तदान कर नेताजी को श्रद्धांजलि अर्पित की।

आयोजक व पीएचईडी इंटक के प्रदेशाध्यक्ष संजय सिंह शेखावत, संरक्षक जगदीश शर्मा और जिला अध्यक्ष ताराचंद सैनी ने बताया कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी स्व. मांगीलाल शर्मा की याद में रक्तदान शिविर लगाया गया, जिसमें राजस्थान इंटक के प्रदेशाध्यक्ष व श्रम राज्य मंत्री जगदीश राज श्रीमाली समेत जयपुर नगर निगम हैरिटेज की महापौर मुनेश गुर्जर, भाजपा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष अशोक परनामी, पूर्व मंत्री अरुण चतुर्वेदी, जलदाय विभाग के अभियंता, प्रदेशभर के कर्मचारी नेता मौजूद रहे। रक्तदान शिविर में जलदाय कर्मचारियों के साथ-साथ ऑटो टैक्सी इंटक यूनियन के अध्यक्ष फूलचंद गुर्जर, उमराव कुरैशा, जलदाय इंटक के महामंत्री राजेन्द्र सिंह सोलंकी, प्रदेश सलाहकार रामाशंकर गुर्जर, उपाध्यक्ष रघुवीर सिंह शेखावत भी मौजूद रहे। उपाध्यक्ष रघुवीर शेखावत ने बताया कि रक्त संग्रहण जयपुर के सवाई मान सिंह हॉस्पिटल ब्लड बैंक व सोनी हॉस्पिटल व अन्य की सहयोग से किया गया।

राजस्थान इंटक फैडरेशन के प्रथम प्रदेशाध्यक्ष और कर्मचारी नेता स्व. मांगीलाल शर्मा की 30वीं पुण्यतिथि पर बुधवार को जवाहर नगर में रक्तदान शिविर आयोजित हुआ।

कांग्रेस सरकार की वादा खिलाफी के विरोध में कर्मचारियों का प्रदर्शन

- आंदोलन के प्रथम चरण में 11 अगस्त को होगी आक्रोश रैली

जयपुर । कांग्रेस के जन घोषणा पत्र 2018 में राज्य कर्मचारियों से किए वादों को पूरा नहीं करने के विरोध में प्रदेश के राज्य कर्मचारियों ने अखिल राजस्थान राज्य कर्मचारी संयुक्त महासंघ (एकीकृत) के आव्हान पर सभी जिला मुख्यालयों पर धरने-प्रदर्शन किये और जिला कलेक्टर को मुख्यमंत्री के नाम का ज्ञापन प्रस्तुत किया। जयपुर में यह प्रदर्शन महासंघ, एकीकृत के प्रदेशाध्यक्ष गजेंद्र सिंह राठौडड़ और जिला अध्यक्ष छोटे लाल मीणा के नेतृत्व में किया गया।

जिला कलेक्ट्रेट जयपुर पर कर्मचारियों की सभा को संबोधित करते हुए महासंघ (एकीकृत) के प्रदेशाध्यक्ष गजेंद्र सिंह राठौड़ ने कहा कि कांग्रेस सरकार अपने चुनावी वादों को शीघ्र पूरा करें, अन्यथा आने वाले चुनाव में सरकार को इसका बहुत बड़ा खामियाजा भुगतना पड़ेगा। वेतन विसंगतियों के लिए गठित खेमराज चौधरी एवं सामंत कमेटी की रिपोर्ट सरकार जल्द सार्वजनिक करे। संविदाकर्मी समेत सभी अस्थाई कर्मचारियों को नियमित करे।

कर्मचारियों की मांग है कि चयनित वेतनमान (एसीपी) का परिलाभ 9-18-27 वर्ष के स्थान पर 8-16-24-32 वर्ष पर पदोन्नित पद के समान देने, अर्जित अवकाश की सीमा 300 दिवस से बढ़ाकर सेवानिवृत्ति तक जोड़ने, ग्रामीण क्षेत्र के कर्मचारियों को मूल वेतन का 10 प्रतिशत ग्रामीण भत्ता स्वीकृत करने तथा अधीनस्थ मंत्रालयिक संवर्ग को सचिवालय कर्मियों के समान पदोन्नित एवं वेतन भत्ते देने तथा द्वितीय पदोन्नित ग्रेड पे-4200 पर सुनिश्चित करने की मांग प्रमुख है। गजेन्द्र सिंह ने बताया कि अगर कर्मचारी वर्ग की तमाम मांगें पूरी नहीं की गई तो जल्द ही राज्यव्यापी आंदोलन होगा। पहले प्रथम चरण में 11 अगस्त को जयपुर में विशाल रैली आयोजित की जावेगी, जिसकी जिम्मेदारी सरकार की होगी। धरना स्थल पर जिला अध्यक्ष छोटे लाल मीणा, भंवर सिंह धीरावत, कुलदीप यादव, राजेश पारीक, अमरजीत सिंह सैनी, रामनरेश जाटवा, पुष्पेंद्र सिंह, मोहनलाल शर्मा, सुरेश नारायण शर्मा, सर्वेश्वर शर्मा, प्रकाश यादव, रिंकू यादव, पप्पू शर्मा, ओम प्रकाश चौधरी, राजेंद्र शर्मा, महेश कुमार, मदन सिंह राठौड़ मौजूद थे।

फर्जी पट्टे बनाकर 30 लाख रु. ऐंठने वाले दो गिरफ्तार

जयपुर । मालपुरा गेट पुलिस ने कार्रवाई करते हुए फर्जी पट्टे बनाकर धोखाधड़ी पूर्वक 30 लाख रुपये ऐंठने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। डीसीपी ज्ञानचंद यादव ने बताया कि फर्जी पट्टे बनाकर धोखाधडी पूर्व रुपये ऐंठने के मामले में किशन गुर्जर (55) निवासी मोजमाबाद जिला जयपुर और बोदू राम बैरवा (47) निवासी फागी जयपुर हाल मालपुरा गेट को गिरफ्तार किया है।

पीड़ित चंद्रभान शर्मा ने मामला दर्ज कराया था कि बोदूराम बैरवा उसका परिचित है और उसकी कॉलोनी में रहता है। उसने एक प्लाट बिकाऊ बताकर कृषि नगर में भूखंड़ दिखाया, जिसका विकास भवन निर्माण सहकारी समिति का फर्जी व कूटरचित तैयार कर सौंप दिए। फर्जी पट्टे के आधार पर अपने साथी किशन गुर्जर से परिवादी के हक में बेचान कर 30 लाख रुपये ले लिए, लेकिन प्लॉट मालिक कोई और था।

जयपुर में असगर अली को सुपुर्द-ए-खाक किया

जयपुर (कासं)। जयपुर-मुम्बई एक्सप्रेस ट्रेन में आरपीएफ के कांस्टेबल द्वारा फायरिंग में मारे गए असगर अली को बुधवार को शास्त्री नगर स्थित कब्रिस्तान में सुपुर्द ए खाक किया गया।

असगर अली का आज शव मुम्बई से फ्लाइट के जरिए जयपुर लाया गया। शव एयरपोर्ट पर उतारेन के बाद उसके भट्टा बस्ती स्थित उसके घर पहुंचा। इसके बाद उसे सुपुर्द-ए-खाक करने के लिए कब्रिस्तान ले जाया गया। इस दौरान उसके जनाजे में काफी संख्या में लोग शामिल हुए। मृतक असगर के परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल हो रहा है। उसके परिवार में चार लडकियां और एक लड़का है। असगर की मौत के विरोध में चार अगस्त को भट्टा बस्ती में प्रदर्शन किया जाएगा। इसमें कई सामाजिक संगठन शामिल होंगे।

मृतक परिजनों को सरकारी नौकरी और मुआवजे के तौर पर एक करोड़ रुपए की मांग की जाएगी। वहीं आरोपी कांस्टेबल को सख्त से सख्त सजा देने की मांग की जाएगी। गौरतलब है कि जयपुर-मुंबई एक्सप्रेस ट्रेन में रेलवे प्रोटेक्शन फोर्स (आरपीएफ) के कांस्टेबल ने अपनी ऑटोमैटिक राइफल से गोलियां चला दीं थी।

गोलीबारी में आरपीएफ के एएसआई और 3 यात्रियों की मौत हो गई है। मरने वाले एएसआई टीकाराम मीणा राजस्थान के सवाई माधोपुर में श्यामपुरा के रहने वाले थे। वह 6 महीने बाद ही रिटायर होने वाले थे।

वहीं तीन पैसेंजर में एक जयपुर के भट्टा बस्ती निवासी असगर अली (48) थे। असगर मूलतः बिहार मधुबनी का रहने वाले थे। इसके अलावा भवानीमंडी के भानपुरा निवासी कादर भाई मोहम्मद हुसैन (55) की मौत भी इस घटना में हो गई।

ARBiT it happens here...

Cloves Syndrome Awareness Day

On Cloves Syndrome Awareness Day, everyone comes together to share knowledge about this rare and complex issue that causes overgrowth and can often lead to vascular problems. There are various symptoms of Cloves, a few of which are malformations that can press on the organs or spinal cord or soft tissue tumors.Help raise awareness as this can lead to more chances for research, treatments, and provide improved outcomes for those who have this syndrome by creating a more active patient population.

राष्ट्रदूत
THURSDAY
03 August 2023
A-B

#HEALTH

Time To Exercise!

"The challenge with this is that most, if not all, people know exercise is good for them but they don't know the best approach," says Steven Malin

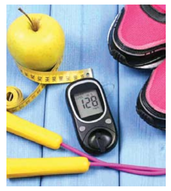

An analysis on the positive effects of exercise on blood sugar levels in people with Type 2 diabetes shows that while all exercise helps, certain activities—and their timing—are extremely good for people's health.

The studyprovides a comprehensive but straightforward summary of the benefits of exercise on controlling blood glucose levels in people with Type 2 diabetes.

"The challenge with this is that most, if not all, people know exercise is good for them but they don't know the best approach," says Steven Malin, an associate professor in the kinesiology and health department at Rutgers University and an author of the study.

"We targeted this issue by focusing on a few key parameters: the utility of aerobics versus weightlifting, the time of day that is optimal for exercise, whether to exercise before or after meals and whether we have to lose weight to get benefits or not."

As part of the analysis, researchers sifted through dozens of studies and extracted common conclusions. Some of the key findings include:

- Habitual aerobic exercise: Physical activity, such as cycling, swimming, and walking, that increases the heart rate and the body's use of oxygen helps manage blood glucose.
- Resistance exercise: Working muscles using an opposing force such as dumbbells, resistance bands, or a person's own body weight benefits insulin sensitivity in those with Type 2 diabetes.
- Movement throughout the day by breaking up sitting time benefits blood glucose control and insulin levels.
- Performing exercise later in the day can result in better control of blood sugar levels as well as improve insulin sensitivity.

"In short, any movement is good and more is generally better," Malin says. "The combination of aerobic exercise and weightlifting is likely better than either alone.

Exercise in the afternoon might work better than exercise in the morning for glucose control, and exercise after a meal may help slightly more than before a meal.

And, you don't have to lose weight to see the benefits of exercise. That is because exercise can lower body fat and increase muscle mass."

High blood sugar is damaging to the body and can cause serious health issues.

While insulin resistance is harmful, scientists believe increased insulin sensitivity is beneficial. High insulin sensitivity allows the cells of the body to use blood glucose more effectively, reducing blood sugar.

Malin researches insulin sensitivity and teaches kinesiology, the study of human movement. He and several other faculty members at Rutgers support the concept of "exercise as medicine."

The idea, which is supported by the American College of Sports Medicine and is increasingly being borne out by research, is that exercise can be considered a first-line therapy.

Malin and colleagues authored the study to offer the medical community up-to-date practical advice for their patients.

"Together, this idea of exercise timing and type is important because it helps medical professionals more accurately recommend exercise prescriptions to combat high blood glucose," Malin says.

'Stand by to blow the Centre Group ', I ordered. Centre group ballast is major ballast tanks from which if all water is blown out, Vagli would gain immediate positive buoyancy making it shoot up vertically like a Polaris missile). My order was with as much calm as I could muster. It was the last trump card up my sleeve. 'Do it only when I say NOW', I told the Panel Chief (A senior sailor in charge of High pressure air panel), with a hand on his shoulder. In the small confines of the Control room my whisper sounded like a shout even in my ears. I glanced at Robin. But he was calm and steely, eyes bright and steady, no visible sign of any nervousness. He simply nodded his head, a few milli metres to convey 'I am with you Captain'. It gave me courage to do whatever that had to be done, gauged by my youthful experience and wisdom. If I blew the centre group ballast tanks, Vagli would shoot up to the surface and thereafter be a sitting duck without sufficient high pressure air- that too close to enemy. It would be disastrous and embarrassing situation for our country. I was now left with the 'Hobson's Choice'.

Vagli started to misbehave again (...2)

Wg Cdr Unni Kartha (Retd)
aka Cyclic is a retired IAF pilot with a penchant for storytelling

It took about thirty odd minutes to go back and settle down at 50 mtrs depth, throttle down to our earlier silent speed. We had taken on board 25 tons of additional sea water. I could not figure out the reason for it. I noticed that Aggy and Srikant too had come silently into the Con and were standing unobtrusively at the back.

'OOW take over the Con', I ordered and nodded to my team captains to follow me to the ward room. I gulped down two glasses of cold water, using the time to think, my team captains had the enquiring look that asked, 'What happened ?'.

I smiled.

They smiled with me. It perhaps broke the tension.

'One of those things', I commented shrugging my shoulders. 'Relax, let us wait and watch', I said with a confident wave indicating 'return to quarters'. I went back to my own bunk.

Exactly an hour later, Vagli started to misbehave again, this time in the opposite direction. She went into a nose down trim and started to dive. She was slowly gaining depth. Although I was in my cabin, I could sense this and came to Control room. 'The OOW immediately sounded the claxon for 'Action Stations'. All crew members, even those sleeping, ran to their respective work stations.

The Exeo. Robin had arrived at the Control room right behind me. From the corner of my eyes I could see that Aggy and Srikant too were standing in the corner, waiting and watching. I was the man in charge and every eye was focused on me, everyone expected me to make Vagli behave. But Vagli was misbehaving.

Immediately we went into a reverse routine, opposite of what was done an hour earlier. All pumps were started to pump out water from Comp -2, trying to make Vagli lighter, fill it with compressed air. But despite these actions, Vagli kept going down, and further down, slowly but steadily.

Even if pumps were working at their rated capacity, in condition like this one, every minute is like 10 minutes. Needle on the Depth Gauge kept surging towards the Red mark. The red mark indicated Maximum Permissible Diving Depth or Crushing Depth, "Death Beyond". Every pair of eyes in the Con turned to the depth gauge. The needle kept surging downward, ever so slowly. Another 50 meters and Vagli would reach its 'Crushing Depth'. If it sinks any lower, we would be crushed by the water pressure around us. Vagli's pressure hull would get crushed like an egg giving us instant nirvana at the bottom of the ocean.

The situation was so tense that any word from my mouth would be taken as gospel truth and all would interpret and instantly act out of conditioned reflex, without thought, suggestion or dissent. I held the destiny of Vagli and its crew by a slender thread that could break if I were to be hasty or lack wisdom. Another 10 meters were left for the needle on Depth Gauge to touch the red mark.

'Stand by to blow the Centre Group ', I ordered. Centre group ballast is major ballast tanks from which if all water is blown out, Vagli would gain immediate positive buoyancy making it shoot up vertically like a Polaris missile). My order was with as much calm as I could muster. It was the last trump card up my sleeve. 'Do it only when I say NOW', I told the Panel Chief (A senior sailor in charge of High pressure air panel), with a hand on his shoulder. In the small confines of the Control room my whisper sounded like a shout even in my ears. I glanced at Robin. But he was calm and steely, eyes bright and steady, no visible sign of any nervousness. He simply nodded his head, a few millimetres to convey 'I am with you Captain'. It gave me courage to do whatever that had to be done, gauged by my youthful experience and wisdom. If I blew the centre group ballast tanks, Vagli would shoot up to the surface and thereafter be a sitting duck without sufficient high pressure air- that too close to enemy. It would be disastrous and embarrassing situation for our country. I was now left with the 'Hobson's Choice'.

Every pair of eyes in the Control room was on the 'Depth-Gauge needle. I could imagine that every man on board Vagli, in their crew station out of sight from the Control room, would be experiencing the increased pressure. The crew would be praying silently to Varuna, the god of the sea, to make Vagli behave and to give the Captain's wisdom and courage of conviction to save them from instant death in the vast depths of the ocean.

The Depth Gauge needle kept surging towards the red mark, ever so gradually now. Vagli was making strange noises of metal under extreme stress. All crews were at Actions Stations. I felt fear gnaw my guts, adrenalin was racing my pulse. In my heart I felt lonely and sad. I clenched my jaws and jutted out my chin, chest out stomach in, to project the external appearance of a 'hard hat' Captain to reassure the eyes on me. I was scared.

The depth gauge reached the red mark 'Crushing Depth'. My inner voice commanded me, 'Don't blow, and wait'. Seconds that felt like hours ticked by.

But Vagli did hear my inner voice. The depth needle came to an abrupt stop on the red mark. The submarine stopped descending at the danger mark. It stood like that for a minute, what looked like eternity. After a long time I took a deep breath; I felt I had not breathed for quite some time. Then Vagli began to rise. First very slowly and then with increasing rapidity she started coming up.

Frantic orders were shouted to flood the Comp tanks once again, to regain neutral buoyancy to get Vagli under control. By and by, after 15/20 minutes of hectic zestful activities by all hands on board, we were back at 100 mts depth and then to 50 mts. All of them perhaps were now smiling. Robin, Aggy and Srikant were god's gift to me, a very special breed of men, sailors born to lead.

The courageous men of Vagli were back as a fighting lot, ready to complete the mission, even though Vagli had just recovered from some terrible unknown sickness, which I could not fathom. The four Geminis with 4 clearance divers each were clandestinely launched in the dead of the night, close inshore, at preselected beachheads to reconnoiter the water depth on the shore lines, soil conditions, tides, presence of habitation, pickets or enemy patrols, obstacles inland and so on. They were retrieved uneventfully after two nights. We completed our mission with complete stealth and set sail for the open sea. Once we were back in the open ocean, international waters away from shipping lanes, I radioed " Amethist "- the code word for successful completion of task assigned.. We were intercepted by an Indian Navy escort after 32 hrs. Once in our territorial waters we surfaced and sailed back safely to home port with the escort.

Happy stories don't end abruptly in home port. There was the inevitable immediate court of inquiry. All were questioned and statements taken from all, especially Robin, Aggy, Srikant and self to review our actions, strengths and weaknesses of character and decisions. Vagli's sensors were taken out and analyzed. Everyone, top to bottom in the submarine arm wanted to know why Vagli had misbehaved when nothing seemed to be wrong with it. In addition there was the intelligence debrief, for the data we had collected.

There were rumours of every kind including quirks of Poseidon. Covert investigations were done in the target area where we had gone, using innocent looking fishing trawlers armed with complex oceanographic under water equipment. In the end it was revealed that area was prone to volcanic eruptions. So it was the volcanic eruptions on the sea bed which threw Vagli upwards and to compensate we took in an unusual 25 tons of additional ballast water. As we went forward, out of the volcanic area, the water temperature, salinity and density may have changed suddenly, making Vagli too heavy making us sink to the bottom uncontrollably.

A lesson was learnt by all, on the existence of deep sea volcanic activity in the area where we went to snoop; the endemic and unpredictable oceanographic characteristics there, endangering submarine operations. Many years later, similar deep sea volcanic activity was to trigger a catastrophic tsunami. I am glad that other men in their magnificent submarines were not wandering around in that area when the tsunami came.

Few years ago, though retired, I was invited by the Navy to attend the decommissioning ceremony of INS Vagli, the last of the Foxtrot class submarines. There was a parade by young, energetic and smartly dressed submarines to bid adieu to Vagli. It had grown too old like me, no longer fit to prowl around in the deep dark depths of oceans. Along with some of my old ship mates we went into the innards of Vagli, touching here, fondling there, my mind flooding with happy, rich and proud memories of our life and times together. Cheers to INS Vagli, it was a submarine to love and to cherish, to take us to the great depths of hell, but bring us right back with flying colours, the 'Gin Pendant' on its periscope !!

All those brave men- all retired and settled all over the world now, some of them no longer alive except in my mind, where I could be with them again whenever I choose. I hope they get to read this soliloquy.

Later I worked in different capacities all over the world and it struck me that no where I could feel that intimacy, the spirit de corps, that spirit of romantic adventure, which I enjoyed in Submarine Service. We were singularly free of petty jealously. I remember a night when I was standing on a bridge of another submarine ploughing through a calm sea with the moon shining when I was struck with an almost mystical conviction that "Every man below was my brother". To even this day, when I see a man wearing submarine badge, I stop him to wring his hand.

INS Vagli (S42), a Vela-Class diesel-electric submarine, served the Indian Navy for 36 years from 1974. It was decommissioned on 9 Dec 2010.

This submarine was to have been dry docked on land, in the Heritage Museum on the shores of Mamallapuram in Tamil Nadu, However, due to delays in setting up the Heritage Museum, Vagli languishes in Chennai port, rusted and decaying.

Concluded

rajeshsharma1049@gmail.com

#THE 'SILENT SERVICE'

> Exactly an hour later, Vagli started to misbehave again, this time in the opposite direction. She went into a nose down trim and started to dive. She was slowly gaining depth. Although I was in my cabin, I could sense this and came to Control room. The OOW immediately sounded the claxon for 'Action Stations'. All crew members, even those sleeping, ran to their respective work stations.

> The depth gauge reached the red mark 'Crushing Depth'. My inner voice commanded me, 'Don't blow, and wait'. Seconds that felt like hours ticked by. But Vagli did hear my inner voice. The depth needle came to an abrupt stop on the red mark. The submarine stopped descending at the danger mark. It stood like that for a minute, what looked like eternity. After a long time I took a deep breath.

#FACE-ISM

Judging People Based on Their Facial Features

Research shows some people make extreme personality judgments based solely on facial appearance.

You've finally got an interview for your dream job. Dozens of applications, dozens of rejection letters – but now you've got a shot at the job you really wanted. In you go. Maybe you shake hands with the person who will decide your future, pour a glass of water to steady your nerves.

But what you don't know is that none of this matters. The second your interviewer set eyes on you, they decided you looked so incompetent and untrustworthy that you would never get this job.

Because unfortunately, they are one of a subset of people who new research shows have a disposition to judge extreme personality traits from just a quick view of a person's face.

Look at the two faces below. Would you hire these people? Who looks more intelligent? Would you trust either person to watch your laptop in a cafe while you pop out to take a call? These images were created by psychologist Lisa DeBruine and colleagues. In fact they are composite images, with each one having been created by combining four different faces. Even though these faces aren't real, you may still have made a snap verdict about each composite person's competence based on their facial expression and structure. We do this all the time.

Even though the people in the images don't exist, we still have projected traits onto them. Making quick judgments about how much we should trust someone, how dominant they are likely to be, or how intelligent they are can be useful estimates of personality.

But this can also, unfortunately, lead to stereotyping – for example, thinking that people with a particular physical characteristic must all be untrustworthy.

Harsh Judgments

Work from researchers in Japan suggests something more worrying; that some of us have a disposition to draw drastic conclusions about the traits and personalities of others based solely on facial appearance.

In a series of online studies with more than 300 participants, Atsunobu Suzuki and colleagues found what they call "face-based trait inferences" (FBTIs).

Basically, subjects made a series of personality judgments having taken a brief look at someone's face. While everyone makes FBTIs to some degree, they found that some people only make extreme judgments (both positive and negative). This held even when the age, sex and ethnicity of participants were controlled for.

Imagine seeing a certain type of face, perhaps with hard eyes and masculine features, and immediately getting the impression the person is extremely untrustworthy. Or that someone with more feminine features and larger eyes is incompetent. This is problematic indeed.

Face Up To The Problem

We already know unconscious bias is rife in decision-making about new hires. A 2018 study sent separate versions of almost identical CVs to apply for 50 different jobs.

The only difference was the name on the CV: Adam Smith on one and RavindraThalwal on the other. Ravindra received about half of the responses compared with his more traditionally British sounding doppelgänger.

One of the leading figures in first impression research, Alexander Todorov, tells us these snap judgments are predictable but usually inaccurate. And we also know that first impressions are usually hard to shake.

So this could mean the wrong people are frequently being hired for jobs.

The thing with unconscious bias is you don't realise you're doing it most of the time. It's one of the reasons some companies insist on unconscious bias training (although some people still refuse to do it).

Unconscious bias training is not some fix-all remedy for discrimination, but even short interventions have been shown to change people's attitudes.

You can design unconscious bias training for prejudices against other physical characteristics such as race, gender and weight.

But face-ism seems to be a stereotype that crosses ethnicities, the sexes and physical appearance.

One solution could be to make people aware that they exhibit extreme FBTIs.

Research has shown that being made aware of your biases can lead to a change of mind-set in the short term, but people need extra interventions periodically to make any real behaviour change last.

Maybe just making someone aware that they make extreme personality judgments based on facial appearance will be enough to pull the unconscious bias into the conscious. We're certainly going to have to try; otherwise you might yourself be a victim of face-ism in the future.

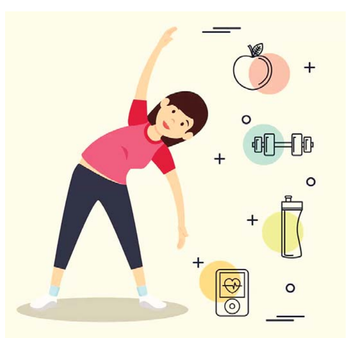

THE WALL

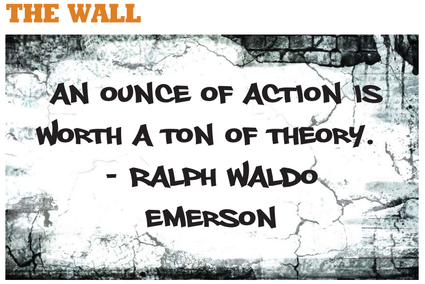

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

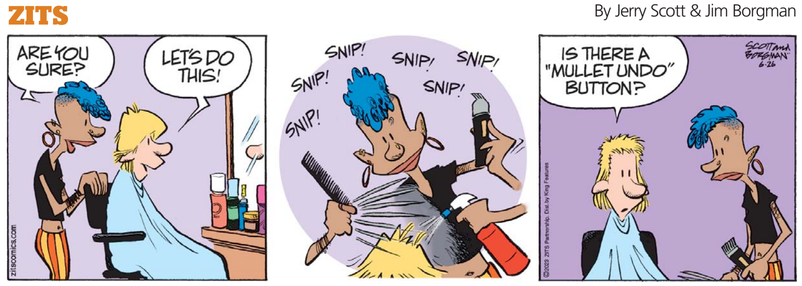

आपसी रंजिश में बुजुर्ग महिला की कुल्हाड़ी से गला रेतकर हत्या

घटना की मिली सूचना पर पुलिस अधिकारी टीम के साथ मौके पर पहुंचे तथा जायजा लिया

सादुलपुर, (निसं)। सिद्धमुख थाना क्षेत्र के गांव ढिगारला में बीती रात्रि को चल आ रही आपसी पुरानी रंजिश को लेकर अपने घर के दरवाजे के सामने सो रही एक 70 वर्षीय बुजूर्ग महिला की कुल्हाड़ी से गला रेतकर हत्या करने के आरोप का मामला सामने आया है। वहीं घटना की मिली सूचना पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार बुटोलिया, डीवाईएसपी राजगढ इस्लाम खान, राजगढ़ सीआई सुभाष चन्द्र ढील व सिद्धमुख थानाधिकारी जय कुमार मय पुलिस टीम के मौके पर पहुंचे तथा घटना स्थल का जायजा लिया।

वहीं संदीप कुमार पुत्र नोरंगराम जाट निवासी ढिगारला तहसील सिद्धमुख जिला चूरू ने सिद्धमुख थाने में इस आरोप का मामला दर्ज करवाया है कि सुल्तान, रामवीर, बलवान पुत्रगण लादूराम व अमित कुमार व मंदीप पुत्रगण रामवीर जाट निवासी ढिगारला उनके परिवार के ही हैं, जिनसे उनकी पुरानी रंजिश है तथा करीबन 20-25 साल पूर्व से पुलिस थाने में उनके आपसी मुकदमे भी चले

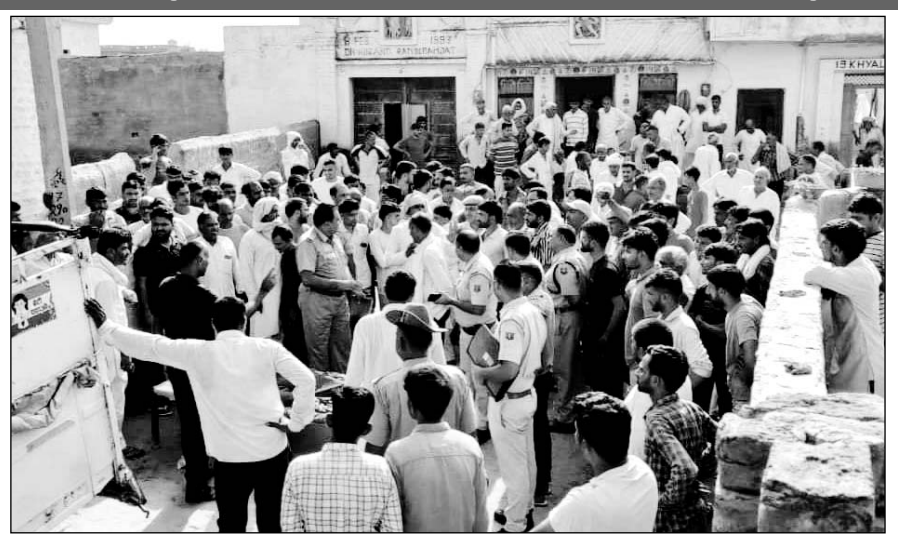

मोर्चरी के बाहर पोस्टमार्टम कार्यवाही के दौरान मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई।

हैं तथा 18 अप्रेल को सुल्तान पुत्र लादूराम ने उसके व उसके भाईयों एवं भाई के पुत्र के खिलाफ 376 का झूठा मुकमदा भी पुलिस थाना सिद्धमुख में करवाया था, जिसमें पुलिस ने एफआर लगा दी। लेकिन 5 जुलाई को उक्त सुल्तान ने उनके सीर सांझे के खेत में बने कुण्ड में व मटकों में जहर मिला दिया था।

जिसका 6 जुलाई को सिद्धमुख थाने में मामला दर्ज करवाया गया था, जो जैर अनुसंधान में हैं, लेकिन 20 अप्रेल को उसके ताउ के लड़के राजेन्द्र ने उक्त सुल्तान व बलवान के विरूद्ध जान से मारने की धमकी बाबत सिद्धमुख थाने में प्रार्थना पत्र दिया था तथा आज से 5-7 रोज पहले संदीप पुत्र रामवीर व सुल्तान पुत्र लादूराम ने उसके भाई माँगेराम को एवं उनके पूरे परिवार को खत्म करने की धमकी दी थी।

आरोप है कि 2 अगस्त को रात्रि को सुल्तान, रामवीर, बलवान पुत्रगण लादूराम व अमित, मंदीप पुत्रगण रामवीर निवासीगण ढिगारला उनके घर के आगे आये व उसकी ताई वेदकोर पत्नी हनुमान जो कि उनके घर के सामने ही अपने दरवाजे के आगे सोई हुई थी, जिसके सुल्तान ने कुल्हाड़ी से ताबड़तोड़ हमला कर दिया तथा ताई के चिल्लाने की आवाज सुनकर वह अपने घर के आगे बने चुबतरा पर सोया हुआ था चिल्लाने की आवाज सुनकर उसने देखा तो आरोपी सुल्तान उसकी ताई की कुल्हाड़ी से हमला कर रहा था। उसने हल्ला मचाया तो उसका भाई मांगेराम पुत्र हनुमान व राजेश पुत्र गिरधारी भी मौके पर आ गये तथा सभी ने शोर मचाया तो पांचों लोग मौके से फरार हो गये। सिद्धमुख थाना पुलिस ने हत्या के आरोप सहित अन्य धाराओं के तहत का मामला दर्ज कर अनुसंधान प्रारंभ कर दिया है।

कार में आये दबंगों ने होटल में जमकर तोड़फोड़ की

होटल मालिक को डराया-धमकाया, मुकदमा दर्ज

होटल में तोड़-फोड़ करते कार सवार युवक।

बीदासर, (निसं)। निकटवर्ती ग्राम साण्डवा में सोमवार की रात्रि में बिना नम्बरी कार में सवार दबंगों ने एक होटल में तोड़-फोड़ की और होटल मालिक को डराया-धमकाया जिसका मुकदमा होटल मालिक ने मंगलवार की शाम पुलिस थाना साण्डवा में दर्ज करवाया है।

जानकारी के अनुसार होटल मालिक ने थाने में रिपोर्ट दी कि मैं साण्डवा बस स्टेण्ड पर भोजनालय व मिठाई की दूकान चलाता हूँ। 31 जुलाई को रात्रि करीब सवा दो बजे मेरी होटल के पास एक बिना नम्बर की फोर्चुनर गाड़ी आकर रुकी जिसमें से एक लड़का मुंह पर गमछा बांधे हुए उतरकर मेरी होटल के अंदर आया जिसने अपना नाम करतार सिंह पुत्र पृथ्वीसिंह निवासी ठाम जान्दवा तहसील रतनगढ़ बताया तथा दो-तीन लड़के फोर्चुनर गाड़ी के अन्दर ही बैठे रहे। करतार सिंह ने मेरी होटल के काउंटर पर आकर मेरे लड़के नरेन्द्र से रजनीगंधा मांगा, तो मेरे लड़के ने रजनीगंधा का छोटा पाउच दिया। तब करतार सिंह ने बड़ा पाउच मांगा जिस पर मेरे लड़के ने होने से मना कर दिया। करतार सिंह ने नशा किया हुआ था और उसने कहा कि मुझे तो रजनीगंधा का बड़ा पाउच दे वरना जान से मार दूंगा। इतना कहकर करतार सिंह फॉर्चुनर गाड़ी से लोहे का रॉड निकाल कर लाया और मेरे पुत्र को जान से मारने की नियत से हमला कर दिया और होटल के काउंटर को रॉड से तोड़ने लगा।

होटल मालिक ने बताया कि उसने मेरी हॉटल के शीशे के सभी काउंटर तोड़ दिये और मेरी लाखों रुपये की मिठाई बर्बाद कर दी। फिर उसने रॉड से मेरे पुत्र नरेन्द्र को मारने की कोशिश की तो नरेन्द्र पीछे हट गया तब करतार ने गाड़ी में बैठे अपने दोस्त को आवाज लगाई कि राजू गाड़ी से तेरे वाली पिस्तौल निकालकर ला। तब गाड़ी से एक लड़का उतर कर करतार के पास आया तभी मेरी पत्नी लीला देवी हल्ला सुनकर होटल के काउंटर पर आ गई। तब करतार और उसके दोस्तों ने धमकी दी कि होटल में रहने वालों को जान से मार देंगे। होटल में बस के इंतजार में बैठे एक यात्रि को भी करतार ने धमकी दी कि काउंटर के पास आ गया तो तेरे हाथ-पैर तोड़ दूंगा। इतना कहकर करतार व उसके साथी फोर्चुनर गाड़ी लेकर चले गये। मुझे मेरे पुत्र नरेन्द्र ने फोन कर बुलाया तब मैं होटल आया तो मुझे सारी घटना बताई तब मैंनें मेरे होटल में लगे सीसीटीवी कैमरे चैक किये तो पूरी घटना सीसीटीवी में आ गई। पुलिस ने होटल मालिक की रिपोर्ट पर धारा 427, 457, 504, 34 भा.द.स. मुकदमा दर्ज कर जांच कैलाश एससी को सुपुर्द की है।

सांसद भागीरथ चौधरी ने केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात की

सांसद भागीरथ चौधरी ने क्षेत्र के विकास कार्यों की रखी मांग

अजमेर, (कासं)। लोकसभा में अजमेर सांसद भागीरथ चौधरी ने केंद्रीय सड़क एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी से मिलकर संसदीय क्षेत्र के महत्वपूर्ण कार्यों को ले कर चर्चा की और इन महत्वपूर्ण कार्यो की शिघ्र स्वीकृति की मांग सड़क परिवहन मंत्री से की। सांसद चौधरी ने इस सम्बंध में केंद्रीय मंत्री को लिखित पत्र भी प्रेषित किये है।

चौधरी ने सिलोरा, श्रीनगर, दिलवाड़ा, बान्दनवाड़ा एवं संजयनगर, बरल द्वितीय में निर्माणाधीन हाईवे पर ग्रामवासियों की मांग पर जनहित में नवीन ओवरब्रीज एवं आरीवाल पुलिया निर्माण , फ्लाईओवर की आवश्यकता से केंद्रीय मंत्री को अवगत कराया , और इसी वितीय वर्ष में उनकी स्वीकृति हेतु आठाह किया।

अजमेर सांसद भागीरथ चौधरी ने केंद्रीय सड़क एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी से मिलकर लिखित पत्र सौंपा।

सांसद भागीरथ चौधरी ने बताया कि अजमेर पुष्कर टनल की मांग काफी समय से पत्रों के माध्यम से रखी जा रही थी आज उनसे व्यक्तिश: मिल कर अजमेर पुष्कर सड़क मार्ग के मध्य स्थित पुष्कर घाटी में टनल निर्माण की आवश्यकता बताई।

राष्ट्रीय राजमार्ग-8 बान्दरसिन्दरी से राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय तक सर्विस एप्रोच रोड के निर्माण के लिए चालू वित्तीय स्वीकृति जारी कराने और किशनगढ़ से हनुमानगढ़ तक मेगा हाईवे को चालू बजट वर्ष 2023-24 में राष्ट्रीय राजमार्ग घोषित कर विकसित कराने , स्टेट हाइवे संख्या 2 दौसा दूदू-नागौर को बजट वर्ष 2023-24 में राष्ट्रीय राजमार्ग में क्रमोन्नत करने बाबत् एवं स्टेट हाइवे संख्या 26 नसीराबाद-केकड़ी-देवली को चालू बजट वर्ष 2023-24 में राष्ट्रीय राजमार्ग में क्रमोन्नत करने का आठाह भी अजमेर सांसद ने केंद्रीय मंत्री से किया , इस पर सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने सभी मांगो पर सकारात्मक कार्यवाही का आश्वासन दिया।

नैक्सा एवरग्रीन के खिलाफ एक और केस दर्ज

जोधपुर, (कासं)। निवेश के नाम पर बड़ा मुनाफा देने का प्रलोभन देने वाली गुजरात के अहमदाबाद की नैक्स एवरग्रीन के खिलाफ एक और केस फाइल हुआ है। जोधपुर के पीड़ित से 17 लाख की ठगी होना बताया गया है। पीड़ित ने अदालत की शरण लेकर उदयमंदिर थाने में धोखाधड़ी में केस दर्ज करवाया है। मूलत: मेलावास बावड़ी हाल राइका बाग कांकरिया सदन निवासी मांगूसिंह की तरफ से केस दर्ज करवाया गया है। इसमें उन्होंने पुलिस को बताया कि उसने जनवरी 23 में नैक्सा एवरग्रीन धोलेरा गुजरात की कंपनी से संपर्क किया था। कंपनी ने प्रति मंगलवार को लाभांश देने का वादा कर उससे 17 लाख का निवेश करवाया। मगर बाद में ना तो मुनाफा दिया गया और ना ही रकम लौटाई गई। कंपनी प्रतिनिधियों ने उससे 17 लाख ऐंठ लिए। उदयमंदिर पुलिस ने इस बारे में अब नैक्सा एवरग्रीन के प्रतिनिधियों, प्रबंधक, सुभाष बिजारनिया, रणवीर बिजारनिया, बीरबल आदि के खिलाफ केस दर्ज किया है।

11 साल से फरार चल रहे स्थाई वारंटी को दबोचा

मंडावा, (निसं)। जमीन पर कब्जा करने के प्रयास मामले मे 11 साल से फरार चल रहे स्थाई वारंटी बलजीत सिंह को पुलिस ने बुधवार को सुबह गिरफ्तार किया। थानाधिकारी सुरेश कुमार रोलन ने बताया कि एसपी श्याम सिंह के निर्देशन व डिप्टी ग्रामीण रोहिताश देवेंदा के सुपरविजन में गठित टीम ने वारंटी को पकड़ने में सफलता हासिल की।

मंडावा थानाधिकारी सुरेश कुमार रोलन के नेतृत्व में गठित टीम में शामिल एएसआई सज्जन सिंह मीणा, कॉन्स्टेबल मुल्तानाराम, पपेंद्र सिंह, सुरेंद्र कुमार ने बुधवार को वर्ष 2012 के एक मामले में फरार चल रहे स्थाई वारंटी बलजीत सिंह पुत्र शिवनाथ सिंह को उसके गांव दिसनाऊ, थाना बलारा जिला सीकर से गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की। वारंटी बलजीत सिंह के खिलाफ न्यायिक मजिस्ट्रेट झुंझुनू द्वारा स्थाई गिरफ्तारी वारंट जारी किया हुआ था। पुलिस को काफी समय से इस आरोपी की तलाश थी। जब कभी घर आता तो रात्रि में आता और सुबह जल्दी गायब हो जाता लेकिन इस बार पुलिस के मजबूत मुखबिर तंत्र के चलते मंडावा पुलिस की टीम से नहीं बच पाया और भागने से पहले ही उसको दबोच लिया गया।

उपचार के दौरान एक की मौत

सादुलपुर, (निसं)। सिद्धमुख थाने के गांव चेनपुरा बडा की रोही में अपने खेत की फसल में दवा का छिड़काव करते समय चेनपुरा बडा निवासी एक युवक की जहरीली दवा के प्रभाव से उपचार के दौरान मौत हो गई। सिद्धमुख थानाधिकारी जय कुमार ने बताया कि सुमेर सिंह पुत्र राजेन्द्र सिंह राजपूत उम्र 50 साल निवासी चेनपुरा बडा ने सिद्धमुख थान में इस आरोप का मामला दर्ज करवाया है कि उसका पुत्र संदीप सिंह एक अगस्त को उनके खेत में फसल में दवा का छिड़काव कर रहा था। इसी दौरान जहरीली दवा के प्रभाव से वह बेहोश हो गया।

फौजी ने ही पत्नी और मासूम की हत्या कर जलाया था

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर में गत 30 जुलाई (रविवार) को आर्मी एरिया में सेना के एक जवान ने ही पत्नी और दो साल की मासूम की हत्या कर जला दिया था। अपने आप को कानून से बचाने के लिए वह पुलिस को गुमराह कर करंट लगने की झूठी कहानी बनाता रहा।

मंगलवार को हुए पोस्टमार्टम रिपोर्ट से आरोपी की हैवानियत का पता लगा। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि पहले उसने पत्नी को गला घोंट कर मार डाला था। इससे पहले दोनों ने शराब भी पी थी। हालांकि, आरोपी सेना का जवान रामप्रसाद अब भी पुलिस को हत्या का कारण नहीं बता रहा है। वह केवल एक ही बात दोहरा रहा है कि शराब के नशे में उसने ऐसा कर दिया था। रामप्रसाद से लंबी पूछताछ के बाद भी पुलिस हत्या के कारणों का खुलासा नहीं कर पाई है। वह लगातार बयान बदल रहा है। पुलिस पूछताछ में रामप्रसाद ने बताया था कि हत्या से पहले उसने और पत्नी रुक्मीना (25) ने साथ में शराब पी थी। प्रारंभिक जानकारी में सामने आया कि पत्नी और 2 साल की बेटी रिद्धिमा को पहले आरोपी ने गला घोंटकर मारा और फिर एक से डेढ़ घंटे बाद दोनों को जलाया।

पुलिस को गुमराह करने के लिए पेट्रोल डालकर बच्ची और पत्नी के हाथ-पैर अच्छे से जलाए, जिससे लगे कि वो इलेक्ट्रिक शॉक से जलकर मरी हैं। इतना ही नहीं दोनों को जलाने के बाद रामप्रसाद ने वहां कूलर के तार को भी जलाया, ताकि मौके पर शॉर्ट सर्किट जैसा लगे। आरपीएस मीनाक्षी ने बताया कि घटना के तीन दिन बाद मंगलवार को महिला के माता-पिता और बहन और परिजन जोधपुर पहुंचे। महिला और बच्चे का आर्मी, पुलिस और परिजनों की मौजूदगी में मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम कराया गया। इसके बाद शव परिजनों को सौंप दिया।

लाखों रुपए हड़पने का आरोप

भीलवाड़ा, (निसं)। सुभाष नगर थाना क्षेत्र के विजय सिंह पथिक नगर की एक महिला ने अपने सास-ससुर पर करीब 48 से 50 लाख रुपये हड़प लेने का आरोप लगाया है। यह राशि परिवादिया के एमआर पति की मौत के बाद शिप्ला कंपनी से मृत्यु उपरांत होने वाले परिलाभ व बीमा राशि करीब 48 से 50 लाख रूपये प्राप्त कर हड़प लिये। रचना ने रिपोर्ट में आरोप लगाया कि उसके पीहर में रहने के दौरान ही ससुर व सास ने उसके फर्जी हस्ताक्षर और शपथ पत्र तैयार करवाकर शिप्ला कंपनी को पेश कर पति के नाम से मोटी रकम क्लेम पास करवाकर हड़प गये। परिवादिया ने रोकने की कोशिश की तो ससुर ने उसके साथ मारपीट की। पुलिस ने रचना की रिपोर्ट पर अपराध धारा 406, 420, 323, 341, 120 बी आईपीसी के तहत केस दर्ज कर लिया।

पुलिस ने बताया कि विजय सिंह पथिक नगर निवासी रचना सुवालका पत्नी स्व. निलेश सुवालका ने सुभाषनगर थाने में दी रिपोर्ट में बताया कि उसके पति का 25 जनवरी 23 को स्वर्गवास हो चुका है। वे, शिप्ला कंपनी में एमआर के पद पर कार्यरत थे। रचना का आरोप है कि उसके पति की मृत्यु के बाद ससुर कृष्ण गोपाल व सास मंजू देवी ने आपस में सांठगांठ कर सही तथ्य छुपा कर परिवादिया के फर्जी व जाली हस्ताक्षर करते हुए शिप्ला कंपनी से मृत्यु उपरांत होने वाले परिलाभ व बीमा राशि करीब 48 से 50 लाख रूपये प्राप्त कर हड़प लिये। रचना ने रिपोर्ट में आरोप लगाया कि उसके पीहर में रहने के दौरान ही ससुर व सास ने उसके फर्जी हस्ताक्षर और शपथ पत्र तैयार करवाकर शिप्ला कंपनी को पेश कर पति के नाम से मोटी रकम क्लेम पास करवाकर हड़प गये। परिवादिया ने रोकने की कोशिश की तो ससुर ने उसके साथ मारपीट की। पुलिस ने रचना की रिपोर्ट पर अपराध धारा 406, 420, 323, 341, 120 बी आईपीसी के तहत केस दर्ज कर लिया।

जिला शिक्षा अधिकारी ने पांच सरकारी विद्यालयों का निरीक्षण किया

शाहपुरा, (निसं)। भीलवाड़ा जिला शिक्षा अधिकारी महावीर कुमार शर्मा ने बुधवार को शाहपुरा क्षेत्र के 5 सरकारी विद्यालयों का औचक निरीक्षण किया। सीडीईओ शर्मा ने क्षेत्र के राउप्रावि रघुनाथपुरा, राउप्रावि कलिंजरी, राउमावि माताजी का खेड़ा, राउप्रावि अटाली का खेड़ा व स्वामी विवेकानंद राजकीय मॉडल स्कूल शाहपुरा का निरीक्षण कर स्थिति की जानकारी ली। यहां इन्होंने नवप्रवेशित बच्चों की स्थिति, शिक्षण अधिगम प्रक्रिया व पोषाहार के स्तर को जांचा तथा साफ सफाई व्यवस्था व शिक्षकों की कमी को देखकर रिपोर्ट तैयार की। राजकीय मॉडल स्कूल शाहपुरा में शर्मा ने कक्षा-कक्षों में विद्यार्थियों से सीधा संवाद भी किया। यहां इन्होंने कंप्यूटर कक्ष में विद्यार्थियों से कंप्यूटर के बारे में सवाल जवाब भी किए। सभी विद्यालयों में शर्मा ने नामांकन बढ़ाने पर जोर दिया।

शर्मा ने बुधवार को शाहपुरा ब्लॉक में राउप्रा विद्यालय रघुनाथपुरा (मिंडोलिया) का आकस्मिक निरीक्षण किया। सीडीईओ शर्मा जब विद्यालय पहुंचे तब लंच टाइम चल रहा था और बच्चे पोषाहार खा रहे थे। सीडीईओ ने पोषाहार में मीनू के अनुसार बनाई गई दाल रोटी मंगवा कर अवलोकन किया। शर्मा ने विद्यालय नामांकन की जानकारी लेकर नामांकन बढ़ाने पर जोर दिया। सीडीईओ ने विद्यालय में संचालित विभिन्न योजनाओं दुग्ध वितरण, पुस्तकालय, एबीएल किट, निशुल्क पाठ्य पुस्तक वितरण, सेनेटरी नैपकिन इत्यादि के बारे में विस्तार से जानकारी ली। शर्मा ने कक्षा आठ के बच्चों का शैक्षिणक स्तर भी जांचा, बच्चों से प्रश्न उत्तर किए और संतोष जाहिर किया। पेयजल व्यवस्था के बारे में भी जानकारी ली। बरसात के मौसम में विद्यालय आंगन में उग चुकी खरपतवार को साफ करवाने के निर्देश प्रदान किए।

बीस अपराधी गिरफ्तार

कोटपूतली पुलिस की गिरफ्त में आरोपी।

कोटपूतली, (निसं)। पुलिस मुख्यालय के निर्देश पर प्रदेश भर में चलाये जा रहे अभियान के तहत जयपुर ग्रामीण पुलिस अधीक्षक डॉ. राजीव पचार के निर्देशन व कोटपूतली-बहरोड़ जिले की पुलिस ओएसडी रंजिता शर्मा के सुपरविजन में कोटपूतली सीओ सर्किल में एएसपी विधा प्रकाश व डीएसपी मदन लाल जैफ के नेतृत्व में हार्डकोर व हिस्ट्रीशीटर अपराधियों, विभिन्न प्रकरणों में वांछित अभियुक्तों, स्टेडिंग वारन्टियों, असामाजिक तत्वों व अपराधियों को सोशियल मीडिया पर लाईक, शेयर व फॉलो करने वाले बदमाशों के साथ-साथ लूट, डकैती, चोरी, नकबजनी, फायरिंग व विभिन्न मामलों में वांछित अपराधियों के विरूद्ध विशेष अभियान धरपकड़ निरन्तर जारी है।

बुधवार को कोटपूतली पुलिस की टीम ने एसएचओ राजेश कुमार शर्मा के नेतृत्व में विभिन्न स्थानों पर दबिश देकर आबकारी अधिनियम के तहत दो प्रकरण दर्ज करते हुए पुलिस ने आबकारी अधिनियम के तहत अशोक, विक्रम सिंह को गिरफ्तार किया। वहीं हिस्ट्रीशीटर अपराधी अशोक एवं टीटू उर्फ लालाराम को गिरफ्तार किया है। इसी प्रकार शक्तिमान, राजू (35) पुत्र रामसिंह सैनी, शंकर लाल, राजू (25) पुत्र मंगनाराम बावरिया, इन्द्र, धर्मवीर, विक्रम, रामकरण, बाबूलाल, लीलाराम, कन्हैया लाल, सत्यपाल, विनोद, कमल, राकेश, अंकित को गिरफ्तार किया है।

पंचायत समिति कार्यालय के मुख्य दरवाजे पर एकत्रित गंदे पानी से परेशानी

बीडीओ शर्मिला छल्लाणी का दर्द छलका, ना एसडीएम सुनते ना ही कलैक्टर

चूरू, (कासं)। चूरू पंचायत समिति कार्यालय के मुख्य दरवाजे पर एकत्रित गंदा पानी कर्मचारियों सहित आमजन के लिए जी का जंजाल बना हुआ है। इस संबंध में आज विकास अधिकारी शर्मिला छल्लाणी ने एक भेंट वार्ता में कहा कि यहां एकत्रित पानी की समस्या का समाधान करवाने के लिए एसडीएम और कलैक्टर को लिखित में अवगत करवा दिया है। उसके बाद भी नगरपरिषद द्वारा समस्या का समाधान नहीं किया जा रह है।

विकास अधिकारी शर्मिला छल्लाणी ने कहा कि आज फिर से पत्र लिखकर समस्या का समाधान करवाएंगे। यहां एक अन्य कर्मचारी ने कहा कि नगरपरिषद कोई सुनवाई ही नहीं कर रही है। इसी प्रकार यहां दुकान आंवटित करने के नाम पर सरकार को हुए राजस्व के नुकसान के बारे में विकास अधिकारी ने कहा कि एक मानवीय भूल के कारण दुकानों के आंवटन की विज्ञप्ति को रद्द किया गया है जो विज्ञप्ति जारी की गई थी, उसमें कई कमियां रह गई थी। अब पुन: विज्ञप्ति जारी की जावेगी। यहां विज्ञप्ति जारी करने और उसको निरस्त करने के नाम पर सरकार को राजस्व का घाटा तो हुआ है। यहां लोगों ने कहा कि पंचायत समिति वाले अपने चहेतों को ही गुपचुप में दुकान आंवटित करवाना चाहते थे। बड़ी संख्या में आवेदन आने के कारण उनकी योजना सफल नहीं हो सकी। इस कारण दुकान आंवटन के कार्य को ही निरस्त कर दिया गया है।

इस संबंध में विकास अधिकारी छल्लाणी ने कहा कि सरकार को जो घाटा हुआ है, उसे वो अपनी तनख्वा से भर देंगी। इसी प्रकार गत दिनों पंचायत समिति में दिव्यांगों के लिए लगाए गए शिविर में व्याप्त अनियमितताओं के संबंध में उन्होंने कहा कि खुद मैंने बारह बजे चिकित्सक को फोन करके यहां बुलाया था।

कुल मिलाकर यहां प्रशासन की सतर्कता की पोल खुलकर सामने आ रही है। क्योंकि यहां उच्च अधिकारी बिलकुल भी ध्यान नहीं दे रहे हैं। वे और ही किसी उधेड़बुन में लगे रहते हैं। आमजन की परेशानी से उन्हें कोई मतलब नहीं है। उनका सिट्टा तो सिक ही रहा है।

चूरू पंचायत समिति कार्यालय के मुख्य दरवाजे पर एकत्रित गंदा पानी जी का जंजाल बना हुआ है।

- दुकान आंवटित करने के नाम पर सरकार को किया राजस्व का नुकसान
- अपने चहेतों को ही गुपचुप में दुकान आंवटित करवाना चाहते थे

प्रदेश में हुए अलग-अलग हादसों में छह की मौत

करौली में हुये हादसे में एक किशोरी घायल हो गई, वहीं भीलवाड़ा में घायलों को राजकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया

कार-ट्रक में भिड़ंत, तीन युवकों की मौत

एक किशोरी घायल, उपचार कर जयपुर रैफर किया

करौली, (निसं)। करौली-सरमथुरा सड़क मार्ग स्थित एनएच-23 मचानी गांव के पास एक ट्रक और कार में जोरदार भिड़ंत हो गई जिसमें कार सवार तीन युवकों की मौत हो गई, जबकि एक किशोरी घायल हो गई। मृतकों के शव करौली सामान्य चिकित्सालय लाये गये। जहां पोस्टमार्टम कर शव परिवार जनों के सुपुर्द कर दिये एवं घायल बालिका का उपचार कर जयपुर रैफर कर दिया। मासलपुर थाना पुलिस मामला दर्ज कर जांच में जुटी है।

- **प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार किसी जानवर को बचाने के प्रयास में दुर्घटना होने की बात सामने आई है**

करौली के निकट मचानी गांव के पास दुर्घटना के बाद क्षतिग्रस्त कार।

मासलपुर थाने के एएसआई हरिसिंह ने बताया कि सरमथुरा निवासी शफीक खान पुत्र रफीक खान, छोटू उर्फ भोंगा पुत्र सोहनलाल निवासी डोमई, अमित पुत्र भगवान सिंह निवासी रोहर मासलपुर और एक बालिका कार से करौली की तरफ से कहीं जा रहे थे। इस दौरान एनएच-23 पर मचानी गांव के पास सरमथुरा की ओर से आ रहे एक तेज रफ्तार ट्रक ने कार को टक्कर मार दी। दुर्घटना में कार सवार तीनों युवक और एक किशोरी गंभीर रूप से घायल हो गई। घायलों को उपचार के लिए करौली सामान्य चिकित्सालय लाया गया जहां डॉक्टर ने जांच के बाद तीनों युवकों को मृत घोषित कर दिया। मृतकों के शव मोर्चरी में रखवाए जबकि घायल किशोरी राजकुमारी पुत्री नरेश मीणा निवासी कसारा का उपचार कर गंभीर अवस्था मे जयपुर अस्पताल के लिये रैफर कर दिया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार किसी जानवर को बचाने के प्रयास में दुर्घटना होने की बात सामने आई है दुर्घटना इतनी जबरदस्त थी कि कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। मृतकों के परिजनों को दुर्घटना की सूचना दी गई। सूचना पर मृतकों के परिजन करौली पहुंचे जहा परिजनों में रुदन मच गया मृतकों का पोस्टमार्टम करा कर शव परिजनो के सुपुर्द कर दिये पुलिस मामले की जांच कर रही है।

दुर्घटना की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ अस्पताल में जमा हो गई करौली कोतवाली पुलिस भी मौके पर पहुंची और भीड़ नियंत्रण के लिए तैनात रही दुर्घटना के बाद चालक ट्रक छोड़कर मौके से फरार हो गया। पुलिस ने ट्रक को जब्त कर लिया है और चालक की तलाश में जुटी है। वहीं दुर्घटना के बाद घायल व मृतकों के किसी भी परिजन ने पुलिस मे मुकदमा दर्ज नहीं कराया ना ही घायल बालिका के कोई पर्चा बयान दर्ज हुए है क्योकि बालिका की स्थिति गंभीर बनी हुई है।

सुरपुरा बांध की डिग्गी में नहाने गये तीन छात्राओं की डूबने से मौत

तीनों छात्र 11वीं कक्षा में पढ़ते थे जो महात्मा गांधी इंग्लिश मीडियम चैनपुरा में अध्ययनरत थे

जोधपुर, (कासं)। शहर के निकट सुरपुरा बांध की डिग्गी में नहाने के लिए तीन छात्र बुधवार सुबह स्कूल ना जाकर वहां पहुंच गए। पानी में डूबने से उनकी दर्दनाक मौत हो गई। सूचना पर जिला कलेक्टर, डीसीपी पूर्व भी वहां पहुंचे। देर शाम तक तीनों छात्रों के शव पानी से बाहर निकाले जा सके। शवों को पुलिस ने एमजीएच की मोर्चरी में रखवाया है।

- **जिला कलेक्टर, डीसीपी पूर्व मौके पहुंचे, गोताखोर सिविल डिफेंस की टीम ने शव निकाले**
- **तीनों छात्र बुधवार सुबह स्कूल ना जाकर सुरपुरा बांध की डिग्गी में पहुंच गए थे**

एसीपी मंडोर पीयूष कविया ने बताया कि आज सुबह सूचना मिली कि सुरपुरा बांध की डिग्गी में डूबने से तीन छात्रों की मौत हो गई है। इस पर मंडोर पुलिस थानाधिकारी ईश्वरचंद पारिक आदि वहां पहुंचे। मौका स्थल पर दो साइकिलें मिलीं, साथ ही बांध के किनारे जूते, चप्पल, जुराबों के साथ उनके स्कूली बैग पड़े थे। मगर बच्चे नजर नहीं आए। इस पर गोताखोरों को सूचना देकर बुलाया गया। शाम तक सिविल डिफेंस, एसडीआरएफ और मालवीय बंधुओं की टीमों ने मिलकर तीनों छात्रों के शवों को बाहर निकाला।

शवों को देखकर मृतकों के परिजन बिलख पड़े। लोगों ने उन्हें ढांढस बंधाया। एसीपी कविया ने बताया कि मृतकों की पहचान कुसुम विहार गणेश होटल के पास महामंदिर निवासी 18 साल के जयसिंह माली, रामेश्वरनगर, गुजराबास 16 साल के स्वरूपसिंह एवं माता का थान स्थित राव वाला बेरा मगरापूंजला निवासी गौतम माली के रूप में की गई। तीनों मित्र 11 वीं के छात्र थे।

पुलिस निरीक्षक ईश्वरचंद पारिक ने बताया कि तीनों छात्र 11वीं कक्षा में पढ़ते थे। यह लोग महात्मा गांधी इंग्लिश मिडियम चैनपुरा में अध्ययनरत थे।

बाद में सूचना पर बच्चों के परिजन भी वहां पहुंच गए। क्षेत्र के लोगों ने घटना के बारे में सुना तो हड़कंप मच गया। घटना स्थल पर लोगों का जमावड़ा लग गया। बच्चों के पानी में डूबने की सूचना पर जिला कलेक्टर हिमांशु गुप्ता, पुलिस उपायुक्त पूर्व डॉ. अमृता दुहन आदि वहां पहुंचे। उन्होंने आवश्यक दिशा निर्देश के बाद शवों को एमजीएच की मोर्चरी पर भिजवया। अग्रिम कार्रवाई गुरूवार को की जाएगी।

कार पेड़ से टकराई, सात गंभीर घायल

पण्डेर सरपंच पति ने अपनी निजी कार से घायलों को अस्पताल पहुंचाया

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के जहाजपुर उपखंड क्षेत्र के पंडेर थाना इलाके के भोपालपुरा गांव में असंतुलित होकर कार पेड़ से जा टकराई जिसमें कार में सवार सभी लोग गंभीर घायल हो गए। वहीं सूचना पर पण्डेर सरपंच पति ममता मुकेश जाट मौके पर पहुंचे और अपनी निजी कार से घायलों को राजकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे जहां घायलों का उपचार शुरू हुआ।

करौली के निकट मचानी गांव के पास दुर्घटना के बाद क्षतिग्रस्त कार।

पण्डेर थाना अधिकारी बलवीर खां ने जानकारी देते हुए बताया कि भोपालपुरा गांव के पास एक कार असंतुलित होकर पेड़ से टकरा गई और पलट गई, जिसमें करीब 7 जनों के घायल होने की सूचना मिली जिस पर पुलिस त्वरित प्रभाव से मौके पर पहुंची और गंभीर घायलों को राजकीय हॉस्पिटल पण्डेर पहुंचाया जहां घायलों का उपचार शुरू हुआ। वहीं गंभीर घायल होने पर सभी घायलों को भीलवाड़ा के लिए रेफर कर दिया गया। जहाजपुर से कनेछन कला तहसील फुलिया में आज जयगुरुदेव संगत के राष्ट्रीय अध्यक्ष पंकज महाराज के सत्संग के लिए प्रदेश अध्यक्ष विष्णु सोनी के साथ संगत के लोग कार में सवार होकर जा रहे थे कि बीच रास्ते में ही कार असंतुलित होकर पेड़ से जा टकराई और पलट गई जिसमें प्रदेश अध्यक्ष विष्णु सोनी, प्रकाश खटीक पिता नंदलाल खटीक निवासी आमल्दा, सांवरा लखारा पिता गोपाल लखारा निवासी जहाजपुर, राजेश माली पिता गोपाल माली निवासी पण्डेर, रामधनी पत्नी गोपाल माली निवासी पण्डेर, मोहन लाल पिता जयराम निवासी बाड़मेर, हिलीयसिह पिता सालूराम झुन्झुनू गंभीर घायल हो गए।

वहीं गंभीर घायल होने पर सभी घायलों को भीलवाड़ा के लिए रेफर कर दिया गया। ग्रामीणों का कहना है कि दुर्घटना के बाद लोगों ने जहाजपुर, शाहपुरा व पण्डेर 108 को काफी देर तक फोन लगाया। लेकिन कोई भी 108 मौके पर नहीं पहुंची बाद सभी घायलों को निजी वाहन से ले जाया गया। वहीं दुर्घटना में घायल हुए कुछ लोगों के हाथ व पैर में फ्रैक्चर हो गया था जिसके बाद पण्डेर चिकित्सा कर्मियों ने घायलों के फ्रैक्चर पर पट्टीयां बाधकर रेफर कर दिया, जिसके चलते चिकित्सा कर्मियों की लापरवाही सामने नजर आती हुई दिखाई दी।

प्राचीन गणेश मंदिर के तालाब में डूबने से बालिका की मौत

परिवार के साथ विराटनगर स्थित प्राचीन गणेश मंदिर में घूमने आए थे

पावटा, (निसं)। मंगलवार रात विराटनगर नगरपालिका क्षेत्र के प्राचीन गणेश मंदिर परिसर क्षेत्र में बने तालाब में डूबने से एक बालिका की मौत हो गई। मनोहरपुर निवासी विक्रम सिंह ने बताया कि अपने परिवार के साथ विराटनगर स्थित प्राचीन गणेश मंदिर में घूमने के लिए आए थे। वहीं उनके साथ आई नौ वर्षीय बालिका अन्नू वाहन में सो रही थी।

- **मंदिर में जाते समय रास्ता भटक कर मंदिर परिसर क्षेत्र में बने तालाब में जा गिरी**
- **तालाब पर सुरक्षा जाल नहीं होने के कारण हुआ हादसा**

प्राचीन गणेश मंदिर परिसर क्षेत्र में बने तालाब में डूबने से एक बालिका की मौत हो गई।

परिजन अन्नू को वाहन में सोता छोड़ दर्शन करने गणेश मंदिर चले गए। उनके जाने के बाद पीछे से अचानक बालिका की नींद खुल गई और गाड़ी से उतर कर मंदिर में जाते समय रास्ता भटक कर मंदिर परिसर क्षेत्र में बने तालाब में जा गिरी। वहीं परिजनों ने वापस आकर देखा तो बालिका अन्नू गाड़ी में नहीं थी। बालिका के गायब होने से आसपास हड़कंप मच गया। परिजनों द्वारा बालिका की तलाश व खोज की गई तो वह तालाब में डूबी हुई मिली। आनन-फानन में परिजनों द्वारा बालिका को तुरंत राजकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र विराटनगर ले जाया गया जहां चिकित्सकों ने बालिका को मृत घोषित कर दिया। वहीं विराट नगर थाना पुलिस द्वारा बालिका का शव पोस्टमार्टम कर परिजनों के सुपुर्द किया गया।

तालाब पर किसी प्रकार का कोई जाल या किसी तरह की कोई सुरक्षा का पुख्ता इंतज़ाम नहीं है। जिसके कारण पूर्व में भी तालाब में कई हादसे हो चुके हैं। ग्रामीणों ने तालाब पर जाल गिराने के लिए कई बार नगरपालिका को सूचित किया था। लेकिन नगरपालिका की लापरवाही के कारण एक बड़ा हादसा घटित हो गया व एक बच्ची ने अपनी जान गंवा दी।

आर.पी.एफ. के ए.एस.आई. का राजकीय सम्मान से अंतिम संस्कार

सवाईमाधोपुर, (निस)। जयपुर-मुम्बई ट्रेन में हुई फायरिंग की घटना के करीब 50 घंटे बाद आर.पी.एफ. के ए.एस.आई. टीकाराम मीणा का शव पश्चिम एक्सप्रेस ट्रेन से बुधवार को अल सुबह मुम्बई से सवाई माधोपुर रेलवे स्टेशन पहुंचा। जहां पहले से ही सैकड़ों ग्रामीण रेलवे स्टेशन पर मौजूद थे। पुलिस एंव आरपीएफ व जीआरपी के अधिकारीयों के साथ ही प्रशासनिक अधिकारी भी रेलवे स्टेशन पर मौजूद रहे।

- **जयपुर-मुंबई ट्रेन में आरपीएफ कांस्टेबल ने फायरिंग कर दी थी। इसमें तीन अन्य लोगों सहित एएसआई टीकाराम मीणा की मौत हो गई थी**

ट्रेन से शव उतारने के बाद रेलवे स्टेशन से एएसआई के पैतृक गांव श्यामपुरा तक शव यात्रा निकाली गई। जिसमें सैकड़ों ग्रामीण व स्थानीय जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। शव के गांव पहुंचने पर एएसआई टीकाराम मीणा के आवास पर अंतिम दर्शन के लिए उनका शव घर के आंगन में रखा गया।

इस दौरान मृतक टीकाराम मीणा को शहीद का दर्जा दिलाने सहित अन्य मांगों को लेकर ग्रामीण अपनी मांगों पर अड़ गए और प्रशासन को मांगें पूरी नहीं होने तक शव का अंतिम संस्कार नहीं करने की चेतावनी दे डाली। ग्रामीणों की सूचना पर सवाई माधोपुर एसडीएम कपिल शर्मा मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों से समझाइस की। इस दौरान अपनी मांगों को लेकर ग्रामीणों ने एसडीएम को ज्ञापन सौंपा। आरपीएफ अधिकारियों एंव एसडीएम के आश्वासन के बाद ग्रामीण शव का अंतिम संस्कार करने के लिए राजी हो गए।

शव को मुखाग्नि देने से पूर्व आरपीएफ व प्रशासनीक अधिकारियों द्वारा पुष्पचक्र अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। वहीं आरपीएफ द्वारा गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। जिसके बाद उनके पुत्र राजेन्द्र प्रसाद उर्फ दिलखुश द्वारा मुखाग्नि दी गई। गौरतलब है कि सोमवार को पालघर में जयपुर-मुंबई ट्रेन में आरपीएफ कांस्टेबल चेतन ने फायरिंग कर दी थी। फायरिंग की घटना में तीन अन्य लोगों सहित आरपीएफ एएसआई टीकाराम मीणा की मौत हो गई थी।

टेंट हाउस गोदाम से लाखों की चोरी

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के आसींद थाना क्षेत्र में तिलोली रोड़ स्थित एक टेंट हाउस गोदाम में घुसे चोर दो लाख रुपये कीमत की मशीनें चुरा ले गये। पुलिस ने टेंटा हाउस संचालक की रिपोर्ट पर केस दर्ज कर लिया। आसींद पुलिस के अनुसार, दौलतगढ़ निवासी पवन कुमार पुत्र लादूलाल नौलखा ने थाने में रिपोर्ट दी कि उसके टेंट गोदाम में चोरी गई मशीनों की कीमत 2 लाख रुपये है।

घी का नमूना जांच में फेल

भीलवाड़ा, (निसं)। प्रदेशभर में चल रहे शुद्ध के लिए युद्ध अभियान के तहत कृषि उपज मंडी में श्री राधे ट्रेडिंग से लिया गया घी का नमूना प्रयोग शाला जांच में फ़ेल होने के बाद उस बैच का माधवन ब्रांड का 329 लीटर घी सीज कर इस बैच के घी की बिक्री पर प्रतिबंध लगा दिया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मुस्ताक खान ने बताया कि शुद्ध के लिए युद्ध अभियान के तहत खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने 12 जुलाई को कृषि उपज मंडी स्थित श्री राधे ट्रेडिंग कम्पनी दुकान का निरीक्षण कर माधवन ब्रांड घी का नमूना लिया था। यह नमुना जन स्वास्थ्य प्रयोगशाला अजमेर भेजा गया था। इस नमूने की जांच रिपोर्ट स्वास्थ्य विभाग को मिल गई। घी का यह नमूना जांच में फ़ेल पाया गया। इसके चलते आज स्वास्थ्य विभाग की टीम दुबारा श्रीराधे ट्रेडिंग कंपनी की मंडी स्थित शॉप पर पहुंची और उसी बैच का 329 लीटर घी सीज कर दिया।

डॉक्टर को मिली बम से उड़ाने की धमकी

भीलवाड़ा, (निसं)। शहर के सुभाष नगर थाना क्षेत्र में स्थित एक निजी हॉस्पिटल के कन्सलटेंट फिजिशियन डॉक्टर नरेश खंडेलवाल के घर लैंडलाइन पर मिली बम से उड़ाने की धमकी भीलवाड़ा से ही दी गई थी। यह कॉल जिस मोबाइल सिम से की गई, वह सिम उत्तरप्रदेश के एक व्यक्ति के नाम से खरीदी गई थी। इस खुलासे के बाद पुलिस की टीम उत्तरप्रदेश भेजी जायेगी, जो उस व्यक्ति से पूछताछ करेगी, जिसके नाम से यह सिम खरीदी गई।

- **लैंडलाइन पर मिली बम से उड़ाने की धमकी भीलवाड़ा से ही दी गई थी**
- **कॉल जिस मोबाइल सिम से की गई, वह सिम उत्तरप्रदेश के एक व्यक्ति के नाम से खरीदी गई थी**

जानकारी के अनुसार आरसी व्यास कॉलोनी निवासी डॉ. नरेश खण्डेवाल के घर लैंडलाइन फोन पर मंगलवार दोपहर एक कॉल आया। कॉल, डॉक्टर खंडेलवाल की पत्नी ने उठाया। कॉल करने वाले अज्ञात व्यक्ति ने कहा कि डॉ. नरेश खण्डेवाल के घर पर बम लगाया हुआ है। उसने धमकी दी कि शाम 5 बजे तक 50 लाख रुपये नहीं पहुंचाये तो घर को बम से उड़ा दिया जायेगा। यह सुनकर डॉक्टर की पत्नी ने कॉल डिस्कनेक्ट कर दी। इसके पश्चात भी 4-5 कॉल लैंडलाईन पर आये, लेकिन डॉक्टर की पत्नी ने कॉल रिसीव नहीं की। डॉक्टर खंडेलवाल ने सुभाषनगर थाने में अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ केस दर्ज करवाया।

बम तलाशने के लिए अजमेर से बम निरोधक दस्ता व डॉग स्क्वायड टीम को यहां बुलाया गया, जिसने देर रात तक डॉक्टर के घर जांच की, लेकिन कोई बम नहीं मिला। मामले की जांच के लिए पुलिस की दो टीमें गठित की। ये टीमें धमकी देने वाले व्यक्ति तक पहुंचने के लिए पड़ताल कर रही है। इस बीच, पुलिस ने उस मोबाइल नंबर का पता लगा लिया, जिस नंबर से डॉक्टर के घर धमकी भरा कॉल किया गया।

यह मोबाइल नंबर उत्तरप्रदेश के सीतापुर क्षेत्र के किसी व्यक्ति नाम से जारी हुआ है। वहीं यह बात भी सामने आई कि धमकी भरी कॉल भीमगंज थाना सर्किल से की गई थी। पुलिस सूत्रों का कहना है कि इस कॉल के बाद उक्त अज्ञात व्यक्ति ने इस नंबर का उपयोग बंद कर दिया। पुलिस अब जांच के लिए उत्तरप्रदेश भेजी जायेगी, जो उस व्यक्ति का पता लगाकर उससे मोबाइल सिम के बारे में पूछताछ करेगी। पुलिस का कहना है कि अब तक कॉल करने वाले व्यक्ति का पता नहीं चल पाया है।

बृज कोसी परिक्रमा पर हमले के विरोध में प्रदर्शन

विश्व हिंदू परिषद व बजरंग दल द्वारा आतंकवाद का पूतला फूंका गया

सुजानगढ़ में विहिप व बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने आतंकवाद का पूतला फूंका।

सुजानगढ़, (निसं)। हरियाणा के नूंह में बृज कोसी परिक्रमा पर हुए हमले के विरोध में विश्व हिंदू परिषद व बजरंग दल द्वारा विरोध प्रदर्शन करते हुए गणेश मंदिर चौराहे पर आतंकवाद का पूतला फूंका गया। प्रदर्शन के दौरान जमकर नारेबाजी करते हुए विहिप कार्यकर्ताओं ने इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृति पर रोक लगाने तथा हमलावरों को गिरफ्तार करने की मांग की।

इस दौरान जिला संयोजक मोहित बोचीवाल, विहिप जिलाध्यक्ष सुभाष पारीक, विभाग धर्म प्रसार प्रमुख नरेंद्र भाटी, सुजानगढ़ अध्यक्ष मनोहर काछवाल, मंत्री दिनेश नाई, ग्रामीण अध्यक्ष कालूराम, सहमंत्री प्रभुराम, अरविंद सोनी, विमल गोदारा, छापर खंड अध्यक्ष सुरेंद्र सैन, मंत्री राधेश्याम मुंधडा, शुभम सैन, महेश जाट, दिव्यांशु, करनी सिंह, छात्रसंघ उपाध्यक्ष रामचंद्र प्रजापत, कमल टाक, हिमांशु भाटी, राहुल भाटी सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कामां एवं पहाड़ी तहसील में धारा 144 लागू

भरतपुर, (निसं)। जिला मजिस्ट्रेट एवं कलेक्टर लोक बंधु ने आदेश जारी कर हरियाणा राज्य के नूंह मेवात जिले में ब्रज मण्डल यात्रा के दौरान आगजनी, लूटपाट व पत्थरबाजी से कानून व्यवस्था बिगड़ने के मद्देनजर नूंह मेवात के समीपवर्ती जिले की तहसील कामां, पहाड़ी में शांन्ति एवं कानून व्यवस्था बनाये रखने एवं जानमाल की सुरक्षा किये जाने के लिए दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 144 के तहत कामां एवं पहाडी तहसील में निषेधाज्ञा लागू की। जिला मजिस्ट्रेट लोक बंधु ने बताया कि जिले की तहसील कामां एवं पहाड़ी में किसी भी प्रकार के जुलूस, रैली इत्यादि बिना अनुमति के प्रतिबंधित रहेगी। सभी प्रकार के भीड़-भाड़ वाले सार्वजनिक एवं धार्मिक समारोह के आयोजन से पूर्व संबंधित मजिस्ट्रेट से अनुमति लेना अनिवार्य है। उक्त निषेधाज्ञा पूर्व में चल रही धार्मिक यात्राओं, ब्रज चौरासी कोस परिक्रमा तथा शहरी एवं ग्रामीण ओलम्पिक एवं अन्य राजकीय आयोजनों पर लागू नहीं होंगी।

संक्षिप्त

खैरथल में सुरक्षा बल तैनात

खैरथल, (निसं)। पड़ोसी प्रांत हरियाणा के नुहू में ब्रजमंडल यात्रा के दौरान उपजे तनाव के हालात के मद्देनजर खैरथल क्षेत्र में भी सुरक्षा बल तैनात किया गया है। इस के अलावा खुफिया तंत्र व मुखबिरों को अलर्ट कर दिया गया है। भिवाड़ी पुलिस जिला के एसपी विकास कुमार के निर्देशानुसार खैरथल किशनगढ़ बास में आरएसी की एक एक बटालियन लगाई गई है। डीएसपी जयप्रकाश बेनीवाल ने बताया कि एसपी के निर्देशानुसार खैरथल में बहरोड से आईआरएसी की नवी बटालियन को लगाया गया है जबकि किशनगढ़ बास में जयपुर से आई आर ए सी की बटालियन को लगाया गया है एक बटालियन में 100 जवान व 25 पुलिसअधिकारी तैनात हैं।

31 लोगों को पट्टे दिए

निवाई, (निसं)। स्थानीय नगरपालिका में बुधवार को पट्टा वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें नगरपालिका अध्यक्ष दिलीप इसरानी एवं अधिशाषी अधिकारी महिमा डांगी द्वारा पट्टे वितरित किए गए। नगरपालिका अध्यक्ष दिलीप इसरानी ने कहा कि, सरकार की मंशा है कि प्रत्येक व्यक्ति को मालिकाना हक मिले। उन्होंने आव्हान करते हुए कहा कि नगरपालिका के सभी वार्डों के लोग अधिक से अधिक पट्टे बनवाएं। नगरपालिका द्वारा शहर के चहुंमुखी विकास में कोई कसर नहीं छोडी जाएगी। इसको लेकर सभी पार्षद एवं कर्मचारी टीम भावना से कार्य कर रहे हैं। अधिशाषी अधिकारी महिमा डांगी ने बताया कि 31 लोगों को पट्टे दिये गये हैं।

फरार आरोपी गिरफ्तार

फागी, (निसं)। पोक्सो एक्ट में सात माह से फरार चल रहे आरोपी को फागी थाना पुलिस ने गिरफ्तार किया है। थानाधिकारी भंवर लाल वैश्णव ने बताया कि पोक्सो एक्ट के मामले में पीड़िता को सूरत गुजरात से दस्तयाब किया था। वहीं आरोपी मनीष उर्फ कालू पुत्र प्रेम चन्द बैरवा निवासी नीमेडा फागी को गिरफ्तार कर प्रकरण में अनुसंधान जारी है।

चौरु में लोक देवता घास भैरु की सवारी निकाली

उनियारा/चौरु, (निसं)। उनियारा उपखण्ड क्षेत्र के चौरु कस्बे में लोक देवता घास भैरू की सवारी निकाली गई। मान्यता है कि इनकी सवारी निकालने से क्षेत्र में बीमारियां नहीं फैलती हैं और अच्छी बारिश होती है, जिससे फसलें लहलहाने लगती हैं।

माना जाता है कि इससे घास भैरू इंद्र देव के पास जाकर बारिश करवाते हैं। इस दौरान बालाजी मंदिर व कंकाली माता मंदिर से रवाना होते हुए देलवाल परिसर में मुख्य रोड से होते वापिस बालाजी मंदिर के पास गांव पैरों की सवारी पहुंच जाती है की सवारी निकालते हुए बस जो कस्बे के प्रमुख मार्गों से होकर गुजरती हुई अपने गन्तव्य पहुंचकर सम्पन्न हुई। सवारी के दौरान युवा घास भैरू को आसन पर विराजमान कर रस्सियों पर जोर लगाते और जयकारे लगाते नजर आए। सवारी घरों के सामने से गुजरी तो लोगों ने अगरबत्ती जलाकर और तेल, प्रसाद आदि अर्पण कर पूजा की। इस मौके पर ग्रामीण अपने घरों में बीमारियों से बचाव के लिए मिट्टी दरवाजों पर लगाते नजर आए। वहीं जगह-जगह नारियल और प्रसाद चढ़ाकर घास भेरू जी की पूजा अर्चना की कई। शोभा यात्रा का लोगों ने जगह-जगह स्वागत किया। क्षेत्र में अच्छी बारिश और मौसमी बीमारियों की रोकथाम के लिए पुराने समय से ही गांव में घास भेरू जी की सवारी निकाली जाती है।

लोक देवता घास भैरू की निकली सवारी की लोगों ने पूजा की।

बरसों से चली आ रही है परंपरा : घास भैरू की सवारी निकालने की परंपरा गांव में ही नहीं राजस्थान में वर्षों से चली आ रही है। जब राजस्थान में राजाओं का शासन था तब से गांव में खुशहाली और बीमारियों से रक्षा के लिए घास भेरू की सवारी निकाली जाती थी। उसके लिए गांव में जगह जगह मंदिरों के बाहर औषधी मेखला बांधी जाती थी। घास भेरू की सवारी जब इन मेखलाओं के नीचे से गुजरती थी तो उसके पीछे सारे गांव के लोग भी गुजरते थे। इन मेखलाओं में विभिन्न जड़ी बूटियों और आयुर्वेदिक वृक्षों की पत्तियों को बांधा जाता था। जिसके नीचे गुजारने से कई मौसमी रोग ठीक हो जाया करते थे। घास भैरू एक बड़ा सा पत्थर का बना होता है जिसके ऊपर कामी पाठा लगाया होता है। इसे लकड़ी के टुकड़ों पर सवार कर सारे गांव वाले अपने बैलों के साथ या फिर ग्रामवासी द्वारा इसे खींचते हुए गांव के एक छोर से दूसरे छोर पर ले जाते हैं। अगले वर्ष उस छोर से पुन: इस छोर पर लाते हैं। गांव के बाहर घास भेरू की विशेष पूजा अर्चना की जाती है सारे गांव वाले इस पर शराब चढ़ाते हैं माना जाता है कि घास भैरू गांव की प्राकृतिक आपदाओं और महामारी से रक्षा करता है।

- बीमारियां दूर होने और अच्छी बारिश की कामना की

महाराणा प्रताप की प्रतिमा लगाने की मांग

अलवर, (निसं)। सर्व समाज संघर्ष समिति के तत्वावधान में मुख्यमंत्री के नाम जिला कलेक्टर अलवर को ज्ञापन देकर मोती डूंगरी अलवर स्थित महाराणा प्रताप पार्क में महाराणा प्रताप की मूर्ति लगवाई जाने की मांग की गई।

नगर विकास न्यास अलवर की 16 अक्टूबर 2017 को आयोजित 289 बैठक में जनप्रतिनिधियों एवं न्यास के अधिकारियों द्वारा सर्वसम्मति उक्त विषय पर प्रस्ताव लेकर निर्माण कार्य की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान की गई थी । किंतु राजनीतिक विरोधाभास के कारण महाराणा प्रताप की मूर्ति को अभी तक नहीं लगाया गया है। जबकि चालीस लाख रुपए की लागत से महाराणा प्रताप पार्क का निर्माण तो कर दिया गया परंतु पार्क में तीस लाख रूपए की लागत से प्रस्तावित महाराणा प्रताप की मूर्ति का सप्लाई फिक्सिंग कार्य अभी तक राजस्थान सरकार एवं जिला प्रशासन स्तर पर लंबित है। लंबे समय से महाराणा प्रताप की प्रतिमा स्थापित नहीं होने के कारण सर्वसमाज में रोष व्याप्त है । सर्व समाज ने मांग करते हुए कहा कि जल्दी महाराणा प्रताप की मूर्ति लगाई जाए। जिला कलेक्टर ने उक्त विषय में मामला कोर्ट में बताया तथा कोर्ट मामले की प्रति देने के लिए कहा।

सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ किया

श्रीमाधोपुर, (निसं)। निकटवर्ती ग्राम मऊ में चौपाटी वाले बालाजी मंदिर परिसर में सामूहिक हनुमान चालीसा के पांच पाठों का गुणगान हुआ।

राकेश चुलेट ने बताया कि पंडित दीपक पाराशर के सानिध्य में भगवान के समक्ष दीप प्रज्वलित कर, हनुमानजी महाराज को भोग लगाकर कार्यक्रम का विधिवत रूप से शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में पंडित शंकर मिश्रा के सानिध्य में बालाजी मित्र मंडली द्वारा शंखनाद किया गया व ग्राम के विद्वान पंडितों के द्वारा स्वस्ति वाचन किया। आयोजन समिति सदस्य कमलेंद्र सिंह शेखावत, विकाश तिवाड़ी ने बताया कि बालाजी मित्र मंडली टीम मऊ द्वारा मंदिर परिसर व मुख्य बाजार को भगवा ध्वजों, रंगीन गुब्बारे से सजाया गया। सर्वप्रथम बालाजी मित्र मंडली मऊ द्वारा गणेश वंदना, हनुमान भजन के साथ हनुमान चालीसा पाठ का शुभारंभ किया गया।

गहलोत ने बेटे को बचाने के लिए लांघ दीं सारी मर्यादाएं : शेखावत

लाल डायरी के तीन पेज सामने आने पर केंद्रीय जलशक्ति मंत्री ने मुख्यमंत्री पर साधा निशाना

जयपुर। पूर्व मंत्री राजेंद्र गुढ़ा के लाल डायरी के तीन पेज जारी करने के बाद केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर निशाना साधा। शेखावत ने कहा कि अशोक गहलोत ने अपने बेटे को बचाने के लिए सारी मर्यादाएं लांघ दी हैं। लाल डायरी में लिखे गए तथ्यों को खारिज नहीं किया जा सकता।

बुधवार को सिलसिलेवार ट्वीट्स में शेखावत ने कहा कि आरसीए चुनाव में लेन-देन की बातें जिस तरह से लिखी गई हैं, कोई इस तरह का काल्पनिक घटनाक्रम नहीं रच सकता, यानी डायरी के तथ्य फर्जी नहीं हैं। डायरी बता रही है कि वैभव गहलोत आरसीए चुनाव के लेन-देन में शामिल रहे और इसलिए सीएम साहब को इसके सामने आने की चिंता थी। गुढ़ा जी के बताए एक-एक तथ्य की जांच होनी चाहिए।

- शेखावत ने पूछा, क्या गहलोत के पास भी गांधी परिवार की कोई डायरी है?

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि पूर्व मंत्री राजेंद्र गुढ़ा ने लाल डायरी के पन्ने सामने लाकर एक सच तो साबित कर दिया कि गहलोत ने विधानसभा में गुंडागर्दी क्यों कराई? डायरी में उनके बेटे वैभव गहलोत का भी नाम है। सीएम साहब ने अपने बेटे का राजनीतिक करियर बनाने के लिए सारे हथकंडे अपनाए हैं, हो सकता है डायरी में इससे जुड़े राज छिपे हों, तभी तो उन्हें डर लग रहा है।

शेखावत ने यह भी कहा कि, लाल डायरी इस समय का सबसे बड़ा मुद्दा है। गहलोत के खास रहे राजेंद्र गुढ़ा जैसे खुलासे कर रहे हैं, उससे राज्य सरकार की लोकतांत्रिक नैतिकता पर सवाल उठ रहा है। जनता सोच रही है "इतनी हेर-फेर करने वाला राज्य का मुखिया कैसे बना रह सकता है"। केंद्रीय मंत्री ने तंज कसा कि गहलोत जी इस्तीफा नहीं देने वाले, लेकिन कांग्रेस आलाकमान क्या कर रहा है? क्या गहलोत जी के पास भी गांधी परिवार की कोई डायरी है, जिसके कारण इतनी फजीहत के बाद भी वे पद पर बने हुए हैं?

कांग्रेस के मंत्री-विधायकों के बेटे व भतीजों पर दुष्कर्म के मामले : अनिता भदेल

- 'कठूमर विधायक बाबूलाल बैरवा के भतीजे पर दुष्कर्म का आरोप, पीड़िता और पति के साथ मारपीट, एसपी के आदेश पर मामला दर्ज'
- गहलोत सरकार महिलाओं की सुरक्षा में पूरी तरह फेल, महिलाओं को खुद ही अपनी रक्षा करनी होगी : संतोष अहलावत

जयपुर। विधायक एवं भाजपा प्रदेश प्रवक्ता अनिता भदेल और प्रदेश उपाध्यक्ष संतोष अहलावत ने प्रदेश कार्यालय पर प्रेसवार्ता को संबोधित किया। इस दौरान विधायक अनिता भदेल ने कहा कि, शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने वाले भाजपा के लोगों पर लाठीचार्ज करने के बजाय लूट, हत्या और दुष्कर्म के आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई करते तो सही होता। गहलोत सरकार के मंत्रियों और विधायकों के बेटे भतीजे और रिस्तेदार खुद दुष्कर्म के आरोपी हैं। अलवर के कठूमर विधायक बाबूलाल बैरवा के भतीजे ने एक महिला से दुष्कर्म किया और उसके बाद पीड़ित महिला को थाने जाने से रोका जाता है डराया धमकाया जाता है। जब थाने में मामला दर्ज नहीं हो पाया तो पीड़ित महिला एसपी के पास फरियाद लेकर जाती है तब जाकर रात 12 बजे मामला दर्ज होता है।

विधायक अनिता भदेल ने कहा कि, महिला दुष्कर्म और उत्पीड़न के मामलों के अलावा प्रदेश में नशे और चाईल्ड पोर्नोग्राफी के मामले भी सामने आ रहे हैं। जयपुर में चाईल्ड पोर्नोग्राफी के वीडियो वायरल हो रहे हैं। जिसको लेकर आज के समाचार पत्रों में खबर भी आई है। नहीं सहेगा राजस्थान अभियान के तहत सचिवालय महाघेराव प्रदर्शन को लेकर गहलोत सरकार के मंत्री प्रतापसिंह खाचरियावास कहते हैं कि प्रदर्शन फीका रहा। फिर कहते हैं कि भाजपा के लोगों से पूरा शहर जाम हो गया। इसका मतलब मंत्री मानते हैं कि बड़ी संख्या में लोग प्रदर्शन में पहुंचे थे।

विधायक अनिता भदेल ने कहा कि भाजपा के नेताओं पर बर्बर लाठीचार्ज किया जाता है। जिसमें भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष जितेंद्र गोठवाल के सर में चोट आई और सिटी स्कैन किया गया। कांग्रेस सरकार से पूछना चाहती हूं कि प्रदेश में प्रतिदिन लूट हत्या और दुष्कर्म के इतने अपराध हो रहे हैं इन पर कार्रवाई कब होगी। कांग्रेस सरकार में मंत्री रहे राजेंद्र गुढ़ा ने आज लाल डायरी खोलकर मुख्यमंत्री के बेटे वैभव गहलोत को आरसीए अध्यक्ष बनाने के लिए भ्रष्टाचार का कच्चा चिट्ठा खोला। जिसमें धर्मेंद्र राठौड और भवानी सामोता के बीच आरसीए चुनावों में पैसों के लेनदेन और भ्रष्टाचार को खुलेआम बताया है। भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष संतोष अहलावत ने प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेश में दुष्कर्म और महिला उत्पीडन के मामले इस कदर बढे हैं कि कोई भी माता पिता अपने बच्चों को घर से बाहर भेजने से भी डरता है। ब अब समय आ गया प्रदेश की महिलाओं को इस निर्लज्ज सरकार से आस छोडकर खुद ही अपनी रक्षा करनी पडेगी।

जनसंवाद व कार्यकर्ता सम्मान समारोह

मालपुरा, (निसं)। विधानसभा चुनाव 2023 में बीजेपी व कांग्रेस दोनों ही प्रमुख राजनैतिक पार्टियों से चुनाव लड़ने वाले दावेदारों की सूची दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। चुनाव में ताल ठोक रहे नेताओं ने गांव-ढाणी में जनसम्पर्क व नुक्कड सभाओं के माध्यम से मतदाताओं से मिल गांव की समस्याऐं सुन समस्या समाधान में जुटे हुए हैं।

बुधवार को पूर्व उपजिला प्रमुख अवधेश शर्मा द्वारा टोडारायसिंह मुख्यालय पर जनसंवाद व कार्यकर्ता सम्मान समारोह आयोजित किया गया। समारोह में उमडी युवा शक्ति ने खुलकर दोनों हाथ उठा स्थानीय व युवा अवधेश शर्मा के समर्थन में जमकर नारेबाजी की। समारोह में मौजूद युवा शक्ति के साथ-साथ अपार जनसमुह व कांग्रेस के कर्तव्यनिष्ठ कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते हुए अवधेश शर्मा ने क्षेत्रिय भाजपा विधायक कन्हैयालाल चौधरी पर जमकर निशाना साधते हुए कहा कि दस सालों से विधायकी का सुख भोग रहे विधायक से इस बार क्षेत्र की जनता व मतदाता पाई-पाई का हिसाब लेंगे। समारोह में 300 से अधिक युवा व पार्टी कार्यकर्ताओं का सम्मान किया गया। समारोह स्थल से ज्योतिबा फुले सर्किल तक रैली निकाल माल्यार्पण किया गया। तो मौजूद नारी शक्तियो ने कांग्रेस सरकार द्वारा महिलाओं को रोडवेज बसों मे 50 प्रतिशत किराया कम करने व स्मार्ट फोन जैसी योजनाऐं चलाने की प्रशंषा कर इस बार कांग्रेस के पक्ष मे मतदान का संकेत दिया।

- 300 से अधिक युवा व पार्टी कार्यकर्ताओं का सम्मान किया

नशा मुक्ति शिविर संपन्न

टोंक, (निसं)। भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग और ब्रह्माकुमारी संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में चलाए जा रहे। "नशा मुक्त भारत अभियान" के तहत प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय शाखा टोंक के राजयोग भवन में तीन दिवसीय नशा मुक्ति शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान अनेक नशा ग्रसित व्यक्तियों ने नशा छोड़ने का दृढ़ संकल्प लिया।

इस कार्यक्रम में राजयोग सेवा केंद्र प्रभारी ब्रह्माकुमारी अपर्णा दीदी ने कहा कि, सभी प्रकार के नशे एक दूसरे से जुड़े हुए हैं अत: एक नशे के आने से दूसरे नशे की संभावना बढ़ जाती है। नशा करने वाला व्यक्ति स्वयं के जीवन को तो बर्बाद करता ही है साथ ही समाज में नकारात्मकता को भी बढ़ाता है जिसका परिणाम आज हम सब प्रत्यक्ष में देख रहे हैं। टोडारायसिंह सेवा केंद्र की संचालिका ब्रह्माकुमारी पूनम दीदी ने कहा कि नशा व्यक्ति के दिल और दिमाग में इतना हावी हो जाता है कि वह उसको छोड़ना चाहता है परन्तु अनेक प्रयास करने के बाद भी वह नशा नहीं छोड़ पाता है। साथ ही उन्होंने तीन दिवसीय नशा मुक्ति शिविर का महत्त्व एवं उद्देश्य भी बताये। कार्यक्रम में लाखेरी से आए नशा मुक्त शिविर विशेषज्ञ भंवरलाल सैनी ने नशे की लत लगने के अनेक कारण बताते हुए उनके विभिन्न उपाय भी बताए।

ई.आर.सी.पी. को राष्ट्रीय परियोजना घोषित करने की मांग

लालसोट, (निसं)। उपखंड के किशोरपुरा ग्राम पंचायत के खुर्रा गांव की रहने वाली प्रमुख महिला समाजसेवी राजेश्वरी देवी मीणा द्वारा ईआरसीपी को राष्ट्रीय परियोजना घोषित करने की मांग को लेकर एवं छूटे हुए अति आवश्यक बांधों को डीपीआर में जोड़ने की मांग को लेकर बांदीकुई से जयपुर तक पैदल मार्च कर सीएम आवास पर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत एवं कांग्रेस पार्टी के प्रदेश प्रभारी सुखजिन्दर सिंह रंधावा से मुलाकात की।

- सीएम व प्रदेश प्रभारी रंधावा से की मुलाकात
- दो टूक कहा मांगें पूरी नहीं तो चुनाव से करेंगे किनारा

कांग्रेस के राजस्थान प्रदेश प्रभारी रंधावा (दाएं से दूसरे) को महिला समाजसेवी राजेश्वरी देवी (बाएं से दूसरे) के नेतृत्व में ज्ञापन सौंपा।

इस मुलाकात में मुख्यमंत्री गहलोत के सामने ईआरसीपी के संयुक्त मोर्चा की महिला समाजसेवी राजेश्वरी देवी खुर्रा एवं जवान सिंह मोहचा व किशोरपुरा ग्राम पंचायत सरपंच हरिओम मीणा आदि ने ईआरसीपी को राष्ट्रीय परियोजना घोषित कराने के साथ इस परियोजना की डीपीआर में छूटे हुए छोटे मोटे बांध आदि को जोड़ने की मांग की । जहां मुख्यमंत्री द्वारा आश्वासन दिया गया कि वे ईआरसीपी परियोजना को लेकर गंभीर हैं।

निकाली गई जन संघर्ष पदयात्रा के अंतिम पड़ाव के बाद कांग्रेस पार्टी के प्रदेश प्रभारी रंधावा से मुलाकात कर संयुक्त मोर्चा की प्रमुख महिला समाज सेवी राजेश्वरी देवी मीणा खुर्रा एवं जवान सिंह मोर्चा ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि अगर ईआरसीपी राष्ट्रीय परियोजना घोषित नहीं की वह इसमें छूटे हुए बांधों को नहीं जोड़ा गया तो मोर्चा कांग्रेस पार्टी के साथ नहीं रहेगा एवं चुनाव के दौरान ऐसी पार्टियों का खुलकर विरोध किया जाएगा। इस मुलाकात के दौरान प्रदेश प्रभारी रंधावा ने कहा कि, वह इस मामले को लेकर ईआरसीपी के संयुक्त मोर्चा के साथ हैं और वह भी चाहते हैं कि ईआरसीपी राष्ट्रीय परियोजना घोषित हो साथ ही छूटे हुए छोटे मोटे बांधों को डीपीआर में शामिल हो ताकि किसानों एवं आम लोगों को इस योजना का भरपूर लाभ मिल सके। प्रमुख महिला समाज सेवी राजेश्वरी देवी मीणा एवं जवान सिंह मोर्चा सहित ईआरसीपी से जुड़े सैकड़ों प्रतिनिधियों द्वारा बांदीकुई से लेकर जयपुर तक जन संघर्ष पदयात्रा निकालकर सरकार का मामले की ओर ध्यान आकर्षित किया गया। वही पिछले साल भी प्रमुख महिला समाजसेवी राजेश्वरी देवी मीणा खुर्रा खुद के गांव से मुख्यमंत्री तक यह बात पुरजोर तरीके से पहुंचाने के लिए पैदल मार्च कर चुकी है।

चार ब्लॉक की कार्यकारिणी गठित

दौसा, (निसं)। जिला मुख्यालय पर जीवन धारा समाज कल्याण संस्थान दौसा में उप प्राचार्य के छह दिवसीय प्रशिक्षण के समापन के साथ ही राजस्थान शिक्षा सेवा परिषद उप प्राचार्य के लालसोट सिकन्दरा रामगढ़ पचवारा एवं नांगल राजावतान ब्लॉक अध्यक्ष एवं महामंत्री का आम सहमति से मनोनयन किया गया।

प्रशिक्षण के अंतिम दिन उक्त ब्लॉक के उपस्थित सभी उप प्राचार्य ने सर्वसम्मति से अपने ब्लॉक के अध्यक्ष एवं महामंत्री पद पर निम्न उप प्राचार्य को नियुक्त किया है। लालसोट ब्लॉक अध्यक्ष पद पर रामलाल मीना राउमा विधालय रतनपुरा को एवं लालसोट ब्लाक महामंत्री पद पर कमलेश गौत्तम राउमा विधालय महारिया लालसोट ब्लॉक व रामगढ़ पचवारा से अध्यक्ष हरसहाय मीना राउमा विधालय कल्लावास, रामगढ़ पचवारा महामंत्री चंद्रमोहन बैरवा राउमा विधालय सोनड रामगढ़ पचवारा को नियुक्त किया गया। इसी तरह सिकंदरा ब्लॉक अध्यक्ष पद पर जगदीश बुनकर राउमा विधालय गंड़रावा सिकंदरा को व महामंत्री पद पर राजेश कसाना राउमा विधालय डोलिका सिकंदरा को मनोनित किया गया। नांगल राजावतान ब्लॉक अध्यक्ष पद पर राकेश महावर राउमा विधालय खवा रावजी को नांगल राजावतान महामंत्री महेंद्र कुमार मीणा राउमा विधालय नांगल राजावतान को जिम्मेदारी सौंपी गई।

मेवात में हुई घटना के विरोध में बजरंग दल का प्रदर्शन

जयपुर। मेवात में हिंदुओं पर हुए हमले के विरोध में बुधवार को विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल द्वारा जयपुर में विभिन्न स्थानों पर आक्रोश रैली निकालकर व पुतला जलाकर विरोध प्रदर्शन किया गया।

इस विरोध प्रदर्शन को संबोधित करते हुए बजरंग दल जयपुर महानगर संयोजक सुमित खंडेलवाल, ने मेवात में हिंदुओं पर हमले का विरोध किया और नाराज़गी व्यक्त की। खंडेलवाल ने कहा की हरियाणा के मेवात में जेहादियों द्वारा ब्रजमंडल यात्रा पर सुनियोजित तरीके से पथराव किया गया। व्यापक स्तर पर आगजनी की गई, गोलियों बरसाई गई जिसमें कई लोगों की मृत्यु हो गई। यह घटना कट्टरवाद एवं आतंकवाद की पराकाष्ठा का उदाहरण है।

बजरंग दल जयपुर प्रांत के सहसंयोजक राकेश कुमार ने कहा कि यह घटना हिन्दूओं के प्रति नफरत को दर्शाती है। मेवात मिनी पाकिस्तान बनता जा रहा है। यहां हिंदू समाज पर सुनियोजित तरीक़े से आक्रमण किए जा रहे हैं, जिसको हिंदू समाज सहन नहीं करेगा। मेवात हिंसा में अभी भी 4 हिंदू भाई लापता है, बजरंग दल के अभिषेक समेत कुल तीन कार्यकर्ता की हत्या की गई है, जिसमें दो कार्यकर्ता को जला के मार दिया और एक कार्यकर्ता के 16 टुकड़े किए गए। इस तरह की घटनाओं को हिंदू समाज सहन नहीं करेगा। सभी वक्ताओं ने हिंदू समाज को संगठित होने और इस तरह की घटनाओं का संविधान सम्मत विरोध व्यक्त करने की बात कही। इस विरोध प्रदर्शन में जयपुर प्रांत के कुल 25 स्थानों एवं जयपुर महानगर के 5 स्थानों सांगानेर, गोपालपुरा, गुर्जर की थड़ी, भवानी निकेतन और ट्रांसपोर्ट नगर पर विरोध प्रदर्शन दर्ज कराया गया । जयपुर के अलग अलग स्थानों पर प्रदर्शन महानगर मंत्री कुलदीप पारीक, सचिन कपूर, हितेश सिंह शेखावत, जितेश वर्मा, पंकज और जीत वर्मा के नेतृत्व में किये गए।

- जयपुर में सभी जगह हुआ प्रदर्शन, हज़ारों लोगों ने लिया भाग

सार-समाचार

ए.बी.वी.पी. न्याय पदयात्रा निकालेगी

कोटपूतली, (निसं)। प्रदेश की कांग्रेस सरकार के शासन में हुए पेपरलीक, महिला उत्पीड़न, भ्रष्टाचार, बेरोजगारी आदि मुद्दों को लेकर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद द्वारा न्याय पद यात्रा का गुरूवार से आयोजन किया जायेगा। गुरूवार 3 अगस्त से 10 अगस्त तक करौली से प्रारंभ होकर कुडगांव, गंगापुर, पिपलाई, लालसोट, तुंगा, बस्सी व घाट की घुनी होते हुए राजस्थान विश्वविद्यालय जयपुर तक न्याय पदयात्रा का आयोजन किया जायेगा। जिला संयोजक अनमोल गोयल, एसएफएस प्रान्त संयोजक भीमसिंह पायला व नगर मंत्री देवेन्द्र आर्य ने बताया कि राजस्थान में जंगलराज चरम पर है। अपराध में राजस्थान देश का सबसे बड़ा राज्य बन गया है। जिला संयोजक अनमोल गोयल ने बताया कि न्याय पदयात्रा में प्रदेश में कानून व्यवस्था सुचारु रुप से लागू लागू हो व गुंडाराज खत्म हो। महिला सुरक्षा हेतु एक कठोर कानून बने विश्वविद्यालय महाविद्यालय में सीसीटीवी कैमरे लगे व महिला सुरक्षाकर्मी लगाये जाये। सरकार सभी विवादास्पद प्रतियोगी परीक्षा भर्तियों को रद्द कर उनकी सीबीआई जांच करें और उन्हें इसी वर्ष में भर्तियां नि:शुल्क कराई जाये।

कांग्रेस की संगठनात्मक मजबूती बैठक समाप्ति पर चले लात घूंसे

बहरोड़/अलवर, (निसं)। बहरोड़ कस्बे के सुरभि मैरिज होम में आयोजित कांग्रेस की संगठनात्मक मजबूती की बैठक में पहुंचे अलवर जिला अध्यक्ष योगेश मिश्रा सहित प्रभारी प्रकाश गंगावत एवं विधानसभा प्रभारी अर्चना सुराणा के सानिध्य में आयोजित कार्यक्रम में राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी ओबीसी प्रदेश उपाध्यक्ष बस्तीराम यादव, जिला पार्षद संजय यादव, पूर्व प्रधान सुमन यादव, ब्लॉक अध्यक्ष विकास यादव एवं कांग्रेस के पूर्व प्रत्याशी डॉक्टर आरसी यादव आदि वरिष्ठ सहित ब्लॉक स्तर के पार्टीगत लोगों द्वारा बैठक के सफल होने के बाद कार्यक्रम की समाप्ति पर यूथ कार्यकर्ताओं को उकसाकर डॉ आर सी यादव द्वारा पार्टी की छवि को खराब करते हुए तू तू मैं मैं की स्थिति पैदा कर यूथ कार्यकर्ताओं में लात घूंसे चलवा दिए। जिसके बारे में अलवर जिला अध्यक्ष योगेश मिश्रा ने वक्तव्य जारी करते हुए कहा कि कार्यक्रम की समाप्ति के बाद पार्टी की छवि को खराब करने वाले लोगों के खिलाफ प्रदेश कार्यालय एवं एआईसीसी के भंवर जितेंद्र सिंह पूर्व सांसद अलवर सहित उच्च स्तरीय को लिखित शिकायत कर अनुशासनात्मक कार्यवाही में कठोर रुख अपनाते हुए पार्टीगत कार्यवाही की जाएगी।

स्थगन आदेश के बाद भी निर्माण जारी

चाकसू, (निसं)। उपखंड अधिकारी के स्थगन आदेश के बावजूद भी विवादित भूमि पर निर्माण कार्य जारी है। न हीं राजस्व विभाग न हीं पुलिस विभाग की ओर से कोई कार्रवाई की जा रही है। पीड़ित व्यक्ति अधिकारियों के दफ्तरों में चक्कर काट रहा है लेकिन निर्माण रोकने की जहमत नहीं उठाई जा रही है। चाकसू थाना अंतर्गत ग्राम पंचायत टुमली का वास में प्रार्थी शांति देवी निवासी सिमलियावास चाकसू की कृषि भूमि है उक्त भूमि पर तकाशमें को लेकर पारिवारिक विवाद होने के कारण उपखंड अधिकारी चाकसू द्वारा दोनों पक्षों को किसी भी प्रकार का निर्माण कार्य नहीं कराने को लेकर स्थगन आदेश मिले हुए हैं। लेकिन अप्रार्थी जगदीश पुत्र गोविंद नारायण पुत्र जगदीश यादव जबरन निर्माण कार्य करा रहा है जब प्रार्थी ने निर्माण कार्य के लिए मना किया तो गाली गलौज और मारपीट पर उतारू हो गया। मामले को लेकर प्रार्थी की ओर से स्थानीय थाने में 8 जुलाई को प्राथमिकी भी दर्ज कराई गई है। पीड़िता शांति देवी ने बताया कि उपखंड अधिकारी के स्थगन आदेश एवं चाकसू थाने में प्राथमिकी के बावजूद भी थाने की पुलिस निर्माण कार्य रुकवाने की रूचि नहीं ले रही है।

मूलचंद लुणिया नये एसडीएम होंगे

पावटा, (निसं)। जैसे-जैसे विधानसभा चुनाव नजदीक आते जा रहे हैं वैसे-वैसे यहां कार्यरत पुलिस प्रशासन के अधिकारियों का भी स्थानान्तरण किये जाने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। प्रशासनिक बेड़े में राज्य सरकार द्वारा मंगलवार को फेरबदल कर दिया गया। यहाँ पूर्व से रिक्त चल रहे एसडीएम पद पर मूलचंद लुणिया को सुजानगढ़ चुरू से स्थानान्तरण कर पावटा लगाया गया है। इसी प्रकार यहाँ तहसीलदार पद पर कार्यरत ओम प्रकाश गुर्जर की सेवा निवृत्ति के बाद रिक्त पद पर अजयपाल यादव को लगाया गया है। वहीं पावटा पंचायत समिति विकास अधिकारी राकेश वर्मा का स्थानान्तरण कर उन्हे नीम राणा अलवर लगाया गया है व उनकी जगह सुरेश पारिक पीपराली सीकर को पावटा पंचायत समिति विकास अधिकारी के पद पर लगाया गया है।

ओलम्पिक खेलों का आयोजन पांच से

लालसोट, (निसं)। उपखण्ड क्षेत्र सहित पूरे जिले भर में राजीव गांधी ग्रामीण, शहरी ओलम्पिक खेलों का आयोजन पांच अगस्त को किया जायेगा। इस संबंध में उक्त प्रतियोगिता के सफल संचालन के लिए शहरी क्षेत्रों में समय पर खेल मैदान तैयार करवाना जाना खेल सामग्री क्रय कर संबंधित स्कूलों उपलब्ध करवाने के एवं उद्घाटन व समापन समारोह आयोजित करवाना सुनिश्चित करने संबंधी दिशा निर्देश जिला कलेक्टर द्वारा जारी किए गए। विकास अधिकारी द्वारा खेल आयोजन हेतु ग्राम विकास अधिकारियों ग्रामीण क्षेत्रों में मैदान तैयार करवाने जाने हेतु निर्देशित करना एवं उद्घाटन समारोह में आयोजन हेतु ग्राम विकास अधिकारियों को सहयोग करने हेतु निर्देशित करेंगे।

इतने सारे खिलाड़ी एनसीए में उबर रहे हैं। बुमराह लंबे ब्रेक के बाद वापस आया है। प्रसिद्ध कृष्णा ने भी चोट के कारण ब्रेक के बाद वापसी की है। ऐसा लगता है कि लोग जबरदस्ती टीम प्रबंधन की गलती निकाल रहे हैं। **-आर. अश्विन**

भारतीय गेंदबाज, रोहित और विराट को एकदिवसीय में आराम देने के फैसले का बचाव करते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

जियानलुइगी बुफोन

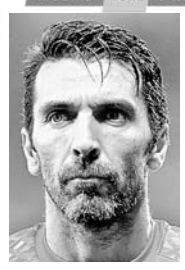

इटली के साथ विश्व कप खिताब के अलावा यूवेंटस के साथ ढेरों ट्रॉफियां जीतने वाले दिग्गज गोलकीपर जियानलुइगी बुफोन ने बुधवार को 45 साल की उम्र में प्रतिस्पर्धी फुटबॉल से संन्यास लेने की घोषणा की। एक समय दुनिया के सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर माने जाने वाले बुफोन का सिरी बी में पार्मा के साथ एक साल का अनुबंध बचा था। उन्होंने लगभग तीन दशक पहले पार्मा के साथ ही अपने पेशेवर करियर की शुरुआत की थी। बुफोन ने अपने करियर के मुख्य अंशों को दिखाने वाले वीडियो पर इंस्टाठााम पर लिखा, "सफर खत्म हुआ दोस्तों। आपने मुझे सब कुछ दिया।

क्या आप जानते हैं ?... विश्व कप फुटबॉल की पहली ट्रॉफी जुलियस रिमेट का डिजाइन फ्रांसीसी वास्तुकर एवेल लेफलुर ने तैयार किया था।

भारत से 14 अक्टूबर को खेलने पर राजी पाकिस्तान, श्रीलंका से मुकाबला 10 अक्टूबर को

कराची, 2 अगस्त। भारत और पाकिस्तान के बीच विश्व कप का बहुचर्चित मुकाबला 15 की बजाय 14 अक्टूबर को अहमदाबाद में होगा और पीसीबी अपने दो मैचों की तारीखों में बदलाव के आईसीसी और बीसीसीआई के प्रस्ताव पर सहमत हो गया है। पाकिस्तानी टीम अब श्रीलंका के खिलाफ हैदराबाद में 12 अक्टूबर की बजाय 10 अक्टूबर को खेलेगी जिससे भारत के खिलाफ मैच से पहले तीन दिन का समय मिल जायेगा। नवरात्रि का पहला दिन होने के कारण भारत और पाकिस्तान मैच एक दिन पहले कराया जा रहा है। आईसीसी और बीसीसीआई ने पीसीबी से उसके दो मैचों के कार्यक्रम में बदलाव के लिये संपर्क किया था। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद जल्दी ही संशोधित कार्यक्रम जारी करेगी क्योंकि कुछ और मैचों के कार्यक्रम में बदलाव हुआ है।

पाकिस्तानी टीम का आईसीसी विश्व कप 2023 का मौजूदा कार्यक्रम इस प्रकार है।

06 अक्टूबर : बनाम नीदरलैंड, हैदराबाद
12 अक्टूबर : बनाम श्रीलंका , हैदराबाद
15 अक्टूबर : बनाम भारत, अहमदाबाद
20 अक्टूबर : बनाम आस्ट्रेलिया, बेंगलुरू
23 अक्टूबर : बनाम अफगानिस्तान, चेन्नई
27 अक्टूबर : बनाम दक्षिण अफ्रीका, चेन्नई
31 अक्टूबर : बनाम बांग्लादेश, कोलकाता
04 नवंबर : बनाम न्यूजीलैंड, बेंगलुरू।

भारत की संजना ने क्लीन एवं जर्क में स्वर्ण, स्नैच और कुल वजन उठाकर रजत पदक जीता

ग्रेटर नोएडा, 2 अगस्त। भारत की संजना ने बुधवार को यहां एशियाई युवा और जूनियर भारोत्तोलन चैम्पियनशिप के महिला 76 किग्रा वर्ग में क्लीन एवं जर्क में स्वर्ण पदक अपने नाम किया जबकि कुल वजन में भी रजत पदक हासिल करने में सफल रहीं। संजना ने युवा स्पर्धा में 86 किग्रा में स्नैच में भी रजत पदक जीता। उन्होंने क्लीन एवं जर्क में 112 किग्रा का भार उठाकर स्वर्ण पदक हासिल किया। उनका 198 किग्रा का कुल वजन उन्हें रजत पदक दिलाने के लिए काफी रहा। उज्बेकिस्तान की मदीना फेजुलाएवा ने स्नैच (89 किग्रा) और कुल वजन (200 किग्रा) में स्वर्ण और क्लीन एवं जर्क (111 किग्रा) में रजत पदक जीता। ईरान की असल कादखोदाई ने स्नैच (78 किग्रा), क्लीन एवं जर्क (96 किग्रा) और कुल वजन (174 किग्रा) प्रत्येक में कांस्य पदक प्राप्त किये। स्नैच, क्लीन एवं जर्क और कुल वजन में पहले तीन विजेताओं को अलग अलग पुरस्कार दिये जा रहे हैं।

अगर भारतीय टीम हांगझोउ में नहीं जीत पाती तो ओलंपिक क्वालीफायर के लिए पाकिस्तान जायेगी : टिर्की

चेन्नई, 2 अगस्त। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने कहा कि राष्ट्रीय पुरुष टीम अगर 23 सितंबर से शुरु होने वाले आगामी हांगझोऊ खेलों से 2024 पेरिस ओलंपिक के लिए सीधे क्वालीफाई करने में विफल रहती है तो क्वालीफायर खेलने के लिए पाकिस्तान का दौरा करेगी। नियमों के अनुसार एशियाड में स्वर्ण पदक जीतने वाली टीम को सीधे ओलंपिक में जगह मिलेगी लेकिन अन्य देशों को क्वालीफायर खेलने होंगे और इस बार इनके आयोजन के स्थल के तौर पर पाकिस्तान और स्पेन की पहचान की गयी है। टिर्की ने बुधवार को यहां एशियाई चैम्पियंस ट्राफी की पूर्व संध्या पर पत्रकारों से कहा, "हम हांगझोउ में काम पूरा (ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करना) करने की कोशिश करेंगे। लेकिन अगर किसी कारण से हम क्वालीफाई नहीं कर पाते तो क्वालीफायर के लिए कुछ स्थल (पाकिस्तान और स्पेन) निर्धारित किये गये हैं। इसलिये जहां भी ये आयोजित होंगे, हम निश्चित रूप से जायेंगे।" पाकिस्तान जाने के लिए सरकारी मंजूरी की जरूरत होती है और यह देखना होगा कि अगर ऐसी स्थिति उत्पन्न होती है कि राष्ट्रीय हॉकी टीम को क्वालीफायर खेलने के लिए पाकिस्तान की यात्रा करने की जरूरत होगी तो केंद्र का रूख क्या रहता है। जब पूछा गया कि खिलाड़ी चीन के लिये रवाना होने से पहले एशियाई चैम्पियंस ट्राफी खेलकर खुद पर चोटिल होने का जोखिम उठा रहे हैं तो टिर्की ने कहा कि कोई खिलाड़ी ट्रेनिंग या अभ्यास मैचों के दौरान भी चोटिल हो सकता है। उन्होंने कहा, "ध्यान देने वाली सबसे अहम चीज यह है कि हम प्रत्येक बड़े टूर्नामेंट से पहले अभ्यास मैच खेलते हैं। तो क्या तब चोटिल होने का डर नहीं लगा रहता? इसलिये मुझे लगता है कि हमें इस टूर्नामेंट को सकारात्मक तरीके से अभ्यास के तौर पर लेना चाहिए और यह भी प्रतिस्पर्धी टूर्नामेंट है। टिर्की ने कहा, "अभी एशियाई खेलों की तैयारियों के लिए कुछ समय बचा है। चोटें अभ्यास मैच के दौरान भी लग सकती हैं। इसलिये मुझे नहीं लगता कि हमें इससे ज्यादा परेशान नहीं होना चाहिए और अपना सर्वश्रेष्ठ देने पर ध्यान लगाना चाहिए। चेन्नई में 16 साल में पहली बार प्रतिस्पर्धी अंतरराष्ट्रीय हॉकी प्रतियोगिता की वापसी होगी।

विंडीज को 200 रन से रौंदकर भारत ने श्रृंखला जीती

तारोबा, 2 अगस्त। भारत के शुभमन गिल (85) की अगुवाई में बल्लेबाज़ों के शानदार प्रदर्शन के बाद मुकेश कुमार (30/3) और शार्दुल ठाकुर (37/4) की घातक गेंदबाजी की बदौलत तीसरे वनडे में वेस्ट इंडीज को 200 रन से रौंदकर तीन मैचों की शृंखला 2-1 से जीत ली है।

भारत ने मंगलवार को खेले गये मुकाबले में विंडीज के सामने 352 रन का लक्ष्य रखा, जिसके जवाब में कैरिबियाई टीम 151 रन पर ऑलआउट हो गयी। गिल के अलावा ईशान किशन (77), संजू सैमसन (51) और हार्दिक पांड्या (70 नाबाद) ने भी भारत के लिये अद्धर्शतक जड़े। इसके बाद मुकेश ने पावरप्ले के अंदर वेस्ट इंडीज के तीन विकेट मात्र 17 रन पर गिराकर उसकी जीत की संभावनाएं क्षीण कर दीं।

वेस्ट इंडीज के लिये गुडाकेश मोती ने सर्वाधिक 39 रन बनाये, हालांकि यह मेजबान टीम को जीत दिलाने के लिये नाकाफी था। शार्दुल ने भारत के लिये सर्वाधिक चार विकेट चटकाये। कुलदीप यादव ने दो विकेट लिये, जबकि जयदेव उनादकट को एक सफलता हासिल हुई।

एक बार फिर रोहित शर्मा और विराट कोहली के बिना खेलने उतरी भारतीय टीम को वेस्ट इंडीज ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी के लिये आमंत्रित किया। गिल और किशन की सलामी जोड़ी ने भारत को एक और अच्छी शुरुआत दी। दोनों के बीच पहले विकेट के लिये 19.4 ओवर में 143 रन की साझेदारी हुई। किशन ने इस साझेदारी में आक्रामक भूमिका निभाते हुए 64 गेंद पर आठ चौकों और तीन छक्कों की बदौलत 77 रन बनाये। वह यानिक कारिया को बड़ा शॉट लगाने की कोशिश में स्टंप आउट हुए।

तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे रुतुराज गायकवाड़ बड़ा स्कोर नहीं बना सके, लेकिन इसके बाद आने वाले बल्लेबाज़ों ने निराश नहीं किया। दूसरे वनडे में असफल रहे सैमसन ने गिल के साथ मिलकर तीसरे विकेट के लिये 69 रन जोड़े। सैमसन ने मात्र 41 गेंद की पारी में दो चौके और चार छक्के लगाकर 51 रन बनाये, हालांकि वह अपना अद्धर्शतक पूरा करते ही पवेलियन लौट गये।

सैमसन ने अद्धर्शतक बनाकर अपने चयन को उचित साबित किया, हालांकि सूर्यकुमार 30 गेंद पर दो चौके और दो छक्के लगाकर 35 रन ही बना सके। गिल शतक की ओर बढ़ रहे थे लेकिन गुडाकेश मोती ने अपनी लेग स्पिन से उन्हें लंबे समय तक छकाया और अंततः 86 रन पर कैचआउट करवाया। गिल ने 92 गेंद की पारी में 11 चौके जड़े।

गिल और सूर्यकुमार के आउट होने के बाद पांड्या ने भारतीय पारी को ज़ोरदार अंत देने की ज़िम्मेदारी ली। पांड्या की ताबड़तोड़ बल्लेबाजी से भारत ने आखिरी पांच ओवरों में 56 रन जोड़े। कप्तान पांड्या ने खुद 52 गेंद पर चार चौकों और पांच छक्कों की बदौलत नाबाद 70 रन बनाकर अपनी पारी का अंत किया।

वेस्ट इंडीज की ओर से रोमारियो शेफर्ड ने 10 ओवर में 73 रन देकर दो विकेट लिये। अल्ज़ारी जोसेफ़ (10 ओवर, 77 रन), कारिया (आठ ओवर, 58 रन) और मोती (10 ओवर, 38 रन) को एक-एक विकेट हासिल हुआ। जेडेन सील्स आठ ओवर में 75 रन देकर विंडीज के सबसे महंगे गेंदबाज साबित हुए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी वेस्ट इंडीज के सलामी बल्लेबाज ब्रैंडन किंग पहले ही ओवर में मुकेश का शिकार हो गये, जबकि काइल मेयर्स तीसरे ओवर में मुकेश की गेंद पर बोल्ड होने से पहले केवल चार रन बना सके। पिछले मैच में वेस्ट इंडीज को लक्ष्य तक पहुंचाने वाले कप्तान शाई होप का विकेट गिरने के साथ विंडीज का स्कोर 17/3 हो गया।

ताश के पत्तों की तरह ढहती वेस्ट इंडीज के लिये एलिक अथानाज़, अल्ज़ारी जोसेफ़ और गुडाकेश मोती ने महत्वपूर्ण योगदान देकर टीम को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया। अथानाज़ ने 50 गेंद पर तीन चौकों की सहायता से 32 रन बनाये, जबकि जोसेफ़ ने 39 गेंद पर एक चौका और दो छक्के लगाकर 26 रन की पारी खेली। मोती 34 गेंद पर 39 रन बनाकर नाबाद रहे, जबकि शार्दुल ने जेडेन को बोल्ड कर वेस्ट इंडीज की पारी का अंत किया। भारत और वेस्ट इंडीज अब गुरुवार से शुरू होने वाली पांच मैचों की टी20 शृंखला में आमने-सामने होंगे।

मिथुन ने किया उलटफेर, सिंधु, प्रणय भी जीते

सिडनी, 2 अगस्त। भारत के गैर वरीयता प्राप्त शटलर मिथुन मंजूनाथ ने ऑस्ट्रेलिया ओपन 2023 में बुधवार को बड़ा उलटफेर करते हुए सिंगापुर के चौथी सीड कीन यू लोह को हराकर दूसरे दौर में प्रवेश कर लिया।

विश्व रैंकिंग में 50वें नंबर पर मौजूद मिथुन ने सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट के पहले राउंड में दुनिया के सातवें नंबर के खिलाड़ी लोह को 21-19, 21-19 से मात दी। मिथुन अब अगले दौर में मलेशिया के ली ज़ी जिया का सामना करेंगे।

इस बीच, किदांबी श्रीकांत, एचएस प्रणय और पीवी सिंधु ने अपने टूर्नामेंट का मज़बूत आगाज़ किया, जबकि आकर्षि कश्यप ने भी अपने से बेहतर रैंकिंग वाली खिलाड़ी को मात दी। इस सीज़न में सात अलग-अलग आयोजनों में पहले दौर में हारने वाली सिंधु ने अपने शुरुआती महिला एकल मैच में हमवतन अश्मिता चालिहा को 36 मिनट में 21-18, 21-13 से हराया। पुरुष एकल प्रतियोगिता में, श्रीकांत ने जापान के केंता निशिमोतो को 21-18, 21-17 से हराया। प्रणय ने हॉन्ग कॉन्ग के चियुक यू ली को 21-18,16-21,21-15 से मात दी। युवा भारतीय शटलर प्रियांशु राजावत ने भी अपनी शानदार फॉर्म को आगे बढ़ाते हुए मेज़बान देश के नेथन टैंग को 21-12, 21-16 से हराकर दूसरे दौर में प्रवेश किया।

दूसरे दौर में प्रणय का मुकाबला चीनी ताइपे के यू जेन ची से होगा, जबकि राजावत और श्रीकांत क्रमशः ताइपे के त्ज़ु वेई वांग और ली यांग सु से भिड़ेंगे। आकर्षि ने मलेशिया की जिन वेई गोह को 21-15, 21-17 से हराया और दूसरे चरण में उनका सामना सिंधु से होगा। इस बीच, लक्ष्य सेन ने चोट के कारण हमवतन किरण जॉर्ज के खिलाफ अपना पुरुष एकल मैच छोड़ दिया। सेन शुरुआती गेम में 0-5 से पीछे थे जब उन्होंने मैच छोड़ने का फैसला किया। यह टूर्नामेंट डेनमार्क के कोपेनहेगन में होने वाली विश्व चैंपियनशिप से पहले आखिरी बीडब्ल्यूएफ टूर्नामेंट है।

दक्षिण अफ्रीका पहली बार विश्व कप के सुपर-16 में

वेलिंगटन, 2 अगस्त। दक्षिण अफ्रीका ने बुधवार को रोमांचक ग्रुप जी मैच में इटली को 3-2 से हराकर पहली बार फीफा महिला विश्व कप के सुपर-16 के लिए क्वालीफाई किया। यह टूर्नामेंट के इतिहास में दक्षिण अफ्रीका की पहली जीत भी थी। वेलिंगटन रीजनल स्टेडियम पर अपनी टीम को यह ऐतिहासिक विजय दिलाने के लिए हिल्दाह मगैया (67वां मिनट) और थंबी गाटलाना (90 2) ने एक एक गोल किया। इटली की बेंडेटा ऑर्सी ने एक आत्मघाती गोल दागकर दक्षिण अफ्रीका की जीत में योगदान दिया। इटली के दोनों गोल एरियाना कारुसो (11वां, 74वां मिनट) ने किए।

कारुसो ने 11वें मिनट में पेनल्टी पर गोल जमाकर इटली को शुरुआती बढ़त दिलाई, लेकिन दक्षिण अफ्रीका ने जल्द ही लगातार हमलों के जरिए वापसी की। मैच के 32वें मिनट में ऑर्सी के आत्मघाती गोल के बाद दक्षिण अफ्रीका ने हाफ टाइम में बराबरी के साथ प्रवेश किया। दूसरे हाफ में इटली ने वापसी का प्रयास किया, लेकिन एक दर्शनीय बैकपास की सहायता से मगैया अफ्रीकी टीम को 2-1 से आगे कर दिया।

कारुसो ने 74वें मिनट में गोल जमाकर इटली की कुछ उम्मीदें जगायीं लेकिन संयुक्त प्रयास की बेहतरीन मिसाल कायम करते हुए दक्षिण अफ्रीका ने अंतिम क्षणों में गाटलाना के गोल से जीत हासिल की। दक्षिण अफ्रीका की कोच देसरी एलिस ने भावुक आंखों से कहा, वे योद्धाओं की तरह लड़ीं। वे उन नायिकाओं की तरह लड़ीं जो हम उन्हें मानते हैं। उन्होंने न सिर्फ विश्व कप में हमारी पहली जीत हासिल करके इतिहास रचा है, बल्कि सुपर 16 में पहुंचकर भी इतिहास रचा है जो बेहद आश्चर्यजनक है। नाइजीरिया (1999, 2019, 2023) और कैमरून (2015,2019) के बाद दक्षिण अफ्रीका फीफा महिला विश्व कप के नॉकआउट के लिए क्वालीफाई करने वाली तीसरी अफ्रीकी टीम बन गई है। दिन के अन्य ग्रुप जी मुकाबले में, स्वीडन ने अर्जेंटीना को 2-0 से हराकर ग्रुप की शीर्ष टीम के रूप में सुपर 16 में प्रवेश किया।

बतौर गेंदबाजी ऑलराउंडर अपनी भूमिका समझता हूं : शार्दुल

तारोबा, 2 अगस्त। शार्दुल ठाकुर भले ही भारतीय टीम में बतौर ऑलराउंडर अपनी भूमिका बखूबी समझते हों, लेकिन उनका ध्यान लोगों की वाहवाही हासिल करने पर बिल्कुल नहीं है। प्रतिभावान हरफनमौला शार्दुल ने मंगलवार को तीसरे वनडे में वेस्ट इंडीज के चार विकेट चटकाते हुए भारत की 200 रन की विशाल जीत में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उन्होंने इस सीरीज में 11.62 की औसत से सर्वाधिक आठ विकेट लिये और मात्र 5.31 की इकॉनमी से रन दिये। शार्दुल को इस सीरीज में बल्ले से अपना जौहर दिखाने का मौका नहीं मिला, लेकिन वह जानते हैं कि निचले क्रम में उनकी ज़रूरत कभी भी पड़ सकती है।

शार्दुल ने मैच के बाद संवाददाताओं से कहा, "पिछले कुछ वर्षों में हमारी बल्लेबाजी गहरी रही है। निचले क्रम में बल्लेबाजी करने वाले एक ऑलराउंडर के रूप में मेरा काम महत्वपूर्ण हो जाता है। बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए या एक अच्छा स्कोर खड़ा करने के लिये अगर आप तेजी से रन बनाने की कोशिश करते हैं तो एक या दो विकेट गिर सकते हैं। अगर आपका नंबर आठ और नंबर नौ सेट बल्लेबाज के साथ योगदान दे सकता है, तो इससे मदद मिलती है। इसलिये यह भूमिका महत्वपूर्ण है।"

उन्होंने कहा, "जब भी मुझे मौका मिलता है, मैं टीम की सफलता में योगदान देने की कोशिश करता हूं। जब भी मैं खेलता हूं तो बल्लेबाजी हो, गेंदबाजी हो या क्षेत्ररक्षण, मेरा विचार यही रहता है। जब शार्दुल से उनको योगदान के लिये मिलने वाले श्रेय पर सवाल पूछा गया, तो उन्होंने कहा, "ईमानदारी से कहूं तो मैंने कभी नहीं सोचा कि मुझ पर ध्यान है या नहीं। कौन मुझे देख रहा है, कौन नहीं। भारत के पास कई बेहतरीन खिलाड़ी हैं। कई बार ऐसा होगा जब पिच स्पिनरों के लिये अनुकूल होगी , वे खेलेंगे। अगर तेज गेंदबाजों के लिये कुछ मदद है, तो मुझे इसमें योगदान देने का मौका मिलेगा।"

शार्दुल ने कहा कि टीम में खेलने का मौका मिलना इस बात का सबसे बड़ा प्रमाण है कि टीम प्रबंधन उन पर भरोसा करता है। उन्होंने कहा, "टीम को मुझसे कुछ उम्मीदें हैं, इसीलिए मुझे चुना गया है और मुझे खेलने के मौके मिल रहे हैं। यह मुझ पर टीम के विश्वास का संकेत है कि मुझे ये मौके मिल रहे हैं। हम इन्हीं मौकों का इंतजार करते हैं। अगर मैं किसी सीरीज में अच्छा प्रदर्शन करता हूं तो मुझे आत्मविश्वास मिलता है, अगर नहीं कर पाता को अनुभव मिलता है। अगर आप प्रदर्शन नहीं करते हैं और इसे असफलता के रूप में देखते हैं, तो आपकी सोच गलत है।"

इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के अंक कटे, एशेज में धीमी ओवर गति के लिए जुर्माना

दुबई, 2 अगस्त। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने बुधवार को कहा कि उसने हाल में संपन्न एशेज श्रृंखला के दौरान धीमी ओवर गति के लिए इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया दोनों के अंक काटे हैं और दोनों पर मैच फीस का जुर्माना लगाया गया है। आईसीसी ने अपनी वेबसाइट पर जारी विज्ञिप्त में कहा कि इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया पर निर्धारित समय में प्रत्येक ओवर कम फेंकने के लिए एक विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) अंक का जुर्माना और मैच फीस काटी गई है। पांच टेस्ट की एशेज श्रृंखला 2-2 से बराबर रही। आईसीसी ने कहा, "संशोधित नियमों के तहत उन पर निर्धारित समय में प्रत्येक ओवर कम फेंकने के लिए मैच फीस का पांच प्रतिशत जुर्माना और एक विश्व टेस्ट चैंपियनशिप अंक काटा गया है।" डब्ल्यूटीसी चक्र 2023-25 में प्रत्येक टेस्ट जीतने पर 12 अंक और ड्रॉ होने पर चार अंक दिए जाते हैं। चौथे टेस्ट में धीमी ओवर गति के लिए ऑस्ट्रेलिया के 10 अंक काटे गए। मेजबान इंग्लैंड को हालांकि एशेज श्रृंखला में ज्यादा नुकसान हुआ और पांच में से चार टेस्ट में धीमी ओवर गति के लिए उसके 19 अंक काटे गए।

पाक को भारत में विश्व कप के लिए सुरक्षा प्रतिनिधिमंडल की स्वीकृति का इंतजार

कराची, 2 अगस्त। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड को 50 ओवर के विश्व कप के लिए राष्ट्रीय टीम को भेजने की स्वीकृति मिलने की उम्मीद है लेकिन इससे पहले एक सुरक्षा प्रतिनिधिमंडल भारत का दौरा करेगा और अपनी स्वीकृति देगा।

प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने समीक्षा करने और विश्व कप में भारत के प्रतिनिधित्व पर फैसला करने के लिए एक समिति का गठन किया है। समिति विदेशी मंत्री बिलावल भुट्टो की अध्यक्षता गुरुवार को पहली बार बैठक करेगी। समिति के करीबी एक सूत्र ने बताया, "समिति के सिफारिश करने की उम्मीद है कि एक शीर्ष स्तरीय सुरक्षा प्रतिनिधिमंडल पाकिस्तान के विश्व कप मुकाबलों के सभी आयोजन स्थलों का दौरा करने भारत जाएगा और सुरक्षा तथा अन्य इंतजामों की समीक्षा करेगा।" इस 14 सदस्यीय समिति में विभिन्न मंत्रियों और सलाहकारों को जगह मिली है। इसमें विदेश मंत्री के अलावा गृह मंत्री, कानून मंत्री, अंतर प्रांतीय समन्वयक मंत्री, सूचना एवं प्रसारण मंत्री, कश्मीर मामलों के सलाहकार, विदेश सचिव के अलावा खुफिया एजेंसियों और अन्य संवेदनशील विभाग के प्रतिनिधि शामिल है।

सूत्र ने कहा कि सैद्धांतिक रूप से पाकिस्तान के भारत में खेलने को लेकर कोई आपत्ति नहीं है लेकिन समिति आश्वासन चाहती है कि खिलाड़ियों, अधिकारियों, प्रशंसकों और मीडिया को कोई परेशानी नहीं हो। पाकिस्तान ने पिछली बार 2016 टी20 विश्व कप के लिए भारत का दौरा किया था। दोनों देशों के बीच 2012-13 से द्विपक्षीय क्रिकेट नहीं हुआ है और पिछली टेस्ट श्रृंखला भारत में 2007 में हुई थी।

युवाओं को मौके दे रहे है : रोहित और विराट को आराम दिये जाने पर बोले हार्दिक

तारोबा, 2 अगस्त। स्टार हरफनमौला हार्दिक पंड्या ने कहा कि रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे दिग्गजों को वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे और तीसरे वनडे में आराम इसलिये दिया गया ताकि विश्व कप से पहले युवा खिलाड़ियों को मौके मिल सकें। भारत ने तीन मैचो की श्रृंखला 2.1 से जीती। हार्दिक ने तीसरा वनडे 200 रन से जीतने के बाद प्रेस कांफ्रेंस में कहा ," विराट और रोहित टीम का अभिन्न अंग हैं। वैसे रूतुराज और अक्षर को भी मौका देना जरूरी था क्योंकि वे इतने साल से खेल रहे हैं। उन्हें पता हैं कि इस तरह की परिस्थितियों में कैसे खेलना है।" उन्होंने कहा ," इसका मकसद युवाओं को मौका देना था ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि अगर हमें किसी को परखना है तो उसका मौका दिया जाये।" पहले दो मैच में नाकाम रहने के बाद हार्दिक ने तीसरे मैच में 52 गेंद में नाबाद 70 रन बनाये और उन्होंने इसके लिये कोहली को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा ," मैने विराट से दो दिन पहले काफी उपयोगी चर्चा की। उसने मुझे सलाह दी। वह मुझे इतने साल से खेलते देख रहे हैं।

लारा ने गिल और किशन से कहा, तीसरी एकादश भी उतार सकता है भारत

तारोबा (त्रिनिदाद), 2 अगस्त। भारतीय क्रिकेट में युवा प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है और दिग्गज बल्लेबाज ब्रायन लारा का मानना है कि देश की सीनियर पुरुष टीम इस समय दो नहीं बल्कि 'तीसरी एकादश' भी उतार सकती है। महान बल्लेबाजों में शामिल लारा शुभमन गिल और इशान किशन के साथ बातचीत के दौरान यह बात कही। भारत ने गिल और इशान के अर्धशतक से मंगलवार को निर्णायक तीसरे एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय में वेस्टइंडीज को 200 रन से हराया।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की वेबसाइट पर डाले गए वीडियो में लारा ने भारतीय क्रिकेटरों से बात करते हुए कहा, "भारत मेरे लिए दूसरे घर की तरह है। मैंने हमेशा से भारत में युवा प्रतिभावान खिलाड़ियों को सामने आते हुए देखा है।" उन्होंने कहा, "यहां भारतीय टीम के साथ मौजूदा प्रतिभावान खिलाड़ियों को देखकर और इस समय उनके पास जितनी सारी टीम हैं उन्हें देखकर लगता है कि वे दूसरी एकादश चुन सकते हैं और यहां तक कि तीसरी एकादश भी।"

लारा ने इशान को वेस्टइंडीज के युवा क्रिकेटरों को सलाह देने को कहा। वेस्टइंडीज की टीम के प्रदर्शन में पिछले कुछ समय में लगातार गिरावट आई है। किशन ने कहा कि वेस्टइंडीज के युवा खिलाड़ियों के पास जब लारा जैसा कोई है तो उन्हें मदद के लिए किसी और की तरफ देखने की जरूरत नहीं है। किशन ने कहा, "मुझे लगता है कि जब बात इस खेल की आती है तो भूख सबसे महत्वपूर्ण चीज है। आप टीम, अपने लिए, अपने परिवार के लिए अच्छा प्रदर्शन करना चाहते हैं, यहां वेस्टइंडीज में इतने सारे शानदार खिलाड़ी हैं जिनसे वे हमेशा बात कर सकते हैं, आपके जैसे लोग।" उन्होंने कहा, "वे आपके (लारा के) पास आ सकते हैं और इसके बारे में इस खूबसूरत अकादमी में बात कर सकते हैं, आपके अनुभवी और सभी चीजों से उन्हें काफी कुछ सीखने को मिलेगा। इन छोटी चीजों से युवाओं को मदद मिलेगी।" गिल ने कहा कि लारा की प्रवाहमय बल्लेबाजी से उन्हे काफी प्रेरित किया।

लारा ने कहा कि वह इन दो युवा खिलाड़ियों को स्टेडियम या अपने नाम पर बनी अकादमी में देखकर बेहद खुश हैं। बातचीत के दौरान इशान ने कहा कि एक बार उन्हें इंस्टाग्राम पर लारा का संदेश मिला था जिससे वह स्तब्ध थे क्योंकि वह उनके दर्जे के खिलाड़ी से ऐसी उम्मीद नहीं कर रहे थे। उन्होंने कहा, "मेरे लिए सबसे महत्वपूर्ण चीज वे कहानियां हैं जो मैंने सुनी हैं, जैसे आप हमेशा लंच तक बल्लेबाजी करने की कोशिश करने थे और अगर आप पिच पर होते थे तो आप अभ्यास के लिए जाते थे और फिर दोबारा बल्लेबाजी के लिए आते थे।

एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी के जरिये एशियाई खेलों की तैयारी को पुख्ता करने उतरेगी भारतीय टीम

चेन्नई, दो अगस्त। खिताब की प्रबल दावेदार और तीन बार की चैम्पियन भारतीय टीम यहां बृहस्पतिवार से शुरू हो रही एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी के जरिये एशियाई खेलों की अपनी तैयारी पुख्ता करने के इरादे से उतरेगी। विश्व रैंकिंग में चौथे स्थान पर काबिज भारत टूर्नामेंट की सर्वोच्च रैंकिंग वाली टीम है और यहां राधाकृष्णन स्टेडियम पर चीन के खिलाफ अपने अभियान का आगाज करेगी। इस मैदान पर 2007 के बाद पहली बार कोई बड़ा टूर्नामेंट हो रहा है। भारत 2011 के बाद पहली बार एसीटी की मेजबानी कर रहा है। भारतीय टीम का मकसद अपने खिलाड़ियों को आजमाना और एशियाई प्रतिद्वंद्वियों का आकलन करना होगा। एशियाई खेल चीन के हांगझोउ में 23 सितंबर से आठ अक्टूबर के बीच खेले जायेंगे। एशियाई खेलों के जरिये पेरिस ओलंपिक का सीधे टिकट मिलेगा लिहाजा भारतीय टीम एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी को हलके में नहीं लेगी। इसके साथ ही खिलाड़ियों को एशियाई खेलों के लिये तरोताजा और चोटमुक्त भी रखना होगा। एशियाई खेलों से महज पांच सप्ताह पहले एसीटी के आयोजन पर टीमों ने ऐतराज जताया है लेकिन भारत के मुख्य कोच क्रेग फुल्टोन ने कहा ,"आपको मैच अभ्यास चाहिये और इसलिये खेलना जरूरी है। अच्छी बात यह है कि इसका आयोजन भारत में ही हो रहा है।" उन्होंने कहा ," हम सकारात्मक और नकारात्मक दोनों पक्ष देख रहे हैं। हमें अतिरिक्त खिलाड़ियों को भी देखना होगा क्योंकि चोट किसी भी टीम या खिलाड़ी के लिये अच्छी नहीं होती।" भारतीय कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने कहा है कि उनकी टीम चतुराई से खेलेगी और एशियाई खेल प्राथमिकता होने के कारण अपनी तरकश के सारे तीर नहीं निकालेगी। तोक्यो ओलंपिक कांस्य पदक विजेता भारतीय टीम इस साल भुवनेश्वर और राउरकेला में हुए विश्व कप में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सकी। भारतीय टीम विश्व कप में नौवें स्थान पर रही जिसके बाद से उसने 16 मैच खेलकर नौ जीते, पांच गंवाये और दो ड्रॉ खेले। भारत चार देशों के यूरोप दौरे से लौटकर इसमें भाग ले रहा है। स्पेन के खिलाफ उसका आखिरी मैच तीन दिन पहले ही हुआ है और यहां विपरीत हालात में उसे एसीटी में चीन के खिलाफ पहला मैच खेलना है। भारतीय टीम को अपने पेनल्टी कॉर्नर पर खास ध्यान देना होगा। हरमनप्रीत, वरूण कुमार, अमित रोहिदास और जुगराज सिंह जैसे ड्रैग फ्लिकरों के होते हुए भारत का पेनल्टी कॉर्नर तब्दीली का औसत बहुत खराब रहा है। कोच फुल्टोन ने हालांकि कहा ," हमारे पास विश्व स्तरीय पेनल्टी कॉर्नर विशेषज्ञ हैं। विरोधी टीमों को भी इसका पता है और वे पेनल्टी कॉर्नर गंवाने से बचने पर फोकस करती है। हम पेनल्टी कॉर्नर बनाने और उन्हें भुनाने पर फोकस करेंगे। प्रदर्शन में सुधार की गुंजाइश हमेशा रहती है।" एसीटी में भारत ने 2011, 2016 में खिताब जीता और 2018 में फाइनल बारिश में धुलने के कारण पाकिस्तान के साथ संयुक्त विजेता रही। भारत ने 2012 में रजत और 2021 में कांस्य पदक जीता था। दूसरी ओर चीन का यह इस साल का पहला प्रतिस्पर्धी टूर्नामेंट है। पहले दिन अन्य मैचों में पाकिस्तान का सामना मलेशिया से और दक्षिण कोरिया का जापान से होगा।

15वीं विधानसभा के आखिरी सत्र में आखिरी दिन विपक्ष का जोरदार हंगामा

विपक्ष ने मदन दिलावर की निलंबन वापसी, लाल डायरी और प्रदेश में बढ़ते महिला दुष्कर्म पर चर्चा की मांग की थी

- शोर-शराबे में गुजरा पूरा दिन, सदन अनिश्चितकाल के लिए स्थगित किया।
- भाजपा ''मदन नहीं तो सदन नहीं'' की मांग पर अड़ी रही, सरकार ने पांच बिल 24 मिनट में पारित किये।
- डायरी छीन कर ले जाना गलत, दिलावर ने कुछ गलत नहीं किया: राजेन्द्र राठौड़

जयपुर, 2 अगस्त (वि.सं.)। प्रदेश में बढ़ते महिला दुष्कर्म मामलों, लाल डायरी पर चर्चा और भाजपा विधायक मदन दिलावर की निलंबन वापसी की मांग को लेकर 15वीं विधानसभा के आखिरी सत्र के आखिरी दिन विपक्ष ने जोरदार हंगामा किया। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सी.पी.जोशी ने सदन की परंपराओं का वास्ता देकर प्रश्नकाल तो पूरा करवा लिया, लेकिन, शून्यकाल हंगामे में निकला। सदन को दो बार स्थगित करना पड़ा और आखिर में हंगामे के बीच, मात्र 24 मिनट में ही पांच बिल पारित करवाकर सदन को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया। इस दौरान मदन दिलावर और राजेन्द्र गुढ़ा का निलंबन रद्द नहीं हुआ और दोनों ही विधानसभा से निलम्बित रहेंगे।

प्रश्नकाल शुरू होते ही नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ ने विधायक मदन दिलावर के निलंबन का मामला उठाते हुए अपनी बात रखनी चाही, तो अध्यक्ष जोशी ने यह कहकर मना कर दिया कि, शून्यकाल में आपको अपनी बात रखने का मौका दिया जायेगा। इस पर भाजपा विधायक नारेबाजी करते हुए वैल में आ गये तो अध्यक्ष ने सदन की परंपराओं का हवाला देकर उन्हें यह आश्वासन दिया कि शून्यकाल में उन्हें अपनी बात कहने का पूरा मौका मिलेगा। फिर भाजपा विधायकों ने प्रश्नकाल पूरा होने दिया।

बाद में जैसे ही शून्यकाल शुरू हुआ तो व्यवस्थाएं देने के बाद अध्यक्ष ने राजेन्द्र राठौड़ को अपनी बात कहने को कहा। राजेंद्र राठौड़ ने भाजपा विधायक मदन दिलावर के निलंबन को वापस लेने की मांग करते हुए लाल डायरी को लेकर उठ रहे सवालों का जिक्र किया। जब उन्होंने कांग्रेस विधायकों पर लाल डायरी छीनने का आरोप लगाया तो हंगामा हो गया। संसदीय कार्य मंत्री शांति धारीवाल, जलदाय मंत्री महेश जोशी, कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा व अन्य कांग्रेस विधायकों ने राठौड़ द्वारा मामला उठाते ही कड़ी आपत्ति की। इसके बाद सदन पहली बार 12 बजकर 09 मिनट पर आधे घंटे के लिये स्थगित कर दिया गया। दूसरी बार सदन 12.39 बजे शुरू हुआ तो स्थगन प्रस्तावों पर चर्चा चलती रही लेकिन भाजपा विधायक वैल में ही नारेबाजी करते रहे। काफी देर तक नारेबाजी हुई तो अध्यक्ष ने दोबारा सदन की कार्यवाही 1.02 बजे स्थगित कर दी। इसके बाद सदन 1.32 बजे फिर शुरू हुआ तो हंगामे के बीच 24 मिनट में ही पांच विधेयक पास करवा लिये गये और 1.56 बजे सदन अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया।

शून्यकाल में अध्यक्ष जोशी से बोलने की अनुमति मिलने के बाद राजेंद्र राठौड़ ने कहा कि, 21 जुलाई को जब मणिपुर की घटना के जिक्र पर हम एन.सी.आर.बी. (नैशनल क्राइम रिकॉर्ड्स ब्यूरो) के आंकड़ों पर बात करते हुए सरकार से जवाब मांग रहे थे, उसी समय तत्कालीन राज्यमंत्री राजेन्द्र गुढ़ा उठे, उन्होंने राजस्थान की आज की स्थिति में बलात्कार के मामलों को लेकर सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि, हालात ठीक नहीं हैं, उनको बर्खास्त किया, यह आपका मामला है। मंत्री परिषद में मुख्यमंत्री किसको रखेंगे, यह उनका विवेकाधिकार है। तत्कालीन राज्य मंत्री ने जब लाल डायरी सदन में टेबल करनी चाही तो सदन में गुस्से का वातावरण बना। सत्ता पक्ष के दोनों गुटों में जिस तरह का झगड़ा हुआ, उसमें रामगंज मंडी से आने वाले विधायक मदन दिलावर वैल में आए थे। लेकिन, उनका ऐसा कोई कृत्य नहीं था कि उन्हें निलंबित किया जाता। आखिरी सत्र है, इसका हम गरिमापूर्ण समापन करना चाहते हैं। हम चाहते हैं कि, हम आपके साथ फोटोग्राफ में भी रहें। एक सदस्य, जिसका कोई कसूर नहीं है, उसका इस प्रकार निलंबन उचित नहीं है।

अमेरिका की क्रेडिट रेटिंग घटी

- यह खबर आते ही भारतीय शेयर बाजार में हड़कम्प की स्थिति बन गई।

मुंबई, 2 अगस्त (वार्ता)। फिच के अमेरिका की साख रेटिंग घटाने से वैश्विक बाजार में आई गिरावट से हतोत्साहित निवेशकों की स्थानीय स्तर पर हुई चौतरफा बिकवाली से आज शेयर बाजार में कोहराम मच गया। बीएसई का संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 676.53 अंक अर्थात् 1.02 प्रतिशत का गोता लगाकर करीब तीन सप्ताह बाद 66 हजार अंक के मनोवैज्ञानिक स्तर से नीचे 65,782.78 अंक पर आ गया। इससे पहले यह इस वर्ष 13 जुलाई को 65, 558.89 अंक पर रहा था। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ़्टी 207 अंक यानी 1.05 प्रतिशत लुढ़क कर 19,526.55 अंक पर रहा। बीएसई की दिग्गज कम्पनियों की तरह मझौली और छोटी कम्पनियों में भी बिकवाली का दबाव रहा। इससे मिड कैप 1.39 प्रतिशत की गिरावट लेकर 29,926.19 अंक पर आ गया।

गौरव गोगोई राजस्थान स्क्रीनिंग कमेटी के अध्यक्ष बने

- कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने राजस्थान, मध्य प्रदेश और तेलंगाना की स्क्रीनिंग कमेटी घोषित की।
- मध्य प्रदेश स्क्रीनिंग कमेटी का चेयरमैन जितेन्द्र सिंह को बनाया गया है।

जयपुर, 2 अगस्त (का.प्र.)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी ने विधानसभा चुनाव 2023 के लिए राजस्थान और मध्यप्रदेश के लिए स्क्रीनिंग कमेटी की घोषणा कर दी है। राजस्थान में सांसद गौरव गोगोई को स्क्रीनिंग कमेटी का चेयरमैन बनाया गया है। उनके साथ गणेश गोदियाल और अभिषेक दत्त को सदस्य बनाया गया है।

राजस्थान की स्क्रीनिंग कमेटी में इन तीनों के अलावा प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, राजस्थान कांग्रेस के प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा, विधानसभा अध्यक्ष डॉ सीपी जोशी, विधायक सचिन पायलट सहित तीनों सह प्रभारी, काजी निज़ामुद्दीन. वीरेंद्र सिंह राठौड़ और अमृता धवन को भी सदस्य बनाया गया है।

इसी के साथ मध्यप्रदेश के लिए स्क्रीनिंग कमेटी का ऐलान करते हुए जितेन्द्र सिंह को स्क्रीनिंग कमेटी का चेयरमैन बनाया गया है। वहीं, अजय कुमार लल्लू और सप्तगिरि इलाका को सदस्य बनाया गया है।

इन्हीं के साथ पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ, विधायक दल के नेता गोविंद सिंह, मध्य प्रदेश के प्रभारी जे.पी. अग्रवाल, पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह, कैम्पेन कमेटी के अध्यक्ष कांतिलाल भूरिया, कमलेश्वर पटेल सहित सह प्रभारियों को सदस्य बनाया गया है।

इसी के साथ छत्तीसगढ़ के लिए स्क्रीनिंग कमेटी का अध्यक्ष अजय माकन को बनाया गया है। वही उनके साथ डॉ एल हनुमंथप्पा और महिला कांग्रेस की अध्यक्ष नेटा डिसूज़ा को सदस्य बनाया गया। वहीं प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष दीपक बैज, मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, प्रदेश प्रभारी कुमारी शैलजा, उपमुख्यमंत्री टी एस सिंह देव और सह प्रभारियों को सदस्य बनाया गया है।

के. मुरलीधरण को तेलंगाना की स्क्रीनिंग कमेटी का अध्यक्ष बनाया गया है। उनके साथ बाबा सिद्दीकी और जिग्नेश मेवानी को सदस्य बनाया गया है।

इसी के साथ प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष रेवंथ रेड्डी, सीएलपी लीडर मल्लू भट्टी विक्रमर्का, प्रभारी मानिकराव ठाकरे, सांसद एन उत्तम कुमार रेड्डी और सह प्रभारियों को सदस्य बनाया गया है।

सुप्रीम कोर्ट में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सुप्रीम कोर्ट ने याचिका पर सुनवाई करते हुए दिल्ली के प्रशासन को विहिप-बजरंग दल की रैली में कोई ''हेट स्पीच'' नहीं होने की बात सुनिश्चित करने का आदेश दिया और सुरक्षा के लिए आवश्यक प्रबंध करने को कहा।

कोर्ट ने अपने आदेश में कहा है कि ''हमें उम्मीद है और भरोसा भी, कि राज्य पुलिस यह सुनिश्चित करेगी कि किसी भी समुदाय के खिलाफ ''हेट स्पीच'' ना हो, ना ही किसी समुदाय के खिलाफ हिंसा हो व उनकी सम्पत्ति को नुकसान पहुंचाया जाए।

जहां भी जरूरी हो अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात किया जाए। सी.सी.टी.वी. कैमरा का इस्तेमाल हो, संवेदनशील क्षेत्रों में वीडियो रिकॉर्डिंग की जाए। सी.सी.टी.वी. की फुटेज सुरक्षित रखी जाए।''

मोदी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जनगणना का विरोध करती आ रही है क्योंकि उसका मानना है कि इससे पार्टी द्वारा ओ.बी.सी. समुदाय के साथ सुविचारित रूप से बनाये गये समीकरण बिगड़ जायेंगे।

'लोकसभाध्यक्ष ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सरकार (संशोधन) विधेयक 2023 आज लोकसभा में चर्चा और पारित होने के लिए तय था लेकिन स्थगन के कारण इस पर चर्चा और मतदान नहीं हो सके। इससे भाजपा का व्हिप बेअसर हो गया।

चैनल पर समाचार ने सूत्रों का हवाला देते हुए कहा कि बिड़ला मंगलवार को लोकसभा में विधेयक पारित होने से पहले विपक्ष और सरकार दोनों से नाराज़ थे।

सूत्रों का कहना है कि अध्यक्ष सदन की गरिमा को उच्चतम रखता है और सदस्यों से भी कार्यवाही के दौरान शालीनता चाहता है।

विपक्ष और सरकार दोनों को बता दिया गया है कि 20 जुलाई को मानसून सत्र आरंभ होने के बाद से लगातार हो रहे व्यवधान से अध्यक्ष नाराज़ हैं।

विशेषज्ञों का मानना है कि अध्यक्ष संसदीय गरिमा का संरक्षक होता है और उसे अधिकार है कि प्रधानमंत्री को वक्तव्य देने के लिए बाध्य कर सके। विपक्ष के अविश्वास प्रस्ताव को वैधानिक 10 दिनों के अंतिम दिन चर्चा में लेने और महत्वपूर्ण विधेयकों को पारित होने देने से अध्यक्ष की स्थिति और भूमिका सही नज़र नहीं आती।

इसलिए विशेषज्ञ इस खबर को गंभीरता से नहीं ले रहे क्योंकि जितना दिखाई देता है उससे कुछ ज्यादा है।

'अगर माफी ही मांगनी होती तो बहुत पहले ही मांग लेता'

- सुप्रीम कोर्ट में राहुल गांधी ने यह बात कहकर स्पष्ट कर दिया कि, मोदी सरनेम टिप्पणी पर मानहानि मामले में संसद की सीट खोने के बाद भी राहुल गांधी झुकने को तैयार नहीं हैं।
- सुप्रीम कोर्ट में दिए हलफनामे में राहुल गांधी ने कहा कि, वे इस अपराध के लिए दोषी नहीं हैं। और अगर उन्हें माफी मांगनी ही होती तो बहुत पहले ही मांग लेते।

नई दिल्ली, 2 अगस्त। ऐसा लगता है कि, मोदी उपनाम टिप्पणी पर मानहानि का मामले में सांसदी जाने के बाद भी राहुल गांधी झुकने को तैयार नहीं हैं। राहुल गांधी ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि उन्होंने हमेशा कहा है कि वह इस अपराध के लिए दोषी नहीं हैं और दोषसिद्धि टिकाऊ नहीं है और अगर उन्हें माफ़ी मांगनी होती और अपराध को कम करना होता, तो उन्होंने बहुत पहले ही ऐसा कर लिया होता।

मोदी सरनेम मामले में राहुल गांधी अपनी सांसदी पहले ही गंवा चुके हैं। अब वो फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में जा चुके हैं। सुप्रीम कोर्ट में दिए हलफनामे में राहुल गांधी ने कहा कि वह इस अपराध के लिए दोषी नहीं हैं। और अगर उन्हें माफी मांगनी ही होती तो बहुत पहले ही मांग लेते। मामले में शिकायतकर्ता और गुजरात के भाजपा विधायक पूर्णेश ईश्वरभाई मोदी ने सुप्रीम कोर्ट के समक्ष अपने जवाब में गांधी के लिए अहंकारी जैसे शब्दों का इस्तेमाल किया। कहा कि उन्होंने माफी मांगने को तैयार नहीं हैं।

राहुल गांधी के हलफनामे में कहा गया है कि बिना किसी गलती के माफी मांगने का कोई मतलब नहीं बनता है। जन प्रतिनिधित्व होने के नाते उन्होंने एक रैली में ऐसा बयान दिया था। उनके खिलाफ इस मामले में जो फैसला लिया गया वह न्यायिक प्रक्रिया का घोर दुरुपयोग है और इस न्यायालय द्वारा इसे स्वीकार नहीं किया जाना चाहिए।

गौरतलब है कि 13 अप्रैल 2019 में कर्नाटक के कोलार में एक चुनावी रैली के दौरान राहुल गांधी ने नीरज मोदी का जिक्र करते हुए कहा था कि सारे मोदी चोर क्यों हैं? इस मामले में राहुल गांधी के खिलाफ गुजरात के भाजपा विधायक पूर्णेश मोदी ने गुजरात की एक अदालत में अपील दायर की थी। जिसमें अदालत ने राहुल गांधी को दो साल कैद की सजा सुनाई।

20 यूनिवर्सिटी फर्जी घोषित

नई दिल्ली, 2 अगस्त। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने बुधवार को 20 विश्वविद्यालयों को फर्जी घोषित कर दिया। ऐसे में उन्हें कोई भी डिग्री प्रदान करने का अधिकार नहीं है। दिल्ली में ऐसे सबसे अधिक आठ संस्थान हैं। यूजीसी के इस कदम का उद्देश्य छात्रों को गैर-मान्यता प्राप्त और धोखाधड़ी वाले संस्थानों से शिक्षा प्राप्त करने के जाल में फंसने से बचाना है। छात्रों और उनके अभिभावकों के लिए नामांकन से पहले विश्वविद्यालयों की मान्यता को सत्यापित करना महत्वपूर्ण है। यूजीसी सचिव मनीष जोशी ने बताया कि आयोग के संज्ञान में आया है कि कई संस्थान यूजीसी अधिनियम के प्रावधानों के विपरीत डिग्री प्रदान कर रहे हैं। ऐसे विश्वविद्यालयों द्वारा प्रदान की गई डिग्री न तो मान्यता प्राप्त होगी और न ही उच्च शिक्षा या रोजगार के उद्देश्य से मान्य होगी। उन्होंने कहा कि ये विश्वविद्यालय नहीं हैं और इन्हें कोई भी डिग्री प्रदान करने का अधिकार है।

'भाजपा के प्रदर्शन से हाई कोर्ट की कार्यवाही बहुत बाधित हुई'

हाई कोर्ट ने पुलिस के आला अधिकारियों को तलब किया, इस व्यवस्था के लिये

- हाई कोर्ट गुरूवार को कोर्ट शुरू होते ही, इस मामले को लेगी।

जयपुर, 2 अगस्त (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने, मंगलवार को भाजपा के सचिवालय घेराव के दौरान शहर में घंटों लगे जाम के कारण हाईकोर्ट की कार्यवाही बाधित होने पर नाराजगी जताई है। अदालत ने इस मामले में स्वप्रेरणा से प्रसंज्ञान लेते हुए इस अव्यवस्था के लिये पुलिस के आला अधिकारियों को यह तलब किया। जस्टिस समीर जैन ने बुधवार को यह आदेश देते हुए मामले की सुनवाई गुरुवार को तय की है। हाईकोर्ट इस मामले की सुनवाई कोर्ट शुरू होते ही लेगा।

इस मामले में अधिवक्ता सुनील नाथ को न्यायमित्र बनाया गया है। सरकार की ओर से अधिवक्ता आर.पी.सिंह अदालत में पैरवी के लिये पेश हुए। सुनवाई के दौरान अदालती आदेश की पालना में पुलिस के आला अधिकारी अदालत में हाजिर हुए। अदालत ने अधिकारियों से बीच शहर रैली निकालने की अनुमति के बारे में जानकारी मांगी।

अदालत ने पूछा कि, संबंधित अधिकारी के खिलाफ एफ.आई.आर. दर्ज करने के आदेश देते हुए स्वप्रेरणा से अवमानना का प्रसंज्ञान क्यों न लिया जाए?

अदालत ने कहा कि, शहर के बीच रैली नहीं निकाली जा सकती क्योंकि जाम के कारण लोग कई घंटों तक सड़कों पर फंसे रहे और इससे हाईकोर्ट की कार्यवाही बाधित हुई। बच्चों को स्कूल से घर पहुंचने के लिए दो घंटे का इंतजार करना पड़ा।

अदालत ने कहा कि, हाईकोर्ट के साथ ही सुप्रीम कोर्ट पूर्व में तय कर चुका है कि, आम रास्ते पर जाम नहीं लगाया जा सकता। इसके बावजूद भी रैली के लिए अनुमति दी गई। इसके साथ ही अदालत ने मामले की सुनवाई गुरुवार को रखी है।

रेल्वे का नया ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज़्म कॉर्पोरेशन (आई.आर.सी.टी.सी.) अगले दिन ऑटोमैटिक रिफंड प्रक्रिया शुरु हो जाती है।

रिफंड राशि उसी पेमैन्ट गेटवे/बैंक के जरिय दी जाती है, जिसके माध्यम से राशि प्राप्त थी। सामान्यत: ट्रांजेक्शन मोड के अनुरूप, रिफंड प्रक्रिया में बैंक को कुछ समय लगता है।

नैट बैंकिंग/वालेट/कैश कार्ड ट्रांजेक्शन में 3-4 कार्य दिवस का समय लगता है।

मंत्री ने यात्रियों से यह भी अनुरोध किया कि वे मोबाइल ऐप तथा ''बुक नाउ, पे लैटर (बुकिंग अभी, पैसा बाद में) या ई.एम.आई. से भुगतान के विकल्प का लाभ उठाएं।

अक्टूबर से ऑनलाइन गेमिंग पर 28 प्रतिशत जी.एस.टी लगेगी

- जी.एस.टी. काउन्सिल की बैठक में ऑनलाइन गेमिंग और कसीनो पर 28 प्रतिशत जी.एस.टी. लागू करने के फैसले पर सहमति बनी

नयी दिल्ली, 2 अगस्त (वार्ता)। ऑनलाइन गेमिंग और कसीनो पर 28 प्रतिशत वस्तु एवं सेवार कर (जीएसटी) लगाये जाने के निर्णय में कोई बदलाव नहीं हुआ है और यह निर्णय एक अक्टूबर से प्रभावी हो सकता है क्योंकि सरकार इससे संबंधित संशोधन को मानसून सत्र में ही संसद से पारित करा सकती है।

जीएसटी परिषद की आज हुयी 51वीं बैठक के बाद परिषद की अध्यक्ष एवं वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने संवाददाताओं को यह जानकारी दी और कहा कि इससे संबंधित संशोधन को केन्द्रीय जीएसटी कानून में सम्माहित किया जायेगा और इसे मानसून सत्र में ही पारित कराने की कोशिश की जायेगी। उन्होंने कहा कि केन्द्रीय जीएसटी कानून में संशोधन के बाद राज्यों को अपने यहां भी इस कानून को राज्य जीएसटी कानून में संशोधन करना होगा और इससे संबंधित विधेयक को पारित होने के बाद ही लागू किया जायेगा। उन्होंने कहा कि इसके प्रभावी होने पर छह महीने तक इसकी समीक्षा की जायेगी और उसके बाद यदि जरूरत हुआ तो इसमें संशोधन किया जा सकता है।

'बिना हिसाब-किताब किए रेवड़ियाँ बांट रही है कांग्रेस, ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

रही है: ''कांग्रेस ने इस बात की जानकारी के बिना, उतावलेपन में वादे कर दिये थे कि इन गारंटियों के लिये पैसा कहाँ से आयेगा, तथा सरकार बनने के बाद चन्द सप्ताहों में ही राज्य की अर्थव्यवस्था को अव्यवस्था की स्थिति में पहुँचा दिया।''

संसदीय कार्य मंत्री प्रहलाद जोशी ने कांग्रेस पर प्रहार करते हुये कहा, ''सत्ता की भूखी कांग्रेस के पास न तो उसके द्वारा किये गये वादों के लिये पैसा है और न विकास के लिये। उपमुख्यमंत्री द्वारा यह स्वीकार किया जाना दर्शाता है कि यह सरकार दृष्टिविहीन एवं गैर जिम्मेदार है।''

पूर्व मुख्यमंत्री बासवराजह बोम्मई ने शिवकुमार के स्वीकरण पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुये और भी ज्यादा तीखे प्रहार किये तथा कहा कि राज्य का भविष्य खराब है। उन्होंने कहा, ''विकास के बिना, राज्य दो साल तक परेशानी उठायेगा, दो साल तक विकास-कार्य न होने स राज्य दस साल पीछे चला जायेगा। कांग्रेस के अंदर भी इस बात को लेकर अंदरूनी तू-तू, मैं-मैं हो रही है।'' भाजपा नेता, अपनी पराजय के बाद से ही, मुख्यमंत्री तथा उपमुख्यमंत्री के बीच जबरदस्त मतभेदों के चलते, कांग्रेस सरकार के गिरने की भविष्यवाणियाँ करते आ रहे हैं। चुनाव से पहले, ये दोनों एक हो गये थे तथा उनकी एकता के परिणाम कांग्रेस के हित में रहे थे।

कांग्रेस कर्नाटक सरकार के कार्यों की महत्ता को अच्छी तरह समझती है क्योंकि वह आम चुनावों से पहले सरकार के काम सबके आगे रखना चाहती है। यही कारण है कि भाजपा के प्रहार इतनी तेजी एवं कठोरता लिये हुये हैं।

साफ बात यह है कि भाजपा कांग्रेस पर ये तीखे हमले ऐसे समय पर कर रही है, जब कांग्रेसी विधायक इस बात से दुखी हैं कि उनके चुनाव क्षेत्रों में विकास करने के लिये सरकार के पास पैसा नहीं है।

सच तो यह है कि कांग्रेस के बहुत से विधायकों ने इस बात की शिकायत भी की है तथा दिल्ली का कांग्रेस नेतृत्व को उनकी अप्रसन्नता की जानकारी है।

कांग्रेस कर्नाटक में अच्छा प्रदर्शन करने के महत्व को अच्छी तरह जानती है। वस्तुत: कर्नाटक सरकार का सुशासन या असफलता लोकसभा के आम चुनावों में इस राज्य के लिय ही नहीं, अन्य राज्यों के लिये भी बहुत महत्वपूर्ण होगी।

यही कारण है कि कांग्रेस का केन्द्रीय नेतृत्व भी कर्नाटक की पार्टी राजनीति में कुछ फेरबदल करने पर विचार कर रही है। सूत्रों का कहना है कि कर्नाटक के दो मंत्रियों को लोकसभा चुनावों में खड़ा किया जा सकता है।

कर्नाटक के नेता, जिनमें मुख्यमंत्री एस. सिद्धारमैया भी शामिल हैं, लोकसभा चुनावों के बारे में चर्चा करने के लिये दिल्ली आये हुये हैं। राज्य के कुछ नेताओं, जिनमें राज्य के कुछ मंत्री भी शामिल हैं, को लोकसभा चुनाव में खड़ा किया जा सकता है।

मणिपुर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मणिपुर पर चर्चा करवाने के लिए प्रस्ताव भी रद्द कर दिये और कहा कि मीडिया ने गलत जानकारी दी है कि वे इस पर चर्चा के लिए सिर्फ ढाई घंटे देंगे। उन्होंने कहा चर्चा के लिए समय की सीमा नहीं है।

फर्जी लैब्स के कारण पनप रहा है...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

तथा राज्य सरकार दोनों कानून कायदे बना सकते हैं। और बजट भी आवंटित कर सकते हैं। वर्तमान स्थिति में क्लीनिकल एस्टैबलिशमेंट एक्ट के तहत केन्द्र सरकार लैब्स के संचालन के लिए न्यूनतम मानक तो तय कर सकता है परंतु इन लैब्स को पंजीकृत करने की जिम्मेदारी राज्य सरकारों की ही है। इसलिए राज्य सरकार का कहना कि उन्हें क्लीनिकल एस्टैबलिशमेंट एक्ट, जो वो स्वयं 2013 में पारित कर चुकी है, कि क्रियान्विति के लिए केन्द्र से बजट की आवश्यकता है, अपनी जिम्मेदारियों को नकारने के बराबर है। उल्लेखनीय है कि राजस्थान हाई कोर्ट ने अवैध मैडिकल लैब्स के संचालन को रोकने और लैब्स का रेगूलेशन करने पर स्वत: संज्ञान लेते हुए कई आदेश भी पारित किए थे। फिर 2020 में केंद्र सरकार द्वारा लैब्स के मानक तय किए जाने के बाद हाई कोर्ट ने यह कहते हुए इस मामले का निस्तारण कर दिया कि उक्त लैब्स के रेगूलेशन के लिए नियम कायदे कानून तय कर दिए गए हैं परंतु कानून में त्रुटियां या उसकी अवहेलना की शिकायत हो तो कोई भी याचिकाकर्ता अदालत का दरवाजा खटखटा सकता है। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि ना केवल राजस्थान हाई कोर्ट में बल्कि दिल्ली, गुजरात, हरियाणा, महाराष्ट्र और अन्य हाई कोर्ट में भी अवैध लैब्स को बंद कराने से संबंधित मामले चल रहे हैं परंतु इन मामलों पर सुनवाई बहुत कम बार हुई है। इससे यह भी साफ जाहिर होता है कि अवैध लैबों का तंत्र देश के हर प्रदेश में फैला हुआ है।

परंतु राज्य सरकार को लैब्स के पंजीयन नहीं करने की जिम्मेदारी से दोष मुक्त नहीं किया जा सकता। प्रदेश के बड़े-बड़े अस्पतालों और लोब्स में कार्यरत डॉक्टरों का कहना है कि प्रदेश में अवैध रूप से करीब दस हजार से पन्द्रह हजार मैडिकल लैब हैं। इनमें से ज्यादातर तो सैम्पल 'कलैक्शन सैंटर' मात्र हैं जिनके पास ना तो कोई स्टाफ है और ना ही कोई मशीने, जिससे टैस्ट किया जा सके। यहां से केवल 'फर्जी रिपोर्ट' ही जारी की जाती है।

भामाशाह योजना के तहत बीमा योजना का कवर 10 लाख रूपये तक है, जैसा कि विदित है की भामाशाह योजना को न्यू इंडिया अश्योरेंस द्वारा कवर किया जाता था। उल्लेखनीय है कि भामाशाह योजना के तहत कवर देने का अनुबंधन न्यू इंडिया अश्योरेंस के साथ खत्म कर दिया गया है। इस अनुबंधन को हटाने के कई कारण हो सकते हैं जैसे की न्यू इंडिया अश्योरेंस को हुआ भारी घाटा क्योंकि इस योजना में एक निहित खामी यह भी है की फ्री इलाज और फ्री दवाईयों के दौर में अस्पतालों ने मरीज़ों को अनुचित व अनावश्यक टैस्ट व इलाज कराने का प्रोत्साहन भी दिया। परंतु मुख्यमंत्री गहलोत ने यह आरोप लगाया था कि इस योजना के तहत 2600 करोड़ का घोटाला हुआ था।

यह खोज खबर मुख्यमंत्री के इस दावे की पुष्टि नहीं करती है कि प्रदेश में 2600 करोड़ का घोटाला हुआ था या हो रहा है। परंतु यह स्पष्ट है कि मुख्यमंत्री ने केवल योजना का नाम बदलकर, उसके अंतर्गत कवर की राशि बढ़ाई है, पर भ्रष्टाचार को रोकने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाये।

दरहसल चिरंजीवी जैसी योजना, जिनकी 80 प्रतिशत फंडिंग केन्द्र सरकार व उसकी न्यू इंडिया इंश्योरेंस एजेंसी करती है, कार्ड होल्डर द्वारा तभी उपयोग में लाई जा सकती है जब वह अस्पताल में दाखिला ले चुके हो। परंतु अस्पताल के दाखिले के पूर्व सारे मैडिकल टैस्ट या जांच मैडिकल लैब्स में ही की जाती है और इन्हीं मैडिकल रिपोर्ट की तर्ज पर इलाज व उसका इंश्योरेंस क्लेम बनाया जाता है। उल्लेखनीय है कि सरकारी कर्मचारी व अफसर अपनी मैडिकल जांच का भुगतान ''राजस्थान गर्वमेंट हैल्थ स्कीम'' (आर.जी.एच.एस.) के द्वारा करवा सकते हैं। पर यहां भी हैरानी की बात यह है कि आर.जी.एच.एस. स्कीम के तहत कई प्राईवेट व सरकारी अस्पताल इम्पैनल तो किए गए हैं परंतु कोई भी मैडिकल लैब इम्पैनल नहीं की गई है।

केन्द्र सरकार की सेंट्रल गवरमेंट हैल्थ स्कीम (सी.जी.एच.एस.) या सेना की समानान्तर हैल्थ सेवा के अंतर्गत मैडिकल लैब्स को इम्पैनल किया गया है ताकि इन दोनों स्कीम के तहत लाभ उठाने के लिए इम्पैनल्ड लैब से ही टैस्ट करा सके।

दरहसल छोटे जिलों या शहरों में ऐसे कई अस्पताल होते हैं, जहां सभी तरीके के टैस्ट उपलब्ध नहीं होते, इसलिए लैब्स की आवश्यकता होती है, जहां वे टैस्ट करवाएं जा सके जो अस्पतालों में नहीं होते हैं। किसी भी छोटे या बड़े अस्पताल को जटिल या महंगे टैस्ट, जो आमतौर पर उस अस्पताल के परिसर के अंदर उपलब्ध नहीं होते, उसे वह टैस्ट बाहर से कराने के लिए सरकारी समिति से स्वीकृति लेनी पड़ती है। परंतु डॉक्टरों के अनुसार यह प्रक्रिया जटिल है और भ्रष्टाचार से पूर्ण है। सूत्रों के अनुसार इस जटिलता, भ्रष्टाचार और भुगतान में अनिमयताओं कई बड़े अस्पताल, जैसे फोर्टस, आर.जी.एच.एस.स्कीम के अंतर्गत आने वाले मरीजों को पांच दिन से अधिक अवधि तक भर्ती देना बंद कर दिया। क्योंकि राज्य सरकार समय पर क्लेम का भुगतान नहीं कर रही थी।

आर.जी.एच.एस. के तहत सरकार ने नर्सिंग होम का इम्पैनलमैंट कर रखा है जबकि इनका ना तो पंजीकरण है और ना ही न्यूनतम मानक बने हैं। हमें कई डॉक्टरों ने बताया कि आर.जी.एच.एस. के अंतर्गत आने वाले मरीजों के आवश्यकता से अधिक टैस्ट लिख देते हैं जिनकी जांच या तो अस्पताल में उपलब्ध ही नहीं होती या कराई नहीं जाती, परंतु फिर भी अस्पताल सरकार से भुगतान ऐंठ लेते हैं।

राजस्थान सरकार

कार्यालय मुख्य चिकित्सा एंव स्वास्थ्य अधिकारी, जयपुर प्रथम

मिनि स्वास्थ्य भवन, सेठी कॉलोनी, जयपुर (दूरभाष नं. 0141-2605858)

क्रमांक सामान्य/एफ-95(4)/2019/13 — दिनांक : 01.08.2019

PROVISIONAL CERTIFICATE

FOR LAB REGISTRATION OF CLINICAL ESTABLISHMENT

1	नैदानिक स्थापन का नाम:-	Care and Cure Laboratory and Invitro Allergy testing
2	पता:-	68 गंगवाल पार्क जयपुर
3	नैदानिक स्थापन स्वामी का नाम:-	श्री निरंजन सिंह नरूका
4	भारसाधक व्यक्ति का नाम:-	—
5	औषध की पद्धति:-	—
6	स्थापन का प्रकार:-	लैबोरेटरी

को नैदानिक स्थापन(रजिस्ट्रीकरण और विनियमन) अधिनियम 2010 ओर तदधीन बने नियमों के अधीन इसके द्वारा अनंतिम रूप से रजिस्ट्रीकृत किया जाता है।

यह प्राधिकार नैदानिक स्थापन(रजिस्ट्रीकरण और विनियमन) अधिनियम 2010 ओर तदधीन बने नियमों के अधीन प्रवृत नियमों में यथा-विनिर्दिष्ट शर्तो के अध्यधीन है।

नोट:- यह प्रमाण पत्र दिनांक 01.08.2019 से 31.07.2020 तक वैध है।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी,
जयपुर प्रथम
जयपुर दिनांक 01.08.2019

उक्त दस्तावेज में देखा जा सकता है कि जयपुर ज़ोन- प्रथम में सी.एम.एच.ओ. द्वारा एक लैब का अस्थायी पंजीकरण किया गया है, परंतु लैब में कार्यरत ''भारसाधक व्यक्ति'' और औषध की पद्धति के बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई है। ऐसे में सवाल उठता है कि जब प्रशासनिक अधिकारी इस लैब की जांच करेंगे तो वह रिक्त छोड़ी गई जानकारी का सत्यापन कैसे करेंगे? उक्त लैब का अस्थायी पंजीकरण होने के बाद से जयपुर प्रथम के सी.एम.एच.ओ. कई बार बदले जा चुके हैं इसलिए इस संबंध में किस अधिकारी से सवाल पूछा जाए यह भी स्पष्ट नहीं है।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908